डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल से 10.2024 से 20.10.2024 वर्ष-41 अंक-42 मूल्य ₹ 10.00

संक्षिप्त खबर

श्री रतन टाटा का निधन उद्योग जगत की बड़ी क्षति

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उद्योगपति श्री रतन टाटा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री रतन टाटा का निधन उद्योग जगत की बड़ी क्षति है। देश की अर्थव्यवस्था और वाणिज्य-उद्योग क्षेत्र में श्री रतन टाटा के योगदान को सदैव रेखांकित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्व. रतन टाटा की आत्मा की शांति और उनके मित्रजन एवं परिजन को यह दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना भगवान महाकाल से की है।

श्रीराम वन गमन पथ स्थलों के विकास के लिए समिति गठित

भोपाल, मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य शासन ने श्रीराम वन गमन पथ स्थलों के विकास की समेकित योजना निर्माण कार्यों के क्रियान्वयन एवं नियमित समीक्षा के लिए विभागीय सचिवों की समिति का गठन किया है। समिति में अपर मुख्य सचिव, जल संसाधन, प्रमुख सचिव, नगरीय प्रशासन, लोक निर्माण, वित्त, सदस्य होंगे। प्रमुख सचिव संस्कृति, पर्यटन समिति के पदेन सदस्य सचिव होंगे।

प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन 14 को

भोपाल, नेशनल अप्रेंटिसशिप मेला 2024 भोपाल, ग्वालियर और सागर संभाग के युवाओं को कौशल विकास और रोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा। यह मेला 14 अक्टूबर को शासकीय आईटीआई में आयोजित होगा, जहाँ युवा अपनी प्रतिभा को निखारने और विभिन्न उद्योगों से जुड़ने का अवसर पाएंगे। यह मेला युवाओं को *"सीखें, कमाएं, और अपने बेहतर भविष्य की ओर कदम बढ़ाएं"* का अवसर प्रदान करेगा। उम्मीदवार bit.ly/4dyTLMo लिंक पर पंजीयन करा सकते हैं।

प्रधानमंत्री के प्रति मुख्यमंत्री ने आभार किया व्यक्त

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसान सम्मान निधि अंतर्गत प्राप्त राशि से प्रदेश के 81 लाख किसानों को लाभ होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा किसानों की खुशहाली और समृद्धि के लिए चलाई गई किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 20 हजार करोड़ की राशि मध्यप्रदेश के किसानों के खाते में अंतरित की गई। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश के किसानों की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार मानते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्यमंत्री ने नवीन तकनीक पर आधारित संपदा-2.0 पोर्टल का कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में किया शुभारम्भ

संपदा-2.0 ऑनलाइन पंजीयन में डिजिटल क्रांति का माइलस्टोन, राज्य का यह नवाचार देश में फॉलो होगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ई-रजिस्ट्री और ई-पंजीयन के नवीन *'संपदा-2.0'* पोर्टल और मोबाइल ऐप का बटन दबाकर शुभारंभ किया

- ईज़ ऑफ लिविंग के लिये प्रदेश को नई सौगात
- पंजीयन की व्यवस्था बनेगी सुगम, सरल और करप्शन-फ्री
- केन्द्र सरकार ने मध्यप्रदेश को दिया 120 शहरों की जीआईएस मैपिंग का कार्य
- हर जिले में स्थापित होगी जीआईएस लैब

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया डिजिटल इंडिया मिशन अब कल्पवृक्ष की तरह आमजन की हर जरूरत पूरी कर रहा है। जीरो बैलेंस खाता, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन और ई-रजिस्ट्री जैसे नवाचार ने सभी का जीवन सरल और सुगम बनाया है।

इसी कड़ी में मध्यप्रदेश में नवीन तकनीक पर आधारित संपदा-2.0 का नवाचार ऑनलाइन दस्तावेज पंजीयन में डिजिटल क्रांति का माइलस्टोन बनेगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में ई-रजिस्ट्री और ई-पंजीयन के नवीन प्रणाली पर विकसित 'संपदा-2.0' पोर्टल और मोबाइल ऐप के शुभारंभ समारोह में कहीं। उन्होंने कहा कि इस नवाचार को पूरा देश फॉलो करेगा। पहले दस्तावेज पंजीयन और अन्य कार्यों के लिए कार्यालय आना पड़ता था लेकिन पोर्टल और ऐप से लोग घर से ही इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

सुगम और करप्शन-फ्री व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश लगातार नवाचार कर रहा है। इस दिशा में प्रदेश में संपदा-2.0 की नई व्यवस्था प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशानुरूप ईज़ ऑफ लिविंग को दृष्टिगत रखते हुए लागू की जा रही है। इससे पंजीयन की व्यवस्था सुगम, सरल और करप्शन-फ्री बनेगी। नागरिकों को ई-पंजीयन और ई-स्टाम्पिंग की नवीन प्रणाली का लाभ मिलेगा। लोग घर बैठे अपनी प्रापर्टी को बेच भी सकेंगे और रजिस्ट्री भी करा सकेंगे। इस प्रणाली से प्रदेश ही नहीं, बल्कि प्रदेश और देश के बाहर से भी ऑनलाइन रजिस्ट्रियां करवाई जा सकेंगी। इससे आम व्यक्ति का समय भी बचेगा और अनावश्यक रूप से लगने वाले आरोपों से मुक्ति भी मिलेगी।

जो स्पेन में नहीं हुआ, वह हुआ मध्यप्रदेश में

मुख्यमंत्री से वर्चुअल संवाद में स्पेन के श्री मरियानो मटियास ने बताया कि अभी तक स्पेन में भी ई-रजिस्ट्री का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद के साथ कहा कि जो काम स्पेन में नहीं हुआ, वह मध्यप्रदेश ने उनके नेतृत्व में टीम ने करके दिखा दिया है।

प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना से मध्यप्रदेश में 12.30 लाख हितग्राही हुए लाभान्वित

भोपाल, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में पिछले 4 वर्षों में मध्यप्रदेश देश में पहले स्थान पर निरंतर अपनी उपस्थिति दर्ज कराता आया है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में बेहतर प्रदर्शन के लिये मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर 11 पुरस्कार तथा प्रदेश स्तर पर 44 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। योजना में अब तक शहरी क्षेत्र के 12 लाख 30 हजार हितग्राहियों को 1769 करोड़ 16 लाख रुपये का ऋण स्व-रोज़गार के लिये उपलब्ध कराया गया है। योजना में मध्यप्रदेश में 4 लाख 89 हजार पथ विक्रेता सफलतापूर्वक डिजिटल लेन-देन कर रहे हैं, जिसमें उन्हें 21 करोड़ रुपये का कैशबैक भी प्राप्त हुआ है।

अनुग्रह राशि उपलब्ध कराई गई

प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना शहरी क्षेत्रों में रेहड़ी पटरी वाले, हाथ ठेला वालों के रोज़गार को मजबूती देने के उद्देश्य से शुरू की गई, जिसमें छोटे स्तर पर अपना काम-धंधा करने वाले हितग्राहियों को 10, 20 और 50 हजार रुपये की कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग की इस योजना में कोरोना काल के दौरान पूर्व में असंगठित क्षेत्र के पंजीकृत पथ विक्रेताओं को राज्य सरकार की ओर से एक-एक हजार रुपये की अनुदान राशि भी उपलब्ध कराई गई।

अन्य योजनाओं का भी मिला लाभ

प्रदेश में स्व-निधि से समृद्धि योजना अंतर्गत प्रदेश के 16 लाख 17 हजार से अधिक पंजीकृत पथ विक्रेताओं और परिवार के सदस्यों को सरकार की अन्य योजनाओं का लाभ भी दिलाया गया है। इनमें प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, प्रधानमंत्री जनधन योजना, भवन और अन्य संनिर्माण श्रमिक, प्रधानमंत्री श्रम योगी मान धन योजना, एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड योजना, जननी सुरक्षा और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ प्रदाय किया गया है।

अदम्य साहस और वीरता की प्रतीक हैं वीरांगना रानी दुर्गावती

भोपाल, दमोह जिले के सिंग्रामपुर में हुए महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती शौर्य और बलिदान के स्मरण, नारी सशक्तिकरण एवं सम्मान का दिन है। रानी दुर्गावती अदम्य साहस और वीरता की प्रतीक थीं। उनके जीवित रहते कभी भी मुगल, पठान, सुल्तान या अन्य कोई भी आक्रांता गोंडवाना की तरफ आंख उठाकर नहीं देख सका। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना में हितग्राहियों के खाते में सिंगल क्लिक से 1934 करोड़ 71 लाख रुपये की राशि अंतरित की। साथ ही 70 वर्ष से अधिक उम्र के वृद्धजनों के लिए आयुष्मान कार्ड योजना का शुभारंभ और क्षेत्र के विकास के लिये 5 करोड़ 47 लाख रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी सम्मान सर्वोपरि है। सभी वर्ग की महिलाओं के लिये अनेक हितग्राही और स्वरोज़गारमूलक योजनाएं प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं।

नक्सलवाद और वामपंथी उग्रवाद के विरुद्ध समन्वय से सरकारों को मिलेगी सफलता

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नई दिल्ली के विज्ञान भवन में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की समीक्षा बैठक में शामिल हुए। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में प्रदेश के मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन और पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना भी उपस्थित थे। बैठक में वामपंथी उग्रवाद के वर्तमान परिदृश्य तथा वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों की सुरक्षा और विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने राज्यों के साथ वामपंथी उग्रवाद के विरुद्ध सघन अभियान, हिंसक घटनाओं की सघन जांच और अभियोजन, राज्यों और केंद्र के बीच समन्वय और राज्यों की इंटेलिजेंस क्षमता निर्माण जैसे सुरक्षा मुद्दों की समीक्षा की। विकास के मुद्दों जैसे वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में सड़क

संपर्क बढ़ाने, मोबाइल टावरों के उन्नयन, वित्तीय समावेशन और स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने के संबंध में भी बैठक में विचार किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नक्सलवाद व वामपंथी उग्रवाद के विरुद्ध केंद्र और राज्य सरकारों का समन्वय निश्चित रूप से इसे जड़ से समाप्त करने के प्रयासों को बल देगा।

प्रदेश में नक्सल गतिविधियां

मध्यप्रदेश में नक्सल गतिविधियां सर्वप्रथम वर्ष 1990 में बालाघाट जिले में परिलक्षित हुईं। प्रदेश के 3 जिले बालाघाट, मंडला तथा डिंडोरी नक्सल प्रभावित हैं, जिनमें बालाघाट अति नक्सल प्रभावित है। मंडला तथा डिंडोरी में नक्सल गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। नक्सलियों ने बालाघाट में पहली बड़ी हिंसक वारदात वर्ष 1991 में लांजी थाना क्षेत्र में की, जिसमें पुलिस वाहन को माइंस ब्लास्ट से क्षति हुई थी। इस घटना में 9 पुलिसकर्मी शहीद हुए थे। दूसरी बड़ी घटना बालाघाट के रूपझर थाना के ग्राम नारंगी क्षेत्र में हुई थी जिसमें माइंस विस्फोट से 16 पुलिसकर्मी शहीद हुए थे।

5 अक्टूबर

सरकार ने शुरू की 'पीएम इंटर्नशिप स्कीम'

● केन्द्र सरकार ने बजट में घोषित पीएम इंटर्नशिप स्कीम का पायलट प्रोजेक्ट शुरू

कर दिया है। पहले बैच में महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तराखंड और तेलंगाना के 1.25 लाख उम्मीदवारों को मौका मिलेगा। कंपनियां 3 से 10 अक्टूबर तक पोर्टल पर खुद को रजिस्टर कर सकेंगी, जबकि उम्मीदवार 12 से 25 अक्टूबर के बीच रजिस्ट्रेशन कर पाएंगे। 26 अक्टूबर को शॉर्टलिस्टेड उम्मीदवारों की सूची कंपनियों को दी जाएगी, जो 27 अक्टूबर से 7 नवंबर तक चयन करेंगी। इंटर्नशिप 2 दिसंबर से शुरू होगी और 12 महीने तक चलेगी। आवेदन pminternship.mca.gov.in पर किए जा सकेंगे। योजना में 21 से 24 साल के युवा योग्य होंगे।

● इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) ने ऑनलाइन और ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग कार्यक्रमों के लिए दिसंबर टर्म-एंड परीक्षा (टीईई) के लिए असाइनमेंट जमा करने की समय-सीमा बढ़ा दी है। असाइनमेंट जमा करने की अंतिम तिथि पहले 3 अक्टूबर तक थी जिसे अब 31 अक्टूबर तक बढ़ा दिया गया है। इसके तहत हार्ड और सॉफ्ट कॉपी दोनों को जमा करने की तारीख समान रहेगी। अभ्यर्थी रीजनल सेंटर द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने स्टडी सेंटर या रीजनल सेंटर में संपर्क कर असाइनमेंट जमा कर सकते हैं।

6 अक्टूबर

बहुमूल्य खनिजों के खनन के लिए वराह-3 को समुद्र में उतारा गया

● राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) के डीप सी माइनिंग ग्रुप ने अंडमान सागर में गहरे समुद्र तल पर पाए जाने वाले खनिज के लिए 'वराह-3' नामक समुद्री खनन मशीन को 1,193 मीटर की गहराई पर उतारा। यहां वराह-3 ने 60 से 120 मिलीमीटर के आकार के बहुमूल्य खनिज एकत्र किए। खनिजों में निकल, कोबाल्ट और तांबे जैसी धातुएं शामिल हैं। वराह-3 मशीन गहरे समुद्र में भी खनिज को एकत्र कर सकती है।

● लद्दाख में दुनिया का सबसे ऊंचा गामा किरणों पर आधारित टेलीस्कोप (गामा रे टेलीस्कोप) ब्रह्मांड के रहस्यों को सुलझाएगा। यह वास्तविक नियंत्रण रेखा के करीब हानले गांव में डार्क नाइट सेंचुरी में स्थापित है। गामा टेलीस्कोप विशेष रोबोटिक आंख है जो आकाश में तारों के जन्म और मृत्यु जैसी घटनाओं को ट्रैक करेगा। यह भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र द्वारा तैयार किया गया है।

7 अक्टूबर

भारत ने किया स्वदेशी पोर्टेबल रक्षा कवच का सफल परीक्षण

● डीआरडीओ ने राजस्थान स्थित पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में चौथी पीढ़ी की अत्यंत कम दूरी की वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली के तीन सफल परीक्षण किए। इस दौरान बीएसएच ओलार एडीएस मिसाइल लक्ष्य को भेदने और मार गिराने में सफल रही। आधुनिक तकनीकों से लैस यह नई मिसाइल सशस्त्र बलों को हवाई खतरे के खिलाफ अधिक सशक्त बनाएगी। वीएसएचओआरएडीएस पोर्टेबल वायुरक्षा प्रणाली है, जिसे डीआरडीओ के रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई) ने अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योग भागीदारों के सहयोग से स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है। मिसाइल में लघु प्रतिक्रिया नियंत्रण प्रणाली (आरसीएस) और एकीकृत एवियोनिक्स सहित कई प्रौद्योगिकियां शामिल हैं।

● रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे का निजीकरण नहीं होगा। उन्होंने कहा है कि सरकार का फोकस सभी को सस्ती सेवाएं देने पर है। हाल में रेलवे सुरक्षा बल स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए श्री वैष्णव ने बताया कि सरकार का लक्ष्य है कि जनता 400 रुपये से भी कम में 1,000 किलोमीटर तक आराम से यात्रा कर सके। रेल मंत्री ने कहा कि अगले पांच सालों में रेलवे का पूर्ण रूप से कायाकल्प होगा।

8 अक्टूबर

घर बैठे ही पा सकेंगे एनसीईआरटी की नई पाठ्यपुस्तकें

● एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के लिए छात्रों को अब भटकना नहीं पड़ेगा। उन्हें अब घर बैठे ही यह मुहैया होंगी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत स्कूलों के लिए तैयार हो रही पाठ्यपुस्तकों को छात्रों को समय पर मुहैया कराने के लिए एनसीईआरटी ने ई-कामर्स के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी एमेजोन के साथ एक अहम करार किया। एमेजोन देश के 20 हजार पिन कोड पर इन किताबों को मुहैया कराएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान की मौजूदगी में एनसीईआरटी तथा एमेजोन के बीच यह समझौता हुआ है।

● भारत में फ्रांस के राजदूत थिएरी मथौ ने कहा कि भारत और फ्रांस एयरोस्पेस क्षेत्र में अपने सहयोग को बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। दोनों देशों ने एक एयरोनॉटिक्स क्लस्टर स्थापित करने के साथ-साथ एयरोनॉटिक्स और अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए इंडो-फ्रेंच परिसर विकसित करने का फैसला किया है। फ्रेंच एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (जीआईएफएएस) द्वारा आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए थिएरी मथौ ने कहा कि फ्रांस से भारत को होने वाला 55 प्रतिशत निर्यात वैमानिकी क्षेत्र में है।

9 अक्टूबर

चांद पर मशरूम से बनाए जाएंगे घर

● नासा ने चांद पर घर बनाने के लिए एक अनोखा तरीका निकाला है। इसमें मशरूम से स्ट्रक्चर खड़ा किया जाएगा। इसे 'मायकोटेक्चर' नाम दिया गया है। नासा ने एम्स रिसर्च सेंटर के साथ इस प्रोजेक्ट के लिए करीब 16 करोड़ रुपये का अनुबंध किया है। इस परियोजना में नासा के साथ काम करने वाले आर्किटेक्ट क्रिस मॉरर का कहना है कि मशरूम से बने स्ट्रक्चर किफायती होने के साथ-साथ अंतरिक्ष में रहने वालों को रेडिएशन से बचा सकती हैं।

● पिछले एक महीने के दौरान रेलवे लाइन को बाधित करने की आधा दर्जन से अधिक घटनाएं हुई हैं। रेलवे ट्रैक पर बिजली का खंभा, लकड़ी का लट्ठा, गैस सिलेंडर, पत्थर के बड़े टुकड़े आदि रखने की घटनाओं के बाद रेलवे ने पटरी (ट्रैक) मित्र बनाने के अभियान के साथ अब ऑपरेशन संवाद शुरू किया है। लखनऊ मंडल में अब तक 170 से अधिक रेल ट्रैक मित्र बना दिए गए हैं।

10 अक्टूबर

वर्ष 2025 में होगी जनगणना शुरू

● देशव्यापी जनगणना अब वर्ष 2025 में शुरू होगी। जनगणना महापंजीयक ने एक आदेश जारी कर राज्यों को अपने मंडलों, जिलों, सब-डिवीजनों, तहसीलों और गांवों की सीमाएं 31 दिसंबर, 2024 तक बदलने की छूट दे दी है। पहले यह सीमा 30 जून तक ही थी। दरअसल, जनगणना शुरू कराने के लिए प्रशासकीय सीमाएं सील करना प्राथमिक शर्त है। जनगणना का नया चक्र वर्ष 2025 के बाद वर्ष 2035 और वर्ष 2045 को होगा। 1881 से हर दस वर्ष बाद होने वाली जनगणना वर्ष 2021 में होनी थी, जो तीन वर्ष की देरी से शुरू होगी। पूरी कवायद दो से ढाई साल में पूरी होगी। ऐसे में इस डेटा को वर्ष 2031 तक सीमित रखना तार्किक नहीं होगा। इस बार की जनगणना डिजिटल होगी और सेल्फ इन्यूमिरेशन एप का सहारा भी लिया जाएगा।

● भारत के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान पीएसएलवी-सी 37 का ऊपरी हिस्सा छह अक्टूबर को पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर गया। इसके साथ ही आठ वर्ष की इसकी अंतरिक्ष यात्रा समाप्त हो गई। पीएसएलवी-सी 37 को इसरो ने 15 फरवरी 2017 को लॉन्च किया था, तब यान ने रिकॉर्ड 104 सैटेलाइट्स लॉन्च किए थे। इस रॉकेट का मलबा अटलांटिक महासागर में गिरा है।

11 अक्टूबर

बिना इंटरनेट कनेक्शन के अब यूपीआई से कर सकेंगे 10,000 रुपये तक का भुगतान

● बिना इंटरनेट कनेक्शन वाले फीचर फोन रखने वाले 25 करोड़ से अधिक लोग अब यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) 123 पे प्रणाली से 10,000 रुपये तक का एक बार में भुगतान कर सकेंगे। अभी फीचर फोनधारक एक बार में पांच हजार का भुगतान कर सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर श्री शक्तिकांत दास ने यह सीमा बढ़ाकर 10,000 रुपये करने की घोषणा की। आरबीआई गवर्नर ने यूपीआई लाइट वॉलैट की सीमा को 2,000 रुपये से बढ़ाकर 5,000 रुपये करने के साथ इस वॉलैट से होने वाले प्रति भुगतान की सीमा को 500 रुपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये करने का भी ऐलान किया।

● यूक्रेन में रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए ब्रिटेन सरकार ने रूस पर नए प्रतिबंध लगा दिए। ब्रिटेन ने कहा कि हम और अधिक प्रतिबंध लगा सकते हैं। प्रतिबंधित लोगों में रूसी रेडियोलॉजिकल, रासायनिक और जैविक रक्षा टुकड़ियां और इसके नेता इगोर किरिलोव शामिल हैं। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा कि हम क्रेमलिन के भय फैलाने के प्रयासों को सीधे निशाना बनाने और उनका मुकाबला करने के लिए प्रतिबंधों का इस्तेमाल करना जारी रखेंगे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

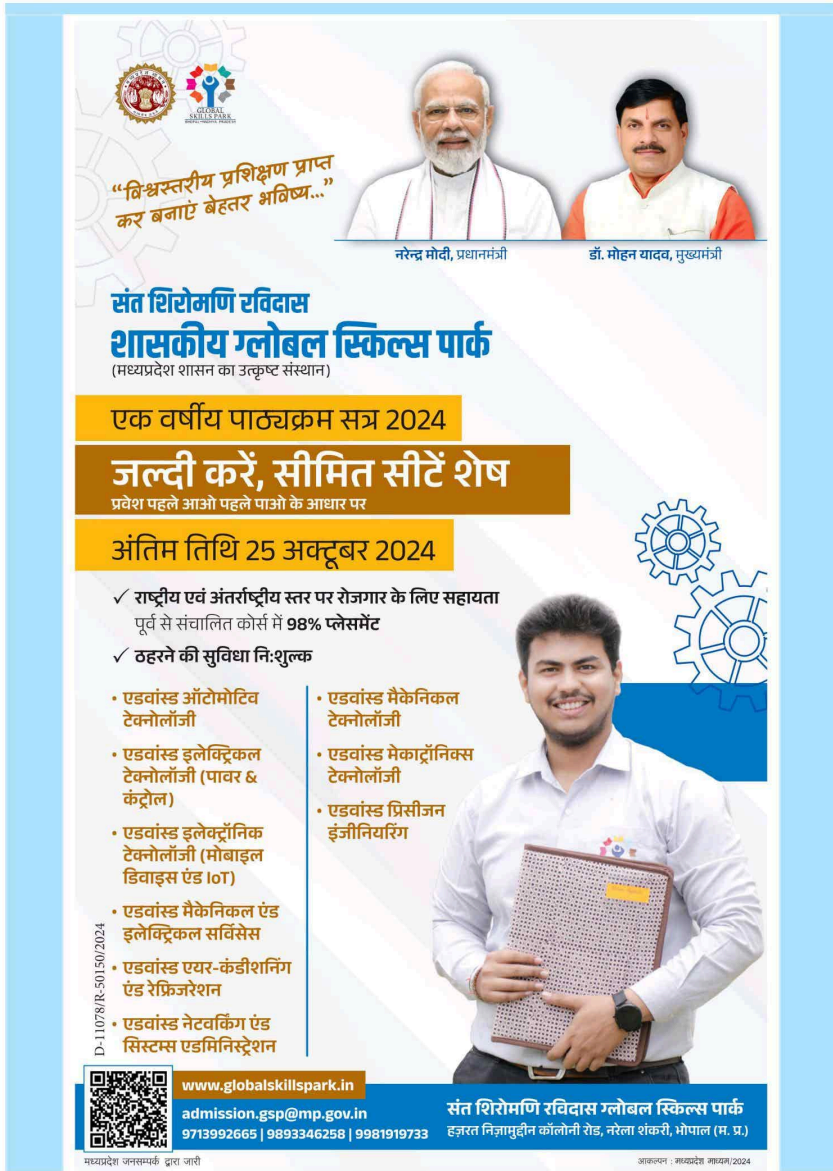
"विश्वस्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त कर बनाएं बेहतर भविष्य..."
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
संत शिरोमणि रविदास
शासकीय ग्लोबल स्किल्स पार्क
(मध्यप्रदेश शासन का उत्कृष्ट संस्थान)
एक वर्षीय पाठ्यक्रम सत्र 2024
जल्दी करें, सीमित सीटें शेष
प्रवेश पहले आओ पहले पाओ के आधार पर
अंतिम तिथि 25 अक्टूबर 2024
✓ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के लिए सहायता
पूर्व से संचालित कोर्स में 98% प्लेसमेंट
✓ ठहरने की सुविधा नि:शुल्क
• एडवांस्ड ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी
• एडवांस्ड इलेक्ट्रिकल टेक्नोलॉजी (पावर & कंट्रोल)
• एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोलॉजी (मोबाइल डिवाइस एंड IoT)
• एडवांस्ड मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल सर्विसेस
• एडवांस्ड एयर-कंडीशनिंग एंड रेफ्रिजरेशन
• एडवांस्ड नेटवर्किंग एंड सिस्टम्स एडमिनिस्ट्रेशन
• एडवांस्ड मैकेनिकल टेक्नोलॉजी
• एडवांस्ड मेकाट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी
• एडवांस्ड प्रिसीजन इंजीनियरिंग
D-11078/R-50150/2024
www.globalskillspark.in
admission.gsp@mp.gov.in
9713992665 | 9893346258 | 9981919733
संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क
हज़रत निज़ामुद्दीन कॉलोनी रोड, नरेला शंकरी, भोपाल (म. प्र.)
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2024

वर्ष 41, अंक 42 14.10.2024 से 20.10.2024
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

पीएम पोषण योजना से बच्चों को मिल रहा पका हुआ पोषण आहार

केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण या कहें पीएम पोषण योजना से प्रदेश के जनजातीय वर्ग के बच्चों को पके हुए पोषण आहार का भरपूर लाभ मिल रहा है। विशेष रूप से कमजोर तथा पिछड़े जनजातीय समूह (पीवीटीजी) की बहुलता वाले मध्यप्रदेश के 24 जिलों के बच्चे पीएम पोषण योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। प्रदेश में बैगा, भारिया और सहरिया तीन जनजातियां पीवीटीजी में आती हैं। अनूपपुर, अशोकनगर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, दतिया, डिण्डोरी, गुना, ग्वालियर, कटनी, मंडला, मुरैना, नरसिंहपुर, सतना, शहडोल, श्योपुर, शिवपुरी, सीधी, विदिशा, भिण्ड, जबलपुर, रायसेन, उमरिया, सिंगरौली तथा सिवनी जिले में पीवीटीजी जनजातियां निवास करती हैं। पीएम पोषण योजना में प्रदेश के 24 पीवीटीजी जिलों में सतत रूप से खाद्यान्न (गेहूं एवं चावल) जारी किया जा रहा है। इस खाद्यान्न से बच्चों को पका हुआ गर्म पोषक भोजन उपलब्ध कराया जाता है। गत वित्त वर्ष 2023-24 में इन 24 पीवीटीजी जिलों को 30184.01 मीट्रिक टन गेहूं एवं 26519.96 मीट्रिक टन चावल, कुल 56703.97 मीट्रिक टन खाद्यान्न जारी किया गया। वर्तमान वित्त वर्ष 2024-25 में (30 सितम्बर 24 तक) इन्हीं पीवीटीजी जिलों को 13552.89 मीट्रिक टन गेहूं एवं 12941.77 मीट्रिक टन चावल, कुल 26494.66 मीट्रिक टन खाद्यान्न जारी किया जा चुका है। बच्चों के लिये खाना पकाने रखे गये रसोइयों के मानदेय एवं भोजन पकाने पर होने वाले अन्यान्य व्ययों के लिये भी इन 24 पीवीटीजी जिलों को समुचित राशि जारी की गई है। सितंबर 2021 में केंद्रीय मंत्रीमंडल ने 1.31 ट्रिलियन रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में भोजन उपलब्ध कराने के लिये प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण या पीएम-पोषण को मंजूरी दी। इस योजना ने स्कूलों में मध्याह्न भोजन के लिये राष्ट्रीय कार्यक्रम या मध्याह्न भोजन योजना की जगह ले ली। इसे पाँच वर्ष (2021-22 से 2025-26) की शुरुआती अवधि के लिये लॉन्च किया गया है। प्राथमिक (1-5) और उच्च प्राथमिक (6-8) स्कूली बच्चे वर्तमान में प्रत्येक कार्य दिवस में 100 ग्राम और 150 ग्राम खाद्यान्न प्राप्त करते हैं, ताकि उनकी न्यूनतम 700 कैलोरी की पूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इसमें प्री-प्राइमरी कक्षाओं के बालवाटिका (3-5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे) के छात्र भी शामिल हैं। पीएम पोषण योजना का उद्देश्य बच्चों में बौनेपन, कुपोषण, एनीमिया और जन्म के समय कम वजन और इससे उपजने वाली समस्याओं को दूर करना है। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में भी यह योजना अत्यंत सहायक है। कुपोषण भारत में एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है, जो देश के लाखों बच्चों और महिलाओं को प्रभावित करती है।

पीवीटीजी अर्थात विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह। यह समूह पहाड़ों, मैदानों, जंगलों तथा दूरस्थ क्षेत्रों में निवास करते हैं। चूंकि इनका निवास दूरस्थ अंचल में है इसलिए इन्हें योजनाओं की जानकारी न होने अथवा पहुँच के आभाव में लाभ के प्रतिशत में अंतर आया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस समूह की चिंता की और उनके विकास के लिए विशेष योजना बनाई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह पीवीटीजी के लिए 15 नवम्बर 2023 को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर झारखण्ड के खूंटी जिले से प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा-अभियान की शुरुआत की।

नासा द्वारा 12 वर्ष पहले मंगल ग्रह पर भेजा गया क्यूरियोसिटी रोवर हुआ क्षतिग्रस्त

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की ओर से मंगल ग्रह पर भेजे गए क्यूरियोसिटी रोवर के पहिये में छेद होने की जानकारी सामने आई है। लगभग 12 साल से लाल ग्रह पर यह रोवर स्थापित है जिसकी तस्वीरें अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने जारी की हैं। तस्वीरों में रोवर के पहिये में कई बड़े छेद नजर आ रहे हैं। इससे स्पष्ट होता है कि रोबोट को कहीं न कहीं बड़ी क्षति पहुंची है। नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार क्यूरियोसिटी के मार्स हैंड लेंस इमेजर की ओर से ली गई तस्वीर को देखने के बाद समझ आया कि लंबे समय तक यात्रा के कारण रोवर का दाहिना पहिया क्षतिग्रस्त हुआ है। साथ ही पहिये में खरोचों के साथ कई बड़े निशान भी दिखाई दे रहे हैं। इस पूरे मिशन का संचालन करने वाले इंजीनियर एशले स्टूपने के अनुसार पहिये में हुए छेद के बावजूद क्यूरियोसिटी अभी भी अच्छी स्थिति में है। अभी तक क्यूरियोसिटी से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि रोवर भविष्य में रुकने वाला है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में वैज्ञानिकों ने देखा था कि नासा के पर्सीवियरेंस रोवर का पहिया अपने साथ एक चट्टान लेकर चल रहा था। वैज्ञानिकों के अनुसार क्यूरियोसिटी रोवर पहली बार 5 अगस्त 2012 को मंगल ग्रह पर पहुंचा था। शुरुआत में इसके केवल दो साल तक काम करने की उम्मीद थी। लाल ग्रह पर यह 4323 दिन रह चुका है। क्यूरियोसिटी रोवर गेल क्रेटर के चारों ओर अब तक 32 किलोमीटर से ज्यादा की यात्रा कर चुका है। यह मूल रूप से इसी क्रेटर में उतरा था। इस दौरान वैज्ञानिकों ने जीवों का संकेत खोजने और सूर्य के पिछले हिस्से को देखा। रोवर ने कई तरह की अनोखी चीजें भी खोजी हैं।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

दशहरा : समरस समाज, सशक्त संगठन से सफलता के संदेश का महापर्व

श्रीराम जी का युद्ध सत्ता के लिये नहीं सत्य की स्थापना के लिये था

दशहरा केवल त्योहार या मनोरंजन का उत्सव नहीं है। यह समाज जीवन में उच्चतम आदर्श स्थापना के संकल्प का पर्व है। दशहरे के माध्यम से कुशल नेतृत्व, सशक्त सामाजिक संगठन, सात्विक मूल्यों की स्थापना और सत्य के आधार पर राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया गया है। यह त्योहार मनाने के तरीके और घोष वाक्य 'असत्य पर सत्य की विजय' से बहुत स्पष्ट है।

दशहरा महापर्व अश्विन माह शुक्ल पक्ष की दशमी को आता है। इससे पहले नौ दिन नवरात्र में शक्ति की उपासना और दसवें दिन अर्थात दशहरे को शक्ति पूजा से पर्व का समापन होता है। इस पर्व के दो नाम हैं। एक दशहरा और दूसरा विजयदशमी। पूरे भारत में मनाये जाने वाले इस पर्व के विभिन्न प्रदेशों में अलग-अलग नाम हैं। कहीं-कहीं तो मनाने के तरीके भी भिन्न हैं पर सब में एक बात समान है, वह है शक्ति पूजा की प्रमुखता। दशहरा पर्व के महत्व भी दोनों हैं। धार्मिक भी और सांस्कृतिक महत्व भी। नवरात्रि आयोजन के तरीके भी अलग-अलग प्रांतों में अलग हैं। उत्तर और मध्य भारत में नौ दिन माँ दुर्गा की झाकियां सजाई जाती हैं और रामलीला होती है। पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, असम में पूरे नौ दिन दुर्गा पूजा होती है। इन प्रांतों में रामलीला का चलन कम है। दक्षिण भारत में सबसे प्रसिद्ध दशहरा कर्नाटक में मनाया जाता है। 'मैसूर दशहरा' के रूप में यह भारत के बाहर भी प्रसिद्ध है। विदेशी पर्यटक भी इस दिन यह दशहरा देखने आते हैं। यहां रामजी की रथयात्रा और शोभा यात्रा बहुत प्रसिद्ध है। नवरात्र में गुजरात का गरबा और डांडिया नृत्य भी दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अब तो गुजरात की तर्ज पर गरबा और डांडिया देशभर में आयोजित होने लगा है। उत्सव मनाने में विविधता होने के बावजूद इस उत्सव का आदर्श वाक्य 'असत्य पर सत्य की विजय' सभी प्रदेशों में समान रूप से बोला जाता है। इसे बोलने की भाषा स्थानीय होती है।

इस महापर्व की महत्ता को हम दोनों प्रकार से समझ सकते हैं। पुराण कथाओं से भी और इसे मनाने के तरीके से भी। जिस प्रकार उत्सव के दो नाम दशहरा और विजयदशमी हैं, उसी प्रकार पुराणों में इससे संबंधित कथाएं भी दो हैं। ये दोनों कथाएं महासंग्राम की पृष्ठभूमि हैं। एक सर्वाधिक प्रचलित और लोकप्रिय कथा भगवान श्रीराम और रावण के बीच हुए महायुद्ध की है। यह युद्ध नौ दिन चला था और दसवें दिन रामजी को विजय मिली थी। दूसरी कथा माता शक्ति भवानी और महिषासुर के बीच हुए महासंग्राम की है। यह महासंग्राम भी नौ दिन चला और दसवें दिन महिषासुर का अंत हुआ। इन दोनों कथानकों का मूल एक ही है। रावण का युद्ध राज्य पर आधारित था। रामजी ने संगठन क्षमता और कुशल नेतृत्व से विजय प्राप्त की। महिषासुर भी पूरी सृष्टि के सत्य और धर्म के विनाश पर आमादा था। शक्ति भवानी ने उसका अंत कर सृष्टि को सुरक्षित किया। दोनों कथाओं की पृष्ठभूमि नौ दिनों के युद्ध और सत्य की विजय की है। शक्ति भवानी ने सत्य की स्थापना के लिये स्वयं चंडी का रूप लिया और रामजी ने विराट शक्ति का आह्वान किया। नौ दिन के भीषण युद्ध के बाद दसवें दिन विजय मिली। इसलिए केवल एक दिन का विजय स्मृति दिवस के रूप में यह उत्सव आयोजित हो सकता था। किन्तु भारतीय ऋषि मनीषी भविष्य के लिये भी समाज को सचेत रखना चाहते थे इसलिये इसमें नवरात्रि जोड़कर पूरे दस दिनों का उत्सव विधान बनाया और नौ दिनों को नवदुर्गा उत्सव के रूप में शक्ति उपासना से जोड़ा। शक्ति के नौ रूप होते हैं। जैसे शारीरिक शक्ति, मानसिक शक्ति, बौद्धिक शक्ति, पारिवारिक शक्ति, आर्थिक शक्ति, सामाजिक शक्ति, संगठनात्मक शक्ति, सामरिक शक्ति और राष्ट्रशक्ति। इनमें कुछ का संबंध स्वास्थ्य से, कुछ का परिवार और समाज से और कुछ का राष्ट्र से होता है। इन नौ दिनों की उपासना में शक्ति के इन सभी आयामों को छुआ गया है। एकांत पूजन उपासना, व्रत, साधना और खाद्य पदार्थ सेवन में शारीरिक शुद्धि, मन की एकाग्रता, बौद्धिक विकास की प्रक्रिया निहित है। नौ दिन की साधना को यदि आयुर्वेद और योग की भाषा में समझें तो यह कायाकल्प की प्रक्रिया है। जो आरोग्य वृद्धि और अलौकिक शक्तियों से साक्षात्कार का माध्यम है। आरंभिक साधना एकांत की है तो प्रतिदिन शाम को भजन कीर्तन के माध्यम से समाज का एकत्रीकरण होता है। जिसमें सभी समाजजनों की परिवार सहित उपस्थिति होती है। इसमें न तो कोई वर्ग भेद होता है, न ही जाति का और न ऊंच-नीच का। यह समाज सशक्तिकरण का संदेश है और दसवें दिन शक्ति और शस्त्र पूजन में सामरिक शक्ति साधना का संदेश है। इस उत्सव का यह संदेश महिषासुर वध की कथा का है। श्रीराम जी के रावण पर विजय का उत्सव मनाने में भी नौ दिन रामलीला होती है और दसवें दिन विजय प्रतीक के रूप में रावण का पुतला जलाया जाता है। दशहरे के दिन शस्त्र और अश्व पूजन होता है। इन नौ दिनों की दिनचर्या का निर्धारण कुछ ऐसा है जिससे हम आरोग्य, मानसिक एवं बौद्धिक सामर्थ्य की वृद्धि, शारीरिक, संगठनात्मक एवं सामरिक सशक्तिकरण की ओर अग्रसर होते हैं।

श्रीराम जी की लंका पर विजय का संदेश

विजयादशमी के लिये सर्वाधिक लोकप्रिय कथा श्रीराम जी की लंका विजय करने की है। इस कथा का संदेश समझने के लिये हमें उस महायुद्ध के घटनाक्रम को समझना होगा जो श्रीराम जी और रावण के बीच युद्ध की पृष्ठभूमि तैयार होने की है। न तो रामजी साधारण थे और न रावण। मान्यता है कि श्रीराम जी स्वयं भगवान नारायण का अवतार थे और रावण, कुंभकर्ण उनके पार्षद जय और विजय थे। जो ऋषि श्राप के कारण धरती पर आये और भगवान नारायण का श्रीराम जी के रूप में अवतार लेने का एक कारण अपने पार्षद जय और विजय का उद्धार करना भी था। तब क्या जय ने अपने स्वामी को न पहचाना होगा? और क्या रामजी के रूप में भगवान नारायण ने भी अपने पार्षद को नहीं पहचाना? फिर भी युद्ध हुआ। इसीलिए इसे लीला कहा गया, 'रामलीला'। लीला अर्थात अभिनय। यह अभिनय या लीला समाज को शिक्षित करने के लिये थी। यह संदेश रामजी की युक्ति और पूरी योजना में है। रावण परम शक्तिशाली था। उस पर शिवजी की कृपा थी। जबकि रामजी के साथ अनुज लक्ष्मण के अतिरिक्त कोई न था। उन्होंने हनुमान जी को जोड़ा, हनुमानजी के माध्यम से सुग्रीव और विभीषण को जोड़कर सेना तैयार की। जब युद्ध आरंभ हुआ। तब यह रणनीति बनी कि कब कौन किससे युद्ध करेगा। कल्पना कीजिए यदि तंत्र साधना करते समय मेघनाथ पर हमला न किया जाता तो क्या सफलता मिलती? यदि विभीषण रावण वध का सूत्र न बताता तो क्या रावण का अंत हो सकता था? श्रीराम जी को इस युद्ध अभियान में सफलता उनकी संगठन क्षमता, आंतरिक अनुशासन होना, सबकी एक राय होना, उचित व्यक्ति को उचित काम देने से मिली। जबकि रावण की असफलता का कारण उसके अपने घर में असहयोग और असंगठन था। ऐन वक्त पर भाई विरुद्ध हो गया। पत्नी भी सहमत नहीं थी। कितने सभासद और अन्य संबंधी अंत तक रावण से युद्ध न करने की सलाह देते रहे। यह ठीक है कि रावण अनीति पर था। एक तो माता सीता का अपहरण किया और दूसरे अपनी जिद के लिये सभी बंधु बांधवों को युद्ध में झोक दिया। यहाँ प्रश्न उचित और अनुचित पर विचार करने का तो है ही पर इसके साथ सबको एकता के सूत्र में बांधकर अभियान में सहभागी बनने का भी है। सफलता के लिये एकता आवश्यक है। यदि कोई संकट आया है अथवा कोई बड़ा अभियान आरंभ हुआ है तो सभी स्वजनों का एक स्वर होना चाहिए। सबको सहभागी होना चाहिये। यह संदेश प्रत्येक परिवार के लिये भी है, समाज के लिये भी है और राष्ट्र के लिये भी। जिन परिवारों में मतभेद होते हैं, वे परिवार बहुत ऊंचाई पर नहीं पहुंचते। जिन देशों में समाज शासक के निर्णय का समर्थन नहीं करता वहाँ सदैव समस्या बनी रहती है। सामान्य स्थिति में मतभेद हों तो चलता है, लेकिन युद्ध जैसी आपात स्थिति में भी लोग सहयोग न करें तो राष्ट्र पर संकट घिर आना स्वाभाविक है जैसा श्रीलंका पर घिर गया था। इसलिये दशहरे पर केवल शस्त्र पूजन भर नहीं होता, बल्कि पूरे नौ दिन की रामलीला द्वारा प्रत्येक घटनाक्रम के अभिनय के द्वारा समाज को सिखाने समझाने का प्रयास किया जाता है।

दशहरा उत्सव का नामकरण

आदिशक्ति की जीत स्वयं के भीतर अलौकिक शक्ति से हुई और श्रीराम जी की जीत स्वयं की शक्ति और संगठन क्षमता से हुई। ये दोनों विशेषताएं इस उत्सव के नाम में निहित हैं। सामान्यतः दशहरे नाम को तिथि के दसवें अंक से माना जाता है। यह सही है पर दशहरे का एक और अर्थ है। 'दश' का अर्थ गतिमान रहना, चैतन्य रहना और सक्रिय रहना भी होता है। जबकि 'हरे' का आशय नारायण एवं शिव दोनों से है। 'हर' कहा गया शिवजी को और 'हरि' नारायण को। इन दोनों की संधि से शब्द 'हरे' बनता है। इसलिये कीर्तन में प्रभुनाम के आगे 'हरे हरे' उच्चारण आता है। 'हरे' में तीनों गुण और पांचों तत्व समाये होते हैं। सतोगुण, रजोगुण, और तमोगुण तीन गुण होते हैं और धरती, जल, आकाश, अग्नि और वायु पांच तत्व माने गये हैं। अब 'दशहरे' का आशय हुआ पांचों तत्व और तीनों गुणों के अनुरूप कार्य करना। यही प्रभु का काज है। इसके लिये सदैव चैतन्य रहना। सत्य की रक्षा और धर्म की स्थापना प्रकृति का कार्य है इसी के लिये ये दोनों युद्ध हुए। इसलिए इस त्योहार का नाम 'दशहरा' रखा गया।

रमेश शर्मा

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

नौसेना पोत मरम्मत यार्ड, नौसेना केन्द्र, कारवार, कर्नाटक -581 308, और नौसेना विमान यार्ड (गोवा) डाबोलिम, गोवा - 403801

में निर्दिष्ट ट्रेडों में प्रशिक्षुता प्रशिक्षण के लिए नामांकन

1. प्रशिक्षुता नियम, 1992 के साथ पठित प्रशिक्षु अधिनियम, 1961 के अंतर्गत नौसेना पोत मरम्मत यार्ड, कारवार और नौसेना विमान यार्ड (गोवा), डाबोलिम, गोवा में प्रशिक्षुता प्रशिक्षण में नामांकन के लिए विभिन्न नामित ट्रेडों में आईटीआई योग्यता प्राप्त भारतीय नागरिकों (पुरुष/महिला दोनों) से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं. नीचे दिखाए गए विवरण के अनुसार नौसेना पोत मरम्मत यार्ड, कारवार के लिए कुल 180 रिक्तियां और नौसेना विमान यार्ड (गोवा), डाबोलिम, गोवा के लिए 30 रिक्तियां भरी जानी हैं : -

(क) नौसेना पोत मरम्मत यार्ड, कारवार में रिक्तियां : इन रिक्तियों के लिए चयन करने वाले उम्मीदवारों के लिए प्रशिक्षण नौसेना पोत मरम्मत यार्ड, कारवार में किया जाएगा.

एक वर्षीय प्रशिक्षण : -

क्र.सं.	प्रशिक्षुता ट्रेड	पात्र आईटीआई ट्रेड	कुल	अना	अपिव	अजा	अजजा	पीडब्ल्यूबीडी	भूपूसै
(क)	कंप्यूटर ऑपरेटर और प्रोग्रामिंग सहायक	कंप्यूटर ऑपरेटर और प्रोग्रामिंग सहायक	2	1	1	0	0	विभिन्न ट्रेडों में अभ्यर्थियों की उपलब्धता के आधार पर क्षैतिज आरक्षण लागू होगा.	विभिन्न ट्रेडों में अभ्यर्थियों की उपलब्धता के आधार पर क्षैतिज आरक्षण लागू होगा.
(ख)	इलेक्ट्रिशियन	इलेक्ट्रिशियन	12	6	3	2	1		
(ग)	इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक	इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक	11	6	3	1	1		
(घ)	फिटर	फिटर	24	11	8	3	2		
(ङ)	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी रखरखाव (आईसीटीएम)	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी रखरखाव. **(अथवा)** सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम रखरखाव **(अथवा)** उत्कृष्टता केंद्र योजना के अंतर्गत सूचना प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर एवं बाह्य उपकरणों के हार्डवेयर की मरम्मत एवं रखरखाव तथा उत्कृष्टता केंद्र योजना के उन्नत मॉड्यूल क्षेत्र में व्यापक आधार पर बुनियादी प्रशिक्षण.	5	2	2	1	0		
(च)	इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक	इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक	3	1	1	1	0		
(छ)	मशीनिस्ट	मशीनिस्ट	2	1	1	0	0		
(ज)	मरीन इंजन फिटर	मरीन इंजन फिटर	15	7	5	2	1		
(झ)	मैकेनिक डीजल	मैकेनिक डीजल	12	7	3	2	0		
(ञ)	मैकेनिक (एम्बेडेड सिस्टम और प्रोग्रामेबल लॉजिक कंट्रोलर (पीएलसी))	उत्कृष्टता केंद्र योजना के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र तथा एम्बेडेड सिस्टम और पीएलसी में उत्कृष्टता केंद्र योजना के उन्नत मॉड्यूल क्षेत्र में व्यापक बुनियादी प्रशिक्षण.	2	1	1	0	0		
(ट)	मैकेनिक औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स	इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक. **(अथवा)** मैकेनिक औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स. **(अथवा)** मैकेनिक उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक उपकरण. **(अथवा)** तकनीशियन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रणाली.	9	4	3	1	1		
(ठ)	मैकेनिक मशीन टूल रखरखाव	मैकेनिक मशीन टूल रखरखाव	2	1	1	0	0		
(ड)	मैकेनिक मैक्ट्रॉनिक्स	मैकेनिक मैक्ट्रॉनिक्स. **(अथवा)** मैकेनिक मशीन टूल रखरखाव	11	6	3	1	1		
(ढ)	मैकेनिक मोटर वाहन	मैकेनिक मोटर वाहन	2	1	1	0	0		
(ण)	मैकेनिक रेफ्रिजेरेटर और एसी	मैकेनिक रेफ्रिजेरेटर और एसी	6	2	2	1	1		
(त)	ऑपरेटर अडवांस मशीन टूल्स	ऑपरेटर अडवांस मशीन टूल्स **(अथवा)** मशीनिस्ट **(अथवा)** टर्नर	3	2	1	0	0		
(थ)	पेंटर (सामान्य)	पेंटर (सामान्य)	5	2	2	1	0		
(द)	पाइप फिटर	प्लम्बर	5	2	2	1	0		
(ध)	शीट मैटल वर्कर	शीट मैटल वर्कर	2	1	1	0	0		
(न)	शिपराइट स्टील	फिटर	7	3	2	1	1		
(प)	शिपराइट वुड	कारपेंटर	9	4	3	2	0		
(फ)	टेलर (सामान्य)	सिलाई तकनीक (या) पोशाक बनाना	5	2	2	1	01		
(ब)	वेल्डर (गैस और इलेक्ट्रिक)	वेल्डर	9	4	3	2	0		
(भ)	टीआईजी/एमआईजी वेल्डर	उत्कृष्टता केंद्र योजना के अंतर्गत फैब्रिकेशन (फिटिंग और वेल्डिंग) क्षेत्र में व्यापक बुनियादी प्रशिक्षण और उत्कृष्टता केंद्र योजना के उन्नत मॉड्यूल में टीआईजी/एमआईजी वेल्डिंग. **(या)** वेल्डर	5	2	2	1	0		
		कुल (क)	**168**	**79**	**55**	**24**	**10**		

दो वर्षीय प्रशिक्षण :

(म)	क्रेन ऑपरेटर ओवरहेड (स्टील उद्योग)	10वीं पास फ्रेशर	2	1	1	0	0		
(य)	फोर्जर और हीट ट्रीटर	10वीं पास फ्रेशर	5	2	1	1	1		
(र)	रिगर	फ्रेशर	5	2	1	1	1		
		कुल (ख)	**12**	**5**	**3**	**2**	**2**		
		कुल योग (क)+(ख)	**180**	**84**	**58**	**26**	**12**	**6**	**6**

(ख) नौसेना विमान यार्ड (गोवा), डाबोलिम, गोवा में रिक्तियां :- इन रिक्तियों के लिए चुने जाने वाले उम्मीदवारों को प्रशिक्षण नौसेना विमान यार्ड (गोवा), डाबोलिम, गोवा में दिया जाएगा.

नौसेना विमान यार्ड (गोवा), डाबोलिम, गोवा में रिक्तियां : -

क्र. सं.	प्रशिक्षुता ट्रेड	पात्र आईटीआई ट्रेड	प्रत्येक ट्रेड के लिए अधिकतम रिक्तियां	
(क)	शिपराइट वुड	कारपेंटर	02	कुल 30
(ख)	कंप्यूटर ऑपरेटर और प्रोग्रामिंग सहायक	कंप्यूटर ऑपरेटर और प्रोग्रामिंग सहायक	02	
(ग)	इलेक्ट्रिशियन	इलेक्ट्रिशियन	05	
(घ)	इलेक्ट्रिशियन एयरक्राफ्ट	इलेक्ट्रिशियन	05	
(ङ)	इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक	इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक	05	
(च)	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सिस्टम रखरखाव	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सिस्टम रखरखाव. **(अथवा)** सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम रखरखाव. **(अथवा)** उत्कृष्टता केंद्र योजना के अंतर्गत सूचना प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर एवं बाह्य उपकरणों के हार्डवेयर की मरम्मत एवं रखरखाव तथा उत्कृष्टता केंद्र योजना के उन्नत मॉड्यूल क्षेत्र में व्यापक आधार पर बुनियादी प्रशिक्षण.	02	
(छ)	इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक	इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक	02	
(ज)	मशीनिस्ट	मशीनिस्ट	05	कुल 30
(झ)	मैकेनिक इंस्ट्रूमेंट एयरक्राफ्ट	इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक	05	
(ञ)	मैकेनिक रडार एवं रेडियो एयरक्राफ्ट इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक. (अथवा) मैकेनिक औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स. (अथवा) मैकेनिक उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक अपलाइन्सेज. (अथवा) तकनीशियन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम		05	

क्र. सं.	प्रशिक्षुता ट्रेड	पात्र आईटीआई ट्रेड	प्रत्येक ट्रेड के लिए अधिकतम रिक्तियां
(ट)	पेंटर (सामान्य)	पेंटर (सामान्य)	02
(ठ)	शीट मैटल वर्कर	शीट मैटल वर्कर	02
(ड)	वेल्डर (गैस और इलेक्ट्रिक)	वेल्डर	02

अना- अनारक्षित, **अपिव-** अन्य पिछड़ा वर्ग, **अजा-** अनुसूचित जाति, **अजजा -** अनुसूचित जनजाति, **पीडब्ल्यूबीडी -** बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्ति (100% दिव्यांगता वाले उम्मीदवारों को सक्षम प्रशिक्षकों/संकाय उपलब्ध न होने के कारण प्रशिक्षुता प्रशिक्षण के लिए आवेदन नहीं करने की सलाह दी जाती है. यदि आवेदन किया जाता है, तो आवेदन को बिना किसी पत्राचार के खारिज कर दिया जाएगा), **भूतपूर्व सैनिक-** सशस्त्र बल कार्मिक/भूतपूर्व सैनिक के बच्चे और भूतपूर्व सैनिक.

नोट:-

(क) यदि किसी निश्चित ट्रेड के लिए विज्ञापित रिक्तियों से कम योग्यता वाले अभ्यर्थी प्राप्त होते हैं, तो उस ट्रेड की रिक्तियों को रद्द कर दिया जाएगा तथा समग्र योग्यता और श्रेणी के आधार पर अन्य ट्रेडों में पुनः विनियोजन किया जाएगा. पुनः विनियोजन के पश्चात, एनएसआरवाई, कारवार के लिए किसी भी ट्रेड में रिक्तियों की कुल संख्या 30 से अधिक नहीं होगी.

(ख) यदि किसी आरक्षण श्रेणी के लिए निर्धारित कोई रिक्ति किसी नामांकन वर्ष में आरक्षण की प्रासंगिक श्रेणी में उपयुक्त अभ्यर्थियों की अनुपलब्धता के कारण नहीं भरी जा सकती है, तो उस विशेष नामांकन वर्ष के लिए ऐसी रिक्तियों को बैकलॉग के रूप में अगले नामांकन वर्ष में आगे नहीं बढ़ाया जाएगा.

2. पात्रता की शर्तें:-

(क) शैक्षिक योग्यता

क्र.सं.	योग्यता	न्यूनतम प्रतिशत	अभ्युक्ति
(i)	एसएससी/मैट्रिक/ 10वीं कक्षा उत्तीर्ण की हो	50 प्रतिशत अंक	यदि स्कूल/बोर्ड ग्रेड/सीजीपीए आदि प्रदान करता है, तो उसे उस बोर्ड द्वारा अपनाए गए मानदंडों के अनुसार अंकों के बराबर प्रतिशत के रूप में दर्शाना होगा. ऐसा न होने पर उम्मीदवारी पर विचार नहीं किया जाएगा. इसी तरह, जिन उम्मीदवारों ने, किसी ऐसे मान्यताप्राप्त बोर्ड/ संस्थान से परीक्षा उत्तीर्ण की है, जिसमें 'ग्रेड पॉइंट' प्रणाली लागू है, तो उन्हें आवेदन करने से पहले उचित अधिकारियों द्वारा अपने ग्रेड पॉइंट को अंकों के प्रतिशत में परिवर्तित करवाना होगा.
(ii)	आईटीआई (एनसीवीटी/ एससीवीटी)	65 प्रतिशत अंक	शून्य

नोट: क्रेन ऑपरेटर ओवरहेड (स्टील इंडस्ट्री) और फोर्जर एवं हीट ट्रीटर ट्रेड के लिए नामांकित होने वाले उम्मीदवारों की योग्यता 10वीं कक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए. रिगर ट्रेड के लिए उम्मीदवारों की योग्यता 8वीं कक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए.

(ख) आयु : उम्मीदवारों की आयु 15 अप्रैल 2025 तक 14 वर्ष पूरी हो जानी चाहिए और 21 वर्ष से कम होनी चाहिए, यानी उनका जन्म 15 अप्रैल 2004 और 14 अप्रैल 2011 (दोनों तिथियां सम्मिलित) के बीच हुआ हो. अनुसूचित जाति (अजा)/अनुसूचित जनजाति (अजजा) के उम्मीदवारों के मामले में 21 वर्ष की ऊपरी आयु सीमा में पांच (05) वर्ष की छूट दी जा सकती है. विशेष विचार के योग्य उम्मीदवारों के संबंध में नौसेना मुख्यालय अपने विवेक से ऊपरी आयु सीमा में दो (02) वर्ष की छूट दे सकता है.

(ग) शारीरिक मानक: कद 150 सेंमी, वजन 45 किलोग्राम से कम नहीं, छाती का फैलाव 5 सेंमी से कम नहीं, आंखों की रोशनी 6/6 से 6/9 (चश्मे से 6/9 सही), बाह्य और आंतरिक अंग सामान्य होने चाहिए.

(घ) पूर्ववर्ती प्रशिक्षण: प्रशिक्षुता उम्मीदवारों के लिए एक बारगी अवसर है. ऐसे उम्मीदवार जो पहले से ही किसी अन्य सरकारी/सार्वजनिक क्षेत्र/निजी औद्योगिक संगठन में प्रशिक्षु अधिनियम, 1961 के तहत प्रशिक्षुता प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं या कर रहे हैं, वे आवेदन करने के पात्र नहीं हैं.

3. आरक्षण:

(क) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए: प्रशिक्षुता अधिनियम, 1961 के अध्याय-2 की धारा 3क (1) और (2) के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियां आरक्षित हैं, जिन्हें प्रशिक्षुता नियम, 1992 के नियम 5 की अनुसूची 2क के साथ पढ़ा जाता है, बशर्ते कि जब अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों से संबंधित व्यक्तियों की निर्धारित संख्या उपलब्ध न हो, तो उनके लिए आरक्षित प्रशिक्षण स्थान अनुसूचित जनजातियों या अनुसूचित जातियों से संबंधित व्यक्तियों द्वारा भरे जा सकते हैं और यदि निर्धारित प्रशिक्षण स्थान ऊपर दिए गए तरीके से भी नहीं भरे जा सकते हैं, तो खाली पड़े प्रशिक्षण स्थानों को गैर-अनुसूचित जातियों या गैर-अनुसूचित जनजातियों से संबंधित व्यक्तियों से भरा जा सकता है.

(ख) अपिव के लिए: अप्रेंटिस अधिनियम, 1961 के अध्याय-2 की धारा 3 ख(1) और (2) तथा प्रेस सूचना ब्यूरो/भारत सरकार/सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय प्रेस विज्ञप्ति दिनांक 14 अगस्त 2014 के अनुसार अपिव उम्मीदवारों के लिए रिक्तियां आरक्षित हैं. यदि अन्य पिछड़ा वर्ग की रिक्तियां अपिव से नहीं भरी जा सकती हैं, तो खाली पड़ी रिक्तियों को अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित न होने वाले उम्मीदवारों से भरा जा सकता है.

(ग) बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) के लिए: प्रशिक्षुता प्रशिक्षण मैनुअल के अध्याय-3 की धारा 3.6.2 और पीडब्ल्यूबीडी अधिनियम, 1995 के अनुसार प्रशिक्षुता प्रशिक्षण के लिए कुल रिक्तियों का 3% पीडब्ल्यूबीडी के लिए आरक्षित है. पीडब्ल्यूबीडी आरक्षण का लाभ उठाने के लिए, दिव्यांगता का प्रतिशत 40% से कम नहीं होना चाहिए और किसी भी सरकारी अस्पताल द्वारा जारी मेडिकल बोर्ड द्वारा अपेक्षित नवीनतम वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना चाहिए.

(घ) सशस्त्र बल कर्मियों/पूर्व सैनिकों के बच्चों के लिए: प्रशिक्षुता प्रशिक्षण मैनुअल के अध्याय-3 की धारा 3.6.3 के अनुसार प्रशिक्षुता प्रशिक्षण के लिए कुल रिक्तियों का 3% सशस्त्र बल कर्मियों / पूर्व सैनिकों के बच्चों के लिए आरक्षित है.

4. वजीफा: प्रशिक्षुओं को प्रति माह देय वजीफे की न्यूनतम दर पाठ्यक्रम में निर्धारित योग्यता के अनुसार होगी. प्रशिक्षुओं को प्रति माह देय वजीफे की न्यूनतम दर निम्नानुसार अर्थात् (प्रशिक्षुता नियम, 1992 के नियम 11 के अनुसार होगी):-

क्र.सं.	श्रेणी/ट्रेड	प्रशिक्षण अवधि	वजीफा/प्रतिमाह
(क)	02 वर्षीय आईटीआई प्रमाणपत्र धारक	01 - 12 माह	रु. 8050/-
(ख)	01 वर्षीय आईटीआई प्रमाणपत्र धारक	01 - 12 माह	रु. 7700/-
(ग)	क्रेन ऑपरेटर ओवरहेड (स्टील उद्योग)	01 - 12 माह	रु. 5000/-
		12 - 15 माह	रु. 5500/-
(घ)	रिगर	01 - 03 माह	रु. 2500/-
		04 - 12 माह	रु. 5000/-
		13 - 24 माह	रु. 5500/-
(ङ)	फोर्जर और हीट थियेटर 10वीं पास	01 - 03 माह	रु. 3000/-
		04 - 12 माह	रु. 6000/-
		13 - 24 माह	रु. 6600/-

1. **आवेदन कैसे करें:** इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवारों के लिए **www.apprenticeshipindia.gov.in** पर ऑनलाइन पंजीकरण करना अनिवार्य है. राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) के तहत प्रशिक्षुता वेब पोर्टल पर पंजीकरण के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए:-

(क) पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू करने से पहले, उम्मीदवार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आधार कार्ड में नाम, जन्म तिथि और पिता का नाम एसएससी प्रमाण पत्र से मेल खाता हो. अन्यथा, एसएससी प्रमाणपत्र के अनुसार आधार कार्ड में विवरण बदलें (रिगर के लिए, 8वीं कक्षा प्रमाण पत्र).

(ख) www.apprenticeshipindia.gov.in वेब पोर्टल पर लॉग ऑन करें. फिर वेबसाइट का होम पेज खुल जाएगा.

(ग) होम पेज में कैंडिडेट लॉगइन/रजिस्टर मॉड्यूल पर क्लिक करें. कैंडिडेट रजिस्ट्रेशन नामक पेज खुलेगा. उम्मीदवार को आईटी फॉर्म में अपना व्यक्तिगत विवरण, संपर्क विवरण भरना होगा और फिर सबमिट विकल्प पर क्लिक करके आवेदन जमा करना होगा.

(घ) आवेदन जमा करने के बाद प्रोफाइल एक्टिवेशन के लिए सिस्टम द्वारा जेनरेट किया गया ऑटो मेल ई-मेल आईडी पर भेजा जाएगा. उम्मीदवारों को अपना प्रोफाइल एक्टिवेट करना होगा.

(ङ) www.apprenticeshipindia.gov.in के होम पेज पर वापस जाएं. होम पेज में कैंडिडेट लॉगइन/रजिस्टर मॉड्यूल पर क्लिक करें. प्रोफाइल खोलने के लिए, उम्मीदवारों को अपनी पंजीकृत ई-मेल आईडी दर्ज करनी होगी, फिर सबमिट पर क्लिक करना होगा. प्रमाणीकरण के लिए पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजा जाएगा.

(च) पोस्ट लॉगइन में, उम्मीदवारों को अपनी व्यक्तिगत जानकारी जैसे जन्मतिथि (जन्मतिथि के प्रमाण के रूप में केवल 10वीं कक्षा की मार्कशीट या सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र अपलोड करें), पिता का नाम, माता का नाम और पता, शैक्षणिक योग्यता (केवल 10वीं कक्षा और आईटीआई), ट्रेड वरीयता, बैंक खाता विवरण और आधार संख्या मान्य करना होगा.

(छ) उम्मीदवार प्रोफाइल पूरा होने पर, उम्मीदवारों को **www.apprenticeshipindia.gov.in** वेब पोर्टल में पंजीकरण के लिए ऑनलाइन चरणों का पालन करना होगा:-

(i) चरण 1: **www.apprenticeshipindia.gov.in** वेब पोर्टल पर लॉगऑन करें.

(ii) चरण 2: ड्रॉपडाउन मेनू (ऊपरी दाएं कोने) से अप्रेंटिसशिप अवसर पर क्लिक करें.

(iii) चरण 3: 'संस्थान के नाम से खोजें' अनुभाग में 'नेवल शिप रिपेयर यार्ड, कारवार' दर्ज करें. पदों की एक सूची प्रदर्शित की जाएगी.

(iv) चरण 4: वांछित/पात्रता के अनुसार आवेदन करें पर क्लिक करें. पदों की सूची से प्रशिक्षुता ट्रेड चुनें.

(v) चरण 5: 'उत्तर कन्नड़' चुनें.

(vi) चरण 6: 'ओके' पर क्लिक करें.

(ज) ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने पर, उम्मीदवार प्रोफाइल खोलें, वेब पोर्टल से डाउनलोड करें और प्रिंट आउट लें और 'उम्मीदवार प्रोफाइल' को नीचे दिए गए दस्तावेज के साथ स्पीड/पंजीकृत डाक द्वारा 'ऑफिसर-इन-चार्ज, डॉकयार्ड अप्रेंटिस स्कूल, नेवल शिप रिपेयर यार्ड, नेवल बेस, कारवार, कर्नाटक- 581308' के पते पर अग्रेषित करें, जो **रोज़गार समाचार में इस विज्ञापन के प्रकाशन की तारीख से 20 दिनों के भीतर** पहुंच जाने चाहिए:-

(i) एसएससी/मैट्रिक 10वीं कक्षा की अंकतालिका की स्व-सत्यापित प्रति (रिगर के लिए, 8वीं कक्षा की अंकतालिका).

(ii) आईटीआई अंकतालिका की स्व-सत्यापित प्रति (सेमेस्टर-वार अंकतालिका और समेकित).

(iii) श्रेणी प्रमाण पत्र की स्व-सत्यापित प्रति (केवल अपिव/अजा/अजजा उम्मीदवारों के लिए).

(iv) दिव्यांगता प्रमाण पत्र की स्व-सत्यापित प्रति (केवल दिव्यांग व्यक्तियों के लिए).

(v) आधार कार्ड की स्व-सत्यापित प्रति.

(vi) सशस्त्र बल कार्मिक/नौसेना रक्षा नागरिक कर्मचारियों के बच्चों के लिए सक्षम प्राधिकारी से प्रमाण पत्र की स्व-सत्यापित प्रति, ऊपरी आयु सीमा में दो वर्ष तक की छूट.

(viii) प्रशिक्षुता प्रशिक्षण के लिए संस्थान के चयन का विवरण देने वाला उपक्रम प्रमाण पत्र अर्थात नौसेना पोत मरम्मत यार्ड, कारवार या नौसेना विमान यार्ड (गोवा), डाबोलिम, गोवा को स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट किया जाना चाहिए. प्रमाण पत्र का प्रारूप इस प्रकार है:-

शपथ-पत्र का प्रारूप

मैं एतद्द्वारा यह घोषणा करता हूं कि मैं नेवल शिप रिपेयर यार्ड, कारवार (अथवा) नेवल एयरक्राफ्ट यार्ड (गोवा), डाबोलिम, गोवा में प्रशिक्षुता प्रशिक्षण के लिए नामांकन के लिए आवेदन कर रहा हूं.

(कृपया संस्थान के विकल्प पर टिक करें (सही का निशान लगाएं) और अन्य विकल्प को काट दें).

तारीख **(उम्मीदवार के हस्ताक्षर)**

स्थान

6. **चयन प्रक्रिया:** प्रारंभिक चयन मैट्रिक और आईटीआई परीक्षा में प्राप्त अंकों और आयु के आधार पर किया जाएगा. प्रारंभिक मैरिट सूची में उम्मीदवारों को जनवरी 2025 में कारवार में आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा. सभी पात्र उम्मीदवारों को उनके पंजीकृत ईमेल आईडी पर लिखित परीक्षा के लिए कॉल लेटर जारी किया जाएगा. लिखित परीक्षा गणित (20), सामान्य विज्ञान (20) और सामान्य ज्ञान (10) पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रकार की होगी, जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए डेढ़ अंक होंगे और यह एक घंटे की अवधि के लिए होगा. कोई नकारात्मक अंकन नहीं होगा. प्रश्न पत्र अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में होगा. लिखित परीक्षा के आधार पर मैरिट सूची तैयार की जाएगी. मैरिट के क्रम में उम्मीदवारों को विभिन्न ट्रेडों और लागू आरक्षण श्रेणियों में दस्तावेज़ सत्यापन/साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा. साक्षात्कार संबंधित ट्रेड में उम्मीदवारों के तकनीकी कौशल के आधार पर होगा. चयनित उम्मीदवारों को उनके पंजीकृत ईमेल आईडी पर ज्वाइनिंग लेटर जारी किया जाएगा. नौसेना प्रतिष्ठानों के लिए दो अलग-अलग मैरिट लिस्ट तैयार की जाएंगी, यानी एक नौसेना शिप रिपेयर यार्ड, कारवार और एक नौसेना एयरक्राफ्ट यार्ड (गोवा) के लिए.

7. **संभावित उम्मीदवारों को सूचना:** तिथियों के शेड्यूल में किसी भी बदलाव, संशोधन आदि के मामले में, पंजीकृत ईमेल पर इसकी सूचना दी जाएगी.

8. **यात्रा व्यय:** लिखित परीक्षा के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों के लिए कोई यात्रा व्यय स्वीकार्य नहीं है. केवल उन उम्मीदवारों को, जिन्हें दस्तावेज़ सत्यापन/साक्षात्कार के लिए बुलाया जायेगा, भले ही वे इसमें उत्तीर्ण नहीं हो पाएं, को मूल रेलवे/बस टिकट दिखाने पर निवास/यात्रा स्टेशन से कारवार तक का द्वितीय श्रेणी का रेल किराया दिया जाएगा.

9. **भोजन और आवास:** संपूर्ण चयन प्रक्रिया के दौरान एनएसआरवाई (कारवार) द्वारा उम्मीदवारों को कोई आवास उपलब्ध नहीं कराया जाएगा. लिखित परीक्षा/साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों को अपने भोजन और आवास की व्यवस्था स्वयं करनी होगी.

10. **चिकित्सा परीक्षण:** चयनित उम्मीदवारों को जिला अस्पताल के माध्यम से चिकित्सा परीक्षण से गुजरना

(शेष अगले पृष्ठ पर)

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. : 23AAATM9054A3ZX)
No./12636/22/D-12/MPRRDA/2024
Bhopal, Dated : 07.10.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 1203 UPG

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below :-

● **Name of work : UPG (MPRRDA SSR : 01.01.2024)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Damoh	1	32184000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **08.10.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/116749/2024

R-50154/2024

हकीम सैय्यद ज़ियाउल हसन शासकीय स्वशासी यूनानी महाविद्यालय/चिकित्सालय

कार्यालय, प्रधानाचार्य/मुख्य कार्यपालन अधिकारी
कोलार-नेहरू नगर बायपास रोड, मैनिट के पीछे, भोपाल
Website : www.gumcbhopal.in, Phone : 0755-2970354
E-mail : gumcbhopal@gmail.com

क्र./स्था./2024/4783 **भोपाल, दिनांक : 07.10.2024**

निरस्ती सूचना

म.प्र. शासन, आयुष विभाग, भोपाल द्वारा विशेष भर्ती अभियान के अंतर्गत हकीम सै. ज़ियाउल हसन शासकीय स्वशासी यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, भोपाल में दिव्यांगजनों की विशेष भर्ती अभियान के अंतर्गत जारी विज्ञापन निरस्त करने की सूचना

हकीम सै. ज़ियाउल हसन शासकीय स्वशासी यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, भोपाल में म.प्र. शासन, आयुष विभाग, भोपाल द्वारा दिव्यांगजनों की भर्ती स्टाफ नर्स-01 पद, वार्डबॉय-01 पद एवं भृत्य-01 पद पर **दिनांक 03.09.2024 को** साक्षात्कार आहूत किए गए थे। जिस पर चयन समिति द्वारा प्रस्तुत संक्षेपिका **दिनांक 26.09.2024 से** सहमत होते हुए। महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित विज्ञापन क्र./स्था./2024/ 3858, दिनांक 07.08.2024 को एतद् द्वारा निरस्त किया जाता है।

दिव्यांगजनों विशेष भर्ती हेतु नवीन विज्ञापन अतिशीघ्र जारी किया जावेगा।

उक्त सूचना महाविद्यालय की वेबसाइट **www.gumcbhopal.in** पर भी उपलब्ध है।

म.प्र.माध्यम/116753/2024 **प्रधानाचार्य/मुख्य कार्यपालन अधिकारी**

R-50155/2024

आयुष्मान योजना में निःशुल्क उपचार की जानकारी दिखेगी बोर्ड पर

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल के निर्देश पर आयुष्मान भारत 'निरामयम्' योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध निजी चिकित्सालयों में निःशुल्क उपचार की जानकारी प्रदर्शित करने के आदेश जारी किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश के सभी नागरिकों को योजना का पूरा लाभ मिले, इसके लिए यह आवश्यक है कि सूचीबद्ध चिकित्सालयों में प्रवेश द्वार के समीप बड़े अक्षरों में यह जानकारी प्रदर्शित की जाये कि किन चिकित्सकीय प्रक्रियाओं के लिए वह चिकित्सालय सूचीबद्ध है। इसके साथ ही, यह भी स्पष्ट किया जाये कि आयुष्मान योजना के तहत हितग्राहियों को निःशुल्क और कैशलेस उपचार की सुविधा मिलेगी।

जल संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता का अनूठा प्रयास

भोपाल, जल-जीवन मिशन के तहत 'सुजल-शक्ति अभियान' में 'जल हमारा-जीवन धारा' थीम पर आयोजन किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में सतत और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने, जलापूर्ति प्रणालियों को सुदृढ़ बनाने और जल संरक्षण में सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने के लिये 5 दिवसीय सुजल-अभियान चलाया गया। इसके तहत ग्रामीणों को जल-संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और अन्य संबंधित विभागों के समन्वय से इस अभियान का सफल संचालन हुआ।

प्रादेशिक सेना में भर्ती

1. प्रादेशिक सेना की युनिटों की भर्ती रैली का आयोजन मध्य कमान, जोन-2 के राज्यों जैसे ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड और झारखण्ड में **दिनांक 12 नवम्बर 2024 से 27 नवम्बर 2024** तक **महार रेजिमेन्टल सेंटर सागर (मध्यप्रदेश) पिन - 470001 में प्रतिदिन सुबह 05 बजे** से आयोजित की जा रही है।

   108 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) महार और 155 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) जैक राइफल्स की भर्ती रैली सैनिक (सामान्य ड्यूटी) - 78, सैनिक (क्लर्क) - 03, सैनिक (कुक) - 07, सैनिक (नाई) - 02, सैनिक (सफाई वाला) - 06 और सैनिक (इक्यूपमेन्ट रिपेयर) - 01 की रिक्त पदों के लिए भर्ती आयोजित करेगी।

2. **जोन-2 का भर्ती कार्यक्रम इस प्रकार है :–**

   स्टेज-1 दस्तावेजों की जांच, शारीरिक परीक्षण (1 मील दौड़, पुल अप्स, संतुलन चाल, 9 फीट गढ़ा) और चिकित्सा परीक्षण **सुबह 05 बजे से शुरू होगा।**

तारीख	मूल निवास/भर्ती का क्षेत्र	वर्ग	आयु सीमा
12 से 13 नवम्बर 24	ओडिशा	सैनिक (सामान्य ड्यूटी), सैनिक (क्लर्क) और सैनिक (ट्रेड्समैन)	18 से 42 वर्ष भर्ती की तिथि तक
14 से 15 नवम्बर 24	छत्तीसगढ़		
16 से 17 नवम्बर 24	बिहार		
18 से 19 नवम्बर 24	मध्यप्रदेश		
20 से 21 नवम्बर 24	उत्तर प्रदेश		
22 से 23 नवम्बर 24	उत्तराखण्ड		
24 से 25 नवम्बर 24	झारखण्ड		
26 से 27 नवम्बर 24	सभी उपरोक्त राज्य	दस्तावेजों की पुनः जांच, ट्रेड परीक्षण, चिकित्सा परीक्षण चुने हुये उम्मीदवार और फाइनल बोर्ड	

3. **शारीरिक/चिकित्सा मापदण्ड -** ऊंचाई 160 से.मी., छाती 82 से.मी., वजन और चिकित्सा नियमित सेना मानकों के अनुसार होगी।

4. **शैक्षणिक योग्यता -**

क्र.सं.	ट्रेड्स	शैक्षणिक योग्यता
(क)	सैनिक (सामान्य ड्यूटी)	कक्षा 10वीं में कुल मिलाकर 45% अंक तथा प्रत्येक विषय में 33% अंक, बोर्ड के लिये ग्रेडिंग प्रणाली का पालन करना होगा। इन विषयों में न्यूनतम डी ग्रेड (33-40) या ग्रेड जिसमें 33% कुल मिलाकर C2 ग्रेड शामिल हो।
(ख)	सैनिक (क्लर्क)	किसी भी स्ट्रीम (कला, वाणिज्य, विज्ञान) में 10+12/इन्टरमिडियट परीक्षा कुल मिलाकर 60% अंकों के साथ उत्तीर्ण तथा प्रत्येक विषय में न्यूनतम 50% अंक। कक्षा 12वीं में अंग्रेजी और गणित/एकाउंट/बुक कीपिंग के साथ अनिवार्य है।
(ग)	सैनिक (ट्रेड्समैन)	सभी ट्रेडमैन के लिये 10वीं पास होना अनिवार्य है (सफाईवाला तथा मसाल्ची के लिये 08वीं पास होना अनिवार्य है) सभी ट्रेडमैन के लिये प्रत्येक विषय में कम से कम 33% अंक हासिल करना अनिवार्य है।

स्टेज-II

5. **ऑब्जेक्टिव टाइप लिखित परीक्षा-** जो उम्मीदवार स्टेज-1 उत्तीर्ण होंगे उन्हीं उम्मीदवारों को सामान्य लिखित परीक्षा के लिये एडमिट कार्ड जारी किये जायेंगे और उन्हें **महार रेजिमेन्टल सेंटर, सागर (मध्यप्रदेश) पिन-470001** में सामान्य लिखित परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जायेगी जिसकी तारीख बाद में सूचित की जायेगी। पाठ्यक्रम के लिये अधिकारिक वेबसाइट **www.jointerritorialarmy.gov.in** देखें।
6. **आवश्यक दस्तावेज-** निम्नलिखित मूल दस्तावेज, 02 सेट फोटोकॉपी के साथ तथा 20 नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटो अनिवार्य है।
   (क) जन्म प्रमाण पत्र, 10वीं, 12वीं तथा उच्च शिक्षा बोर्ड परीक्षा की अंक तालिका एवं प्रमाण पत्र।
   (ख) मूल निवास प्रमाण पत्र (फोटो सहित) जो जिलाधिकारी/तहसीलदार द्वारा जारी किया गया हो।
   (ग) चरित्र प्रमाण पत्र (फोटो सहित) जो ग्राम सरपंच/नगर निगम/SHO/शैक्षणिक संस्थान के प्रमुख द्वारा पिछले छः महीने के अन्तराल में जारी किया गया हो।
   (घ) खेल प्रमाण पत्र (अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तर)।
   (ड) विवाहित/अविवाहित प्रमाण पत्र जो ग्राम प्रधान द्वारा छः माह के भीतर जारी किया गया हो।
   (च) रिलेशन प्रमाण पत्र सेवारत् सैनिकों/भूतपूर्व सैनिकों/विधवाओं/वीर नारी के पुत्र के लिये रिलेशन प्रमाण पत्र जैसे कि अधिकारिक वेबसाइट में दिया गया है।
   (छ) पैन कार्ड व आधार कार्ड।

नोट :- प्रादेशिक सेना पूरी तरह से एक स्वैच्छिक संगठन है, जो नियमित रोज़गार की गारंटी नहीं देता है। लम्बी अवधी के रोज़गार के लिये संगठन कोई वादा नहीं करता है। अधिक जानकारी के लिये अधिकारिक वेबसाइट **www.jointerritorialarmy.gov.in** एवं रोज़गार समाचार पत्र देखें। भर्ती रैली में किसी भी प्रकार की दुर्घटना/घटना के लिये भर्ती बोर्ड की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

7. **चेतावनी :-** यह भर्ती एक निःशुल्क सेवा है। इसमें भर्ती के लिये किसी को भी रिश्वत न दें। मोबाइल फोन का उपयोग सख्त वर्जित है।

आर-50142/2024

(पिछले पृष्ठ का शेष)

होगा और प्रशिक्षुता नियम, 1992 के नियम 4 और अनुसूची-II के अनुसार फिट घोषित किया जाएगा। उम्मीदवारों को नौसेना शिप रिपेयर यार्ड, कारवार द्वारा प्रदान किए गए प्रारूप में जिला अस्पताल सर्जन द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित चिकित्सा फिटनेस प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, जो सहायक सर्जन के पद से नीचे नहीं होना चाहिए।

11. पुलिस सत्यापन प्रमाण पत्र : उम्मीदवारों को भर्ती के दौरान पुलिस सत्यापन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

12. प्रशिक्षण/प्रशिक्षुता अनुबंध की शुरुआत : अंत में, चयनित उम्मीदवारों को प्रशिक्षु अधिनियम, 1961 के अनुसार प्रशिक्षुता अनुबंध की पेशकश की जाएगी और उन्हें डॉकयार्ड अप्रेंटिस स्कूल (डीएएस), नेवल शिप रिपेयर यार्ड, कारवार/अप्रेंटिस ट्रेनिंग स्कूल (एटीएस), नेवल एयरक्राफ्ट यार्ड (गोवा), डाबोलिम, गोवा में उल्लिखित तिथि (संभावित रूप से 14 अप्रैल 2025) को दाखिल होना होगा।

13. छात्रावास सुविधा:

(क) नेवल शिप रिपेयर यार्ड, कारवार, एनएसआरवाई (कारवार) में प्रशिक्षुता प्रशिक्षण लेने के लिए चुने गए बाहरी उम्मीदवारों के लिए पहले आओ पहले पाओ के आधार पर छात्रावास में सीमित आवास (केवल लड़कों के लिए) उपलब्ध है।

(ख) नेवल एयरक्राफ्ट यार्ड (गोवा), डाबोलिम, गोवा में: नेवल एयरक्राफ्ट यार्ड (गोवा), डाबोलिम, गोवा में अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण लेने के लिए चुने गए उम्मीदवारों के लिए कोई छात्रावास सुविधा उपलब्ध नहीं होगी।

14. उम्मीदवारी की अस्वीकृति : उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे आवेदन करने से पहले सभी निर्देशों को ध्यान से पढ़ें। उनके आवेदन/उम्मीदवारियों को निम्नलिखित में से एक या अधिक कारणों से अस्वीकार किए जाने की आशंका है :-

(क) अपूर्ण उम्मीदवार प्रोफाइल।

(ख) आवेदन की अंतिम तिथि पर नेवल शिप रिपेयर यार्ड, कारवार/नेवल एयरक्राफ्ट यार्ड (गोवा), डाबोलिम, गोवा में नामित ट्रेडों में प्रशिक्षुता प्रशिक्षण लेने के लिए निर्धारित योग्यता न रखने वाले उम्मीदवार।

(ग) अधिक आयु या कम आयु वाले उम्मीदवार या जन्म तिथि नहीं भरी गई है या गलत भरी गई है।

(घ) डबल या एक से अधिक आवेदन जमा किए गए हैं।

(ङ) एसएससी/मैट्रिक/10वीं कक्षा/ आईटीआई प्रमाण पत्र के साथ उम्मीदवार के प्रोफाइल में नाम, पिता का नाम और जन्म तिथि का बेमेल होना।

(च) आवेदित ट्रेड और आईटीआई ट्रेड प्रमाण पत्र के बीच अप्रासंगिकता।

(छ) कोई अन्य अनियमितता जो एडमिरल सुपरिंटेंडेंट, नेवल शिप रिपेयर यार्ड, कारवार द्वारा आवेदक की उम्मीदवारी को अमान्य कर सकती है।

15. कोई बाध्यता नहीं : प्रशिक्षुता अधिनियम, 1961 के अनुसार, नेवल शिप रिपेयर यार्ड, कारवार/नेवल एयरक्राफ्ट यार्ड (गोवा), डाबोलिम, गोवा या किसी अन्य सरकारी एजेंसी के लिए प्रशिक्षुता प्रशिक्षण पूरा होने पर रोज़गार प्रदान करना अनिवार्य नहीं होगा।

16. सामान्य जानकारी : आवेदकों को निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से नोट करने की सलाह दी जाती है:-

(क) उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि इस नामांकन के लिए किसी को भी कोई पैसा देने की आवश्यकता नहीं है।

(ख) उम्मीदवारों को समय-समय पर प्राप्त होने वाले ई-मेल पते के लिए अपना वैध मोबाइल नंबर और ईमेल पता देना आवश्यक है।

(ग) सभी को सलाह दी जाती है कि वे इस नामांकन के लिए किसी भी दलाल/तथाकथित एजेंट के झांसे में न आएं।

(घ) आवेदक द्वारा प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रचार उसकी उम्मीदवारी को अयोग्य घोषित कर देगा।

(ङ) उम्मीदवारों को चयन प्रक्रिया के किसी भी चरण में किसी भी प्रतिरूपण का प्रयास नहीं करना चाहिए या किसी प्रतिरूपणकर्ता की मदद नहीं लेनी चाहिए या पड़ोसी उम्मीदवारों से नकल करने का प्रयास नहीं करना चाहिए। पुस्तकों और किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का उपयोग न करें।

(च) तथ्यों को छिपाने या जाली प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर चयन प्रक्रिया के किसी भी चरण में उम्मीदवारी अस्वीकृत कर दी जाएगी।

(छ) यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार का अनुचित व्यवहार करते हुए पाया जाता है, तो उम्मीदवार को तुरंत प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और भविष्य में भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित किसी भी परीक्षा/लिखित परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ज) किसी भी आवेदन की पात्रता, स्वीकृति/अस्वीकृति से संबंधित सभी मामलों में एडमिरल अधीक्षक, नौसेना पोत मरम्मत यार्ड, कारवार का निर्णय अंतिम और उम्मीदवार पर बाध्यकारी होगा और इस संबंध में कोई पूछताछ/पत्राचार नहीं किया जाएगा।

(झ) मौजूदा नियमों के अनुसार नामित ट्रेड अप्रेंटिस की नियुक्ति के नियमों और शर्तों में बाद में किया गया कोई भी परिवर्तन मान्य होगा। भारतीय नौसेना इस विज्ञापन सूचना के तहत नियमों और शर्तों में किसी भी बाद के परिवर्तन/संशोधन/परिवर्धन को शामिल करने का अधिकार सुरक्षित रखती है, जैसा कि आवश्यक और लागू हो।

(ञ) लिखित परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं, परीक्षा के सभी चरणों में उनका प्रवेश पूरी तरह से अनंतिम होगा, जो उनके निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करने के अधीन होगा। यदि लिखित परीक्षा से पहले या बाद में किसी भी समय दस्तावेजों के सत्यापन पर यह पाया जाता है कि उम्मीदवार पात्रता की किसी भी शर्त को पूरा नहीं करता है, तो भारतीय नौसेना/एडमिरल अधीक्षक, नौसेना पोत मरम्मत यार्ड, कारवार द्वारा परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

(ट) किसी भी दलाल/एजेंट/नामांकन के लिए पैसे की मांग करने वाले किसी भी व्यक्ति के बारे में शिकायतें संबंधित सबूत के साथ ई-मेल oic.das.kar@gmail.com पर प्रभारी अधिकारी, डॉकयार्ड अप्रेंटिस स्कूल, नौसेना पोत मरम्मत यार्ड, कारवार को सूचित की जा सकती है। उम्मीदवार और मामले की पूरी गोपनीयता बनाए रखी जाएगी। किसी भी गुमनाम शिकायत पर विचार नहीं किया जाएगा।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

सहायक प्राध्यापक (वनस्पति शास्त्र) परीक्षा-2022

दिनांक 09.06.2024 (रविवार)

परीक्षा परिणाम

विज्ञप्ति क्र.-8974/25/2024/अनु.-10 **इंदौर, दिनांक : 04.10.2024**

01. विज्ञापन क्रमांक-17/2022/30.12.2022, ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 14.03.2023।

(1)	विज्ञप्ति क्रमांक-12627/2022/अनु.-06 दिनांक 05.01.2023 (विज्ञापन के संबंध में केविएट याचिका दायर किए जाने के संबंध में)।
(2)	शुद्धि पत्र क्रमांक-01/16/2022 से 53/2022, दिनांक 10.01.2023 (सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के विभिन्न विज्ञापनों के संबंध में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि में संशोधन)।
(3)	शुद्धि पत्र क्रमांक-03/16/2022 से 53/2022, दिनांक 25.07.2023 सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के विभिन्न विज्ञापनों के संबंध में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि में संशोधन)।
(4)	शुद्धि पत्र क्रमांक- 04/17/2022, दिनांक 24.11.2023 (सहायक प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने संबंधी)।
(5)	सूचना पत्र क्रमांक-01/17/2022, दिनांक 22.12.2022 (सहायक प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र हेतु परीक्षा आयोजन की सूचना)।
(6)	विज्ञप्ति क्रमांक-3016/2024/प.नि. दिनांक 13.01.2024 (सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी परीक्षा-2022 तिथि परिवर्तन के संबंध में)।
(7)	विज्ञप्ति क्रमांक-3139/पेड/2024/प.-9, दिनांक 27.02.2024 (सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी परीक्षा -2022 को आयोजित परीक्षा के स्थगन के संबंध में)।
(8)	शुद्धि पत्र क्रमांक-07/16-53/2022 दिनांक 28.03.2024 (सहायक प्राध्यापक परीक्षा- 2022 (समस्त विज्ञापित विषयों हेतु), एवं ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के पदों के लिए अतिथि विद्वानों को अधिकतम आयु सीमा में अधिकतम 10 वर्ष की छूट प्रदान किए जाने एवं समस्त अभ्यर्थियों हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने विषयक।
(9)	शुद्धि पत्र क्रमांक-08/16-53/2022 दिनांक 12.04.2024 (संशोधित तिथि विन्यास) (सहायक प्राध्यापक परीक्षा- 2022 (समस्त विज्ञापित विषयों हेतु), एवं ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के पदों के लिए अतिथि विद्वानों को अधिकतम आयु सीमा में अधिकतम 10 वर्ष की छूट प्रदान किए जाने एवं समस्त अभ्यर्थियों हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने विषयक।
(10)	शुद्धि पत्र क्रमांक-09/16-53/2022 दिनांक 27.05.2024 (सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022 परीक्षा आयोजन की सूचना संबंधी)।
(11)	शुद्धि पत्र क्रमांक-02/16/2022 से 51/2022 दिनांक 15.03.2023 (अर्हकारी अंकों में 5 प्रतिशत अंकों की छूट के संदर्भ में)।
(12)	शुद्धि पत्र क्रमांक-11/17/2022 दिनांक 10.09.2024 (सहायक प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र परीक्षा-2022 विज्ञापित पदों हेतु मुख्य एवं प्रावधिक भाग की जानकारी)।

02. उपरोक्त विज्ञापन के अंतर्गत **सहायक प्राध्यापक (वनस्पति शास्त्र) परीक्षा-2022** जिला मुख्यालय इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, मुरैना, रीवा, सागर, शहडोल एवं उज्जैन के केन्द्रों पर दिनांक 09.06.2024 (रविवार) को दो सत्रों में प्रथम प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन प्रातः 10:00 से 11:00 बजे तक एवं द्वितीय प्रश्न पत्र वनस्पति शास्त्र दोपहर 01:00 से 04:00 बजे तक आयोजित की गई थी।

03. उपरोक्तानुसार जारी विज्ञापन एवं शुद्धि पत्रों के माध्यम से विज्ञापित पदों की कुल संख्या निम्नानुसार है :-

श्रेणीवार/वर्गवार कुल विज्ञापित							
क्र.	विवरण	UR	SC	ST	OBC	EWS	TOTAL
(अ)	कुल रिक्तियों की संख्या (TOTAL POST)	42	6	54	18	6	126
(ब)	कुल रिक्तियों में से महिलाओं के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या (FEMALE)	14	2	18	6	2	42
(स)	कुल रिक्तियों में से भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या (ExSer)	-	-	-	-	-	-
(द)	कुल रिक्तियों में से दिव्यांगजन हेतु आरक्षित पद रिक्तियों की संख्या (PH)	[LD (OH)-1, VH-2, HH-3, MD-NA]					6

04. राज्य सेवा परीक्षा-2019 के संबंध में माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं के अंतरिम आदेशों के परिप्रेक्ष्य में एवं सामान्य प्रशासन विभाग, म.प्र. भोपाल के ''पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल, दिनांक 29 सितंबर, 2022'' के प्रकाश में विज्ञापित विज्ञापन क्रमांक-33/2022/30.12.2022 में मुख्य एवं प्रावधिक भाग के विज्ञापित पदों के अनुसार आयोग द्वारा बैठक दिनांक 10.07.2023 के निर्णय क्र. 55 में उल्लेखित प्रक्रिया का पालन करते हुए उपरोक्त परीक्षा का परिणाम घोषित करने का निर्णय लिया गया है।

परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने हेतु निम्नांकित प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है :-

1. सामान्य प्रशासन विभाग के उपरोक्त पत्रानुसार प्रारंभिक परीक्षा/लिखित परीक्षा में चयनित (शॉर्टलिस्टेड) प्रावधिक अर्ह अभ्यर्थी परीक्षा के अगले प्रत्येक चरण (मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार) में प्रावधिक रूप से ही सम्मिलित होंगे। माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय आने के उपरांत वह अपने संबंधित वर्ग (अन्य पिछड़ा वर्ग या अनारक्षित) में रोके गए 13 प्रतिशत पद के विरुद्ध ही चयनित होंगे न कि पूर्व घोषित हो चुके 87 प्रतिशत पद के विरुद्ध।
2. परीक्षा परिणामों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित) में अर्ह अभ्यर्थी अपने-अपने भाग में ही बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे। चयन प्रक्रिया के प्रत्येक अगले चयन हेतु इस आशय का अभिवचन-पत्र भी अभ्यर्थियों से अनिवार्यतः प्राप्त किया जाए।

सामान्य प्रशासन विभाग के ''पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ. प्र./एक, भोपाल दिनांक 29 सितंबर, 2022'' में दिए गए निर्देशों एवं आयोग के निर्णय अनुसार सहायक प्राध्यापक (वनस्पति शास्त्र) परीक्षा-2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग में घोषित किया जाना है। सहायक प्राध्यापक (वनस्पति शास्त्र) परीक्षा-2022 हेतु मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों) तथा (ब) प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनारक्षित श्रेणी हेतु) के पदों का रिक्ति विवरण प्राप्त हुआ है। जिसे आयोग द्वारा शुद्धि पत्र क्रमांक-11/17/2022, दिनांक 10.09.2024 को आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिया गया है। विज्ञापित पदों का रिक्ति विवरण निम्नानुसार है :-

स.क्र.	पद का नाम	अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित कुल पद	मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों हेतु)	प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी हेतु)
01.	सहायक प्राध्यापक (वनस्पति शास्त्र) परीक्षा-2022	18	15	3

उपरोक्तानुसार सहायक प्राध्यापक (वनस्पति शास्त्र) परीक्षा-2022 के परीक्षा परिणाम में **मुख्य भाग-अ** के लिए साक्षात्कार हेतु विज्ञापित पदों के 3 गुना+समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से अर्ह कुल-373 अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
ASSISTANT PROFESSOR EXAM 2022 (BOTANY)-PART A (MAIN)
ROLL NUMBER WISE LIST OF SELECTED CANDIDATES

S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.
1.	100001	64.	100335	127.	100932	190.	101454	253.	102303
2.	100012	65.	100339	128.	100938	191.	101455	254.	102305
3.	100025	66.	100340	129.	100946	192.	101464	255.	102309
4.	100028	67.	100348	130.	100969	193.	101477	256.	102313
5.	100043	68.	100350	131.	100978	194.	101478	257.	102315
6.	100052	69.	100356	132.	100981	195.	101479	258.	102319
7.	100058	70.	100357	133.	100990	196.	101484	259.	102322
8.	100062	71.	100359	134.	100998	197.	101491	260.	102325
9.	100065	72.	100363	135.	101008	198.	101506	261.	102329
10.	100066	73.	100366	136.	101039	199.	101525	262.	102332
11.	100068	74.	100368	137.	101042	200.	101541	263.	102350
12.	100077	75.	100370	138.	101051	201.	101543	264.	102359
13.	100084	76.	100371	139.	101060	202.	101544	265.	102383
14.	100095	77.	100387	140.	101065	203.	101545	266.	102392
15.	100099	78.	100394	141.	101078	204.	101551	267.	102402
16.	100103	79.	100399	142.	101080	205.	101552	268.	102415
17.	100115	80.	100400	143.	101111	206.	101553	269.	102420
18.	100118	81.	100403	144.	101122	207.	101554	270.	102424
19.	100124	82.	100438	145.	101129	208.	101579	271.	102426
20.	100130	83.	100439	146.	101176	209.	101599	272.	102428
21.	100131	84.	100442	147.	101194	210.	101611	273.	102432
22.	100132	85.	100445	148.	101196	211.	101685	274.	102460
23.	100135	86.	100449	149.	101197	212.	101702	275.	102465
24.	100143	87.	100455	150.	101205	213.	101719	276.	102470
25.	100149	88.	100457	151.	101207	214.	101723	277.	102486
26.	100150	89.	100462	152.	101209	215.	101733	278.	102492
27.	100157	90.	100466	153.	101221	216.	101754	279.	102498
28.	100159	91.	100467	154.	101224	217.	101771	280.	102499
29.	100175	92.	100468	155.	101227	218.	101779	281.	102527
30.	100179	93.	100487	156.	101230	219.	101790	282.	102528
31.	100186	94.	100488	157.	101243	220.	101806	283.	102553
32.	100195	95.	100495	158.	101247	221.	101812	284.	102559
33.	100201	96.	100503	159.	101250	222.	101813	285.	102592
34.	100204	97.	100507	160.	101256	223.	101844	286.	102615
35.	100206	98.	100520	161.	101258	224.	101851	287.	102625
36.	100207	99.	100522	162.	101262	225.	101877	288.	102638
37.	100208	100.	100554	163.	101264	226.	101880	289.	102646
38.	100218	101.	100572	164.	101271	227.	101882	290.	102652
39.	100222	102.	100583	165.	101274	228.	101887	291.	102653
40.	100223	103.	100599	166.	101276	229.	101889	292.	102660
41.	100225	104.	100600	167.	101281	230.	101899	293.	102662
42.	100227	105.	100605	168.	101286	231.	101953	294.	102666
43.	100238	106.	100608	169.	101287	232.	102007	295.	102678
44.	100239	107.	100609	170.	101290	233.	102055	296.	102710
45.	100242	108.	100617	171.	101297	234.	102087	297.	102720
46.	100249	109.	100637	172.	101305	235.	102106	298.	102728
47.	100259	110.	100642	173.	101326	236.	102107	299.	102732
48.	100265	111.	100673	174.	101331	237.	102119	300.	102740
49.	100270	112.	100698	175.	101339	238.	102130	301.	102741
50.	100272	113.	100699	176.	101342	239.	102143	302.	102780
51.	100281	114.	100723	177.	101346	240.	102173	303.	102782
52.	100285	115.	100728	178.	101353	241.	102183	304.	102790
53.	100286	116.	100804	179.	101373	242.	102184	305.	102797
54.	100287	117.	100820	180.	101376	243.	102233	306.	102806
55.	100290	118.	100831	181.	101390	244.	102237	307.	102807
56.	100292	119.	100856	182.	101400	245.	102242	308.	102813
57.	100297	120.	100857	183.	101409	246.	102250	309.	102814
58.	100307	121.	100859	184.	101410	247.	102258	310.	102815
59.	100311	122.	100869	185.	101429	248.	102261	311.	102824
60.	100316	123.	100905	186.	101437	249.	102270	312.	102828
61.	100317	124.	100907	187.	101438	250.	102272	313.	102833
62.	100322	125.	100925	188.	101445	251.	102288	314.	102835
63.	100325	126.	100930	189.	101447	252.	102297	315.	102855

316. 102871	328. 102992	340. 103125	352. 103247	364. 103458
317. 102877	329. 103012	341. 103136	353. 103254	365. 103480
318. 102892	330. 103038	342. 103140	354. 103262	366. 103487
319. 102921	331. 103039	343. 103144	355. 103274	367. 103490
320. 102922	332. 103041	344. 103150	356. 103344	368. 103491
321. 102924	333. 103067	345. 103170	357. 103345	369. 103498
322. 102940	334. 103071	346. 103178	358. 103356	370. 103544
323. 102962	335. 103074	347. 103184	359. 103375	371. 103558
324. 102965	336. 103086	348. 103200	360. 103386	372. 103563
325. 102969	337. 103089	349. 103204	361. 103391	373. 103575
326. 102976	338. 103101	350. 103227	362. 103397	
327. 102991	339. 103112	351. 103239	363. 103435	

प्रावधिक भाग-ब के लिए साक्षात्कार हेतु कुल विज्ञापित पदों के 3 गुना + समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से साक्षात्कार हेतु अर्ह कुल-33 अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
ASSISTANT PROFESSOR EXAM 2022 (BOTANY)- PART B (PROVISIONAL)
ROLL NUMBER WISE LIST OF SELECTED CANDIDATES

S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.
1.	100404	10.	101266	19.	102096	28.	102866
2.	100464	11.	101350	20.	102127	29.	103108
3.	100667	12.	101459	21.	102164	30.	103331
4.	100670	13.	101580	22.	102254	31.	103405
5.	100692	14.	101585	23.	102306	32.	103415
6.	100772	15.	101667	24.	102343	33.	103437
7.	101055	16.	101737	25.	102748		
8.	101182	17.	101901	26.	102791		
9.	101229	18.	102092	27.	102852		

साक्षात्कार हेतु अभिलेख प्रेषित करने के संबंध में निर्देश :-

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

परिशिष्ट प्रपत्र - 01

विज्ञापन क्रमांक :- 17/2022 दिनांक 30.12.2022	पद/परीक्षा का नाम : सहायक प्राध्यापक (वनस्पति शास्त्र) परीक्षा- 2022
अनुक्रमांक-	अभ्यर्थी का नाम :-

स. क्र.	दस्तावेज का विवरण	संलग्न दस्तावेजों के पृष्ठ क्रमांक	संलग्नक के पृष्ठों की कुल संख्या
1.	उपरोक्त परीक्षा के लिए भरे गए ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति।	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
2.	उपरोक्त परीक्षा के प्रवेश पत्र की छायाप्रति।	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
3.	उपस्थिति पत्रक-1 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
4.	व्यक्तिगत विवरण पत्रक-1 मूल प्रति एवं 5 छायाप्रतियां। (केवल मूल प्रति पर नम्बरिंग करना है। छायाप्रतियों पर नम्बरिंग नहीं करना है।)	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
5.	अनुप्रमाणन फॉर्म-3 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
6.	घोषणा पत्र (किसी भी चयन / परीक्षा से विवर्जित (Debar) नहीं होने संबंधी) 01 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
7.	हाईस्कूल की अंकसूची। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
8.	हायर सेकेण्डरी की अंकसूची। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
9.	स्नातक एवं स्नातकोत्तर की समस्त वर्षों की अंकसूचियां एवं उपाधि। (स्नातक परीक्षा दिनांक 13.04.2024 के पूर्व उत्तीर्ण होना अनिवार्य है) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
10.	यू.जी.सी. नेट / मध्यप्रदेश राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) उत्तीर्ण प्रमाण पत्र। (दिनांक 13.04.2024 तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
11.	प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत अतिथि विद्वानों के लिए निर्धारित प्रारूप में अध्यापन अनुभव प्रमाण पत्र (दिनांक 13.04.2024 तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
12.	मध्यप्रदेश के मूल निवासी होने की स्थिति में म.प्र. राज्य का रोज़गार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाण-पत्र (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
13.	मूल निवासी/स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र की प्रति। (प्रमाण-पत्र में प्रकरण क्रमांक, गोल सील, जावक क्रमांक, दिनांक का उल्लेख होना आवश्यक है।) (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
14.	आरक्षित श्रेणी होने की स्थिति में सक्षम अधिकारी द्वारा जारी म.प्र. शासन का जाति प्रमाण पत्र। विवाहित महिलाओं के मामले में स्वयं के नाम के साथ पिता के नाम का जाति प्रमाण पत्र। (जाति प्रमाण पत्र में जारी करने की दिनांक, गोल सील एवं प्रकरण क्रमांक का उल्लेख होना आवश्यक है। अन्य राज्य के जारी जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।) **(म.प्र. शासन की सेवाओं हेतु निर्धारित प्रारूप में जाति प्रमाण-पत्र मान्य होंगे)।** (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
15.	म.प्र. का मूल निवासी होने की स्थिति में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को क्रीमीलेयर श्रेणी के अंतर्गत न आने संबंधी प्रस्तुत किए जाने वाला घोषणा पत्र- 01 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
16.	म.प्र. का मूल निवासी होने की स्थिति में ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए वित्तीय वर्ष :- (1) विज्ञापन क्रमांक-33/2022/30.12.2022 अनुसार ऑनलाइन आवेदन दिनांक 01.03.2023 से दिनांक 31.03.2023 तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए आवेदकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-2023 का ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना है। **अथवा** (2) आयोग के शुद्धि पत्र क्रमांक- 04/33/2022 दिनांक 24.11.2023 अनुसार ऑनलाइन आवेदन दिनांक 30.11.2023 से दिनांक 15.12.2023 तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए आवेदकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-2024 का ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना है। **अथवा** (3) आयोग के शुद्धि पत्र क्रमांक-08/16-53/2022 दिनांक 12.04.2024 अनुसार ऑनलाइन आवेदन दिनांक 05.04.2024 से दिनांक 13.04.2024 तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए आवेदकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-2025 का ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना है।	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
17.	महिला अभ्यर्थियों हेतु विवाहोपरांत उपनाम परिवर्तन की स्थिति में शपथ पत्र की प्रति। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
18.	म.प्र. शासन की सेवा में सेवारत शासकीय सेवक होने की स्थिति में विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण-पत्र की प्रति। अनापत्ति प्रमाण-पत्र न हो तो विभाग को अनापत्ति हेतु प्रस्तुत पत्र की प्रति संलग्न करें। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
19.	मध्यप्रदेश शासन की सेवा में सेवारत होने की स्थिति में शासकीय सेवक हेतु अभिवचन पत्र-1 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
20.	भूतपूर्व सैनिक होने की स्थिति में ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 13.04.2024 के पूर्व भूतपूर्व सैनिक होने संबंधी दस्तावेज की प्रति एवं सेवावधि का विवरण पत्रक की प्रति। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
21.	अभ्यर्थी का स्वयं का पहचान पत्र। (आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र/पेन कार्ड/फोटोयुक्त बैंक पास बुक की प्रति/शासकीय कर्मचारी होने की स्थिति में नियोक्ता द्वारा जारी परिचय पत्र की प्रति/ड्रायविंग लायसेंस) (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
22.	दिव्यांग अभ्यर्थी होने की स्थिति में दिव्यांगता के प्रमाण पत्र की छायाप्रति। (ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 13.04.2024 के पूर्व प्रमाण पत्र जारी होना अनिवार्य है।)	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
23.	यदि अभ्यर्थी के विरुद्ध कोई आपराधिक प्रकरण/न्यायालयीन प्रकरण दर्ज हो जिसका निराकरण लंबित हो या हो चुका हो तो उससे संबंधित दस्तावेज।	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
24.	**आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विज्ञापित पदों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत) के आधार अभ्यर्थी "अभिवचन" पत्र की पूर्ति कर आयोग कार्यालय में साक्षात्कार दिवस को अनिवार्यतः प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे।**	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
25.	अन्य कोई दस्तावेज जो अभ्यर्थी प्रस्तुत करना चाहता है।	पृष्ठ क्रमांक ..... से ..... तक	.....
	कुल संलग्नक दस्तावेजों की संख्या (अंकों में)		

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर : .....

05. साक्षात्कार हेतु अर्ह अभ्यर्थी विज्ञापन अनुसार वांछित अपनी अर्हता संबंधी समस्त दस्तावेज उपरोक्त परिशिष्ट प्रपत्र-01 अनुसार क्रम में प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित/स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर अभ्यर्थी अपना नाम, अनुक्रमांक, पृष्ठ क्रमांक एवं संलग्न दस्तावेज के कुल पृष्ठों की संख्या स्पष्टतः अंकित कर **दिनांक 25.10.2024 तक** आयोग कार्यालय प्रेषित करें। डाक विभाग या अन्य किसी माध्यम से प्रेषित किए गए अभ्यर्थियों के दस्तावेज आयोग कार्यालय में विलंब से प्राप्त होने पर आयोग जिम्मेदार नहीं होगा न ही इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार मान्य किया जाएगा। अतः अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक अपने दस्तावेज आयोग कार्यालय भेजना सुनिश्चित करें। जिन अभ्यर्थियों के दस्तावेज अंतिम तिथि तक प्राप्त नहीं होंगे उनके विषय में यह माना जाएगा कि वे साक्षात्कार में भाग नहीं लेना चाह रहें है, उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। अभ्यर्थी द्वारा आवेदन पत्र में दी गई समस्त जानकारियों की आयोग कार्यालय द्वारा सूक्ष्म जांच करने के उपरांत सही पाए जाने पर ही अभ्यर्थी को साक्षात्कार की पात्रता होगी। साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।

06. आयोग की बैठक दिनांक 19.09.2024 के निर्णय क्रमांक-20 के निर्णयानुसार आयोग द्वारा मुख्य परीक्षा / लिखित परीक्षा के माध्यम से चयन प्रक्रिया पूर्ण किए जाने वाले समस्त प्रकरणों में लिखित परीक्षा में सम्मिलित होकर साक्षात्कार हेतु अर्ह घोषित किए गए केवल ऐसे आवेदक जिनके अभिलेख आयोग कार्यालय में विलम्ब से प्राप्त होते हैं एवं किसी कारणवश नहीं भेजे जाते हैं तो ऐसे आवेदकों से विलम्ब शुल्क के साथ आयोग कार्यालय में अभिलेख जमा करने हेतु निम्नानुसार राशि निर्धारित की गई है :-
आयोग द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में साक्षात्कार हेतु अभिलेख जमा करने की निर्धारित अंतिम तिथि 25/10/2024 के पश्चात् कार्यालयीन दिवस / समय प्रातः 10:00 से सायं 06:00 बजे तक निम्नानुसार विलंब शुल्क की नगद राशि एम.पी.टी.सी. 6 के माध्यम से आयोग की लेखा शाखा में जमा कराने के पश्चात अभिलेख जमा किए जा सकेंगे :-

01.	निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात कार्यालयीन 05 दिवस तक राशि रुपये 3,000/- (तीन हजार मात्र)।	दिनांक 28.10.2024 से 30.10.2024 तक एवं 01.11.2024 व 04.11.2024
02.	निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात 10 कार्यालयीन दिवस तक (अर्थात 06 से 10 दिवस तक) राशि रुपये 25,000/- (पच्चीस हजार मात्र)।	दिनांक 05.11.2024 से 08.11.2024 एवं 11.11.2024

(शेष पृष्ठ 13 पर)

चंबल की पवित्र भूमि में बहायेंगे विकास की गंगा - मुख्यमंत्री

मुरैना, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुरैना जिले के सूरजनगर में विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन समारोह को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिये हर संभव कार्य किये जा रहे हैं। चंबल की पवित्र भूमि में विकास की गंगा बहेगी। चंबल का कोई भी क्षेत्र विकास के किसी भी पहलू में पीछे नहीं रहेगा। उन्होंने यहां 35 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सीएम राइज़ स्कूल का भूमि पूजन और लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की लागत के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का लोकार्पण भी किया। उन्होंने कहा कि दिमनी में 2 करोड़ रुपये की लागत से सामुदायिक भवन बनाया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष और क्षेत्रीय सांसद ने इस क्षेत्र के लिये जो मांगे रखी है, उन सभी मांगों को पूर्ण करने की घोषणा की जाती है। दिमनी में 2 करोड़ रुपये की लागत से सामुदायिक भवन, क्वारी नदी को रोक कर कमतरी बिरहरूआ-गोपी कंचनपुर के मध्य बांध निर्माण कार्य, बड़ेगांव से महेबा का पुरा होकर अजनौधा बाया सिरमिती-डोंगरपुर मार्ग, दोहाटी, बरगमां, कटेलापुरा पी.डब्ल्यू.डी. मार्ग पर क्वारी नदी पर पुल निर्माण कार्य, ग्राम चैटा बरैथा में 33/11 के.वी. सब स्टेशन निर्माण कार्य, ग्राम नयापुरा खिरेंटा में 33/11 के.वी. सब स्टेशन निर्माण कार्य तथा ग्राम लहर में 33/11 के.वी. सब स्टेशन निर्माण कार्य की घोषणा की है।

मध्यप्रदेश में गरीब और किसानों को समान रूप से उपलब्ध होंगी सुविधाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सीहोर जिले के भैरूंदा में आयोजित ग्राम विकास सम्मेलन में हित लाभ वितरित करते हुए

सीहोर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीहोर जिले के भैरूंदा में ग्राम विकास सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गरीब और किसानों की सरकार है। यहां सभी को समान रूप से पात्रतानुसार सुविधाएं उपलब्ध हैं। गरीब एवं किसानों को प्राथमिकता से सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सड़क दुर्घटना में कोई गरीब भी घायल होता है तो उसे अस्पताल पहुंचाने के लिए सरकार हेलिकॉप्टर पहुंचाएगी। यदि मृत्यु हुई तो सरकार पार्थिव देह को उसके घर तक पहुंचाने की व्यवस्था करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ से वंचित लोगों को लाभान्वित करने के लिए सर्वे चालू हो गया है। कार्यक्रम में केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भी उपस्थित थे।

- **प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए फिर शुरू हुआ सर्वे।**
- **स्व-सहायता समूहों को 150 करोड़ रुपये का बैंक ऋण वितरित।**
- **तेंदूपत्ता संग्राहकों को 2 करोड़ 70 लाख से अधिक का बोनस वितरित।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का पूरी दुनिया में सम्मान है। उन्होंने देश का गौरव बढ़ाया है और दुश्मनों को करारा जवाब दिया है। दुश्मनों से उनका कहना है कि यदि आप गोली फेंकोगे तो हम गोला फेकेंगे। सीमा पर जवान और खेत पर किसान, दोनों का गौरव बढ़ा है। हमारी सरकार इनके कल्याण के कार्य करती है। किसानों को हर संभव सहायता दी जा रही है। प्रदेश के किसानों से समर्थन मूल्य पर सोयाबीन खरीदी जायेगी।

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश में कृषि एवं ग्रामों के विकास के लिए निरंतर कार्य किया जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

केंद्रीय एजेंसियों और प्रदेश सरकारों के सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है मध्यप्रदेश

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नशे के खिलाफ हर कार्यवाही में मध्यप्रदेश सरकार सभी केंद्रीय एजेंसियों और प्रदेश सरकारों के सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने गुजरात सरकार के गृह राज्यमंत्री द्वारा किये गये ट्वीट पर कृतज्ञता व्यक्त की है।

गुजरात सरकार के गृह राज्यमंत्री श्री हर्ष संघवी ने अपने ट्वीट में लिखा है कि गुजरात एटीएस और एनसीबी दिल्ली द्वारा भोपाल में की गई संयुक्त कार्यवाही के दौरान मध्यप्रदेश पुलिस के द्वारा सराहनीय मदद की गई। ऑपरेशन की सफलता में मध्यप्रदेश पुलिस के अमूल्य योगदान के लिए मैं उन्हें हार्दिक बधाई देता हूं। इस ऑपरेशन की आगे की इन्वेस्टिगेशन में भी मध्यप्रदेश पुलिस गुजरात एटीएस की निरंतर मदद कर रही है। इस तरह के विभिन्न राज्यों तथा केंद्रीय एजेंसीज के समन्वित प्रयासों से ही नार्कोटिक्स के विरुद्ध की लड़ाई को जीता जा सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं उनकी समस्त टीम का आभार माना है।

मुख्यमंत्री ने पद्मश्री अवॉर्डी लोक कलाकार दुर्गाबाई से की भेंट

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पद्मश्री अवॉर्डी श्रीमती दुर्गाबाई के कोटरा सुल्तानाबाद स्थित निवास पहुंचकर उनसे भेंट की तथा कुशल क्षेम पूछी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर श्रीमती दुर्गाबाई का अभिवादन किया। श्रीमती दुर्गाबाई ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का तिलक कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रीमती दुर्गाबाई से लोक कला विशेषकर गोंड चित्रकारी में हो रहे नवाचारों और प्रदेश में नई पीढ़ी के कलाकारों के प्रशिक्षण तथा प्रोत्साहन के संबंध में चर्चा भी की। उल्लेखनीय है कि श्रीमती दुर्गाबाई को चित्रकला के लिए वर्ष 2022 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

भारत विश्व गुरु के रूप में शिक्षक परंपरा को करे स्थापित

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रवीन्द्र भवन में अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि गुरुकुल परंपरा हमारे देश की शिक्षा का आधार रही है। शिक्षक हमेशा पूज्य थे और पूज्य रहेंगे। भारत विश्व गुरु के रूप में उस शिक्षक परंपरा को स्थापित करना चाहता है, जो गुरुकुल परंपरा चाणक्य से चंद्रगुप्त तक और चंद्रगुप्त से विक्रमादित्य तक हर जगह, हर समय, हर काल में कायम रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र के हित में शिक्षा, शिक्षा के हित में शिक्षक और शिक्षक के हित में समाज के उद्देश्य से आयोजित शिक्षक समारोह के आयोजन में शैक्षिक फाउंडेशन और अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि भारत की गुरु और गुरुकुल परंपरा में गुरु का बड़ा महत्व है। यदि भगवान श्रीराम और लक्ष्मण को गुरु वशिष्ठ वनवास के लिए नहीं ले जाते तो रामायण में राम का चरित्र अधूरा रहता। भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा में गुरु सांदीपनि का उज्ज्वल चरित्र शिष्यों के लिए अनुकरणीय और चुनौतियों में प्रेरणा का स्रोत रहा है।

शिक्षा भूषण अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान-2024 से डॉ. रामचंद्रन आर., प्रोफेसर के.के. अग्रवाल और प्रोफेसर कुसुमलता केडिया हुए सम्मानित।

अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ श्री सुरेश सोनी ने कहा कि वास्तव में विकास तभी हो सकता जब हमारे आसपास के परिवेश और जीवन मूल्यों का विकास हो। उन्होंने वर्ष 1928 में गुजरात विद्यापीठ में दिए गए काका कालेलकर के संबोधन को उद्धृत करते हुए कहा कि शिक्षा न तो सत्ता की दासी है और न ही कानून की किन्करी है, न ही यह विज्ञान की सखी है और न ही कला की प्रतिहारी। यह अर्थशास्त्र भी नहीं है, शिक्षा तो धर्म का पुनरागमन है, यह मानव के हृदय, मन और इन्द्रियों की स्वामिनी है। मानव शास्त्र और समाज शास्त्र, इनके दो चरण हैं, तर्क और निरीक्षण शिक्षा की दो आंखें हैं, विज्ञान मस्तिष्क, इतिहास कान और धर्म शिक्षा का हृदय है।

श्री सुरेश सोनी ने बताया कि काका कालेलकर के संबोधन में कहा था कि उत्साह और उद्यम शिक्षा के फेफड़े हैं। शिक्षा ऐसी जगत जननी जगदम्बा है, जिसका उपासक कभी किसी का मोहताज नहीं होगा, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

ग्लोबल स्किल्स पार्क भोपाल में विशेष प्रशिक्षण संपन्न

भोपाल, संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में जेबीएम समूह के वरिष्ठ इंजीनियरों और तकनीशियनों के लिए 'इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन और मेंटेनेंस' पर केन्द्रित दो-सप्ताह का औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम 5 अक्टूबर को संपन्न हुआ। कौशल विकास और रोज़गार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल के नेतृत्व और सचिव श्री राजेन्द्र रघुराज के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम ने उद्योग पेशेवरों को अत्याधुनिक उपकरणों पर व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। संस्थान के वरिष्ठ निदेशक श्री शमीमउद्दीन ने बताया कि 24 अगस्त को नए परिसर के उद्घाटन के बाद से यह जीएसपी द्वारा आयोजित पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जो उनके उत्कृष्ट संसाधनों और तकनीकी क्षमता को प्रदर्शित करता है।

मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को बनाया जा रहा सशक्त

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मध्यप्रदेश नर्सिंग होम एसोसिएशन (एमपीएनएच) भोपाल के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के लिये शासकीय सेवाओं को सशक्त करने के साथ निजी क्षेत्रों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। निजी स्वास्थ्य संस्थानों ने कोविड काल में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रदाय में सराहनीय कार्य किया है। मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य सेवाओं में शीर्ष में ले जाने के लिए सशक्त प्रयास किए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास, मैनपावर और आधुनिक उपकरण उपलब्धता के लिये व्यवस्थाएं की गयी हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को सशक्त किया जा रहा है, ताकि नागरिकों को निकट स्थित स्वास्थ्य केंद्रों में ही स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकें।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल एमपीएनएचए के वार्षिक सम्मेलन में शामिल हुए

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जन स्वास्थ्य को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आयुष्मान योजना के माध्यम से गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्राप्त हुआ है। अब 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के सभी वरिष्ठ नागरिक आयुष्मान योजना का लाभ पा सकेंगे। आयुष्मान योजना का यह विस्तार वरिष्ठ नागरिकों के राष्ट्र-सेवा में योगदान का सम्मान है।

प्रदेश में इस वर्ष 4.50 लाख विद्यार्थियों को वितरित की जा रही हैं साइकिल

भोपाल, प्रदेश में इस वर्ष 2024-25 में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को 4 लाख 50 हजार साइकिलें नि:शुल्क वितरित की जा रही हैं। इसके लिये विभागीय बजट में 195 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। साइकिल वितरण का कार्य इस वर्ष नवम्बर तक पूरा किये जाने के निर्देश जिला अधिकारियों को दिये गये हैं।

नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना में ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले विद्यार्थी, जो सरकारी स्कूलों में कक्षा 6वीं एवं 9वीं में अध्ययनरत हैं तथा वह जिस ग्राम के निवासी हैं, उस ग्राम में शासकीय माध्यमिक और हाईस्कूल संचालित न होने की वजह से विद्यार्थियों को सुविधाजनक तरीके से स्कूल पहुंचने के लिये साइकिल वितरित की जाती हैं। योजना में कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रवेश लेने पर पात्र विद्यार्थी को साइकिल प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में कन्या छात्रावास में अध्ययनरत छात्राएं, जिनकी शाला छात्रावास से 2 किलोमीटर या अधिक दूरी पर है, उन्हें भी नि:शुल्क साइकिल प्रदाय की जा रही है। प्रदेश में वर्ष 2023-24 में इस योजना में 4 लाख 7 हजार विद्यार्थियों को नि:शुल्क साइकिल प्रदाय की गई थी।

नरसिंहपुर जिले के पीएमश्री एमएलबी स्कूल नरसिंहपुर की 142 छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल का वितरण किया गया। इन छात्राओं में ग्राम डोंगरगांव की छात्रा सोनम गोंड और कक्षा 9वीं की छात्रा अंकिता साहू, शिवानी मोरिया एवं मुस्कान लोधी भी शामिल हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिये अत्याधुनिक निजी अस्पताल भी जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ग्वालियर में देवराज अस्पताल का उद्घाटन करते हुए

ग्वालियर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर में 100 बिस्तरीय देवराज अस्पताल (देवराज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस) के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिये अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित निजी अस्पताल भी जरूरी है। खुशी की बात है ग्वालियर की धरती पर ऐसे ही एक बड़े अस्पताल की शुरुआत हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अस्पतालों को आरोग्य मंदिर का नाम दिया है। प्रसन्नता का विषय है कि एक किसान परिवार ने ग्वालियर में अपने बेटे की स्मृति में एक अस्पताल अर्थात आरोग्य मंदिर की स्थापना की है। उन्होंने इसके लिये देवराज अस्पताल के संस्थापक श्री करन सिंह किरार एवं उनके परिवार को बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार भी इस पुनीत पहल के लिये करन सिंह के परिवार का सम्मान और आदर करती है।

- **इस नवनिर्मित अस्पताल में सस्ती दर पर मिलेंगी स्वास्थ्य सेवाएं।**
- **इस अस्पताल की क्षमता 100 बिस्तरीय है, जो बढ़कर एक हजार बिस्तरीय होगी।**

परिवार में आई रिक्तता को सेवा से भरने का काम सराहनीय

विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि नवरात्रि के पावन पर्व पर ग्वालियर में स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक बड़ा अस्पताल जुड़ रहा है। उन्होंने कहा परिवार में किसी भी व्यक्ति के असमय चले जाने से परिवार में बड़ी रिक्तता आती है। बिरले ही लोग होते हैं जो इस रिक्तता को सेवा से भरने के प्रयासों को मूर्तरूप दे पाते हैं। ग्वालियर में स्व. शीतला सहाय जी ने अपने पुत्र की कैंसर से मृत्यु होने पर देश का प्रतिष्ठित कैंसर हॉस्पिटल स्थापित कर यह काम करके दिखाया।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं तभी बेहतर और पर्याप्त होंगी, जब सरकार के साथ प्राइवेट सेक्टर भी बराबरी के साथ खड़ा होगा। उन्होंने दिल्ली, नागपुर तथा मुम्बई का उदाहरण देते हुए कहा कि प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी से ही ये महानगर मेडिकल हब के रूप में स्थापित हुए हैं।

सांसद श्री वी.डी. शर्मा ने कहा खुशी की बात है कि देवराज अस्पताल में मात्र 50 रुपये कंसल्टेशन फीस पर इलाज की सुविधा मिलेगी। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के मरीज भी एक अच्छे अस्पताल में अपना इलाज करा सकेंगे।

विद्यार्थियों को खेल सुविधायें उपलब्ध कराने के लिये संचालित हैं 110 केन्द्र

भोपाल, प्रदेश में सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को उच्च स्तर की खेल सुविधायें उपलब्ध कराने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने हर जिले के सरकारी स्कूलों में 110 नोडल खेल केन्द्रों की स्थापना की है। इन केन्द्रों के जरिये छात्र-छात्राओं को खेल अधोसंरचना के साथ उत्कृष्ट स्तर की खेल सामग्री और खेल प्रशिक्षण की सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस व्यवस्था से सरकारी स्कूलों में छात्र-छात्राओं के खेल प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। साथ ही विभिन्न स्तरों पर आयोजित होने वाली शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की सहभागिता में भी बढ़ोत्तरी हुई है। विभिन्न नोडल केन्द्रों के करीब 200 खिलाड़ियों ने राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता कर विभिन्न खेलों में 80 पदक प्राप्त किये।

राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रदेश के खिलाड़ियों ने विभिन्न विधाओं में सहभागिता की। पिछले वर्ष 67वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में 14, 17 और 19 वर्ष से कम आयु वर्ग की प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने 7 खेलों में 26 स्वर्ण, 13 रजत और 14 कांस्य समेत कुल 53 पदक प्राप्त किये। स्कूलों में खेलों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने के लिये कक्षा 9वीं से 12वीं तक आवासीय खेलकूद संस्थान, सीहोर में संचालित किया जा रहा है। विद्यार्थी यहां विद्यालय में 4 वर्ष तक पढ़ाई के साथ अपनी रुचि के खेलों का भी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा फिट इण्डिया मूवमेंट के अंतर्गत 'फिटनेस का डोज-आधा घण्टा रोज' कार्यक्रम सरकारी स्कूलों में आयोजित किया गया।

मध्यप्रदेश में आनंद का वातावरण बनाने में जुटे हैं 565 आनंद क्लब

भोपाल, प्रदेश में समाज के बीच सकारात्मकता एवं आनंद का वातावरण बनाने के लिए आनंद विभाग द्वारा समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए प्रदेश में 565 आनंद क्लब पंजीकृत किए गए हैं। आनंद क्लब द्वारा जरूरतमंदों को रक्तदान, भोजन एवं सामग्री दान, आपदा में सहयोग, शिक्षा, बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण, निराश्रितों की मदद एवं उपचार आदि का भी सहयोग प्रदान किया जा रहा है। आनंद क्लबों से 5 हजार से अधिक सदस्य जुड़ चुके हैं।

राज्य आनंद संस्थान के कार्यक्रम निदेशक श्री सत्य प्रकाश आर्य ने बताया कि स्वयं एवं परिवेश के प्रति जागरूकता बढ़ाकर हम प्रसन्न रह सकते हैं। इससे सामाजिक समरसता और खुशहाली संभव होती है।

आनंद क्लब की पहल इस विचार पर आधारित है कि लोगों को पहले स्वयं आनंदमयी जीवन जीने का कौशल सीखना चाहिए। इसका जीवन में अनुसरण कर सामूहिक रूप से क्लब बनाकर अन्य लोगों का जीवन आनंदमय बनाने के प्रयास करना चाहिए। राज्य आनंद संस्थान, आनंद और खुशहाली का वातावरण बनाने के लिये आनंद क्लब गठित करने का कार्य लगातार कर रहा है।

उज्जैन लैब को मिला राष्ट्रीय स्तर का प्रमाणीकरण

उज्जैन, मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उज्जैन में स्थापित टेस्टिंग लैब को नेशनल एक्रिडिएशन बोर्ड फार टेस्टिंग कालिब्रेशन लेबोरेटरीज (NABL) प्रमाण पत्र मिला है। आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्य से कंपनी की जरूरत की विद्युत सामग्री की जांच के लिए अब इस तरह की एनएबीएल प्रयोगशाला स्थानीय स्तर पर ही होने से अन्यत्र सामग्री भेजने में लगने वाला समय और शुल्क बचेगा। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उज्जैन की लैब को आगामी चार वर्षों के लिए राष्ट्रीय स्तर का प्रमाण पत्र मिलने पर बधाई दी है।

मध्यप्रदेश में लागू होगी राशन आपके द्वार योजना

गुना, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने गुना प्रवास के दौरान कहा कि मध्यप्रदेश के जनजातीय विकासखंडों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई 'राशन आपके द्वार' योजना को आने वाले समय में पूरे मध्यप्रदेश में लागू किया जाएगा।

श्री राजपूत ने बताया कि जरूरतमंद व्यक्तियों को राशन मिले, इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार कृत संकल्पित है। वर्तमान में पीडीएस दुकानों में राशन वितरण के लिए सुधार किये जा रहे हैं।

- **प्रदेश के 89 दूरस्थ ग्रामों में परिवहन के माध्यम से पहुंचाया जा रहा है राशन।**
- **इस पायलट प्रोजेक्ट को पूरे प्रदेश में किया जाएगा लागू।**

गांव में बुजुर्ग लोगों को राशन वितरण के लिए यदि उनका अंगूठा का निशान सही काम नहीं कर रहा है, तो उन्हें राशन देने की व्यवस्था नॉमिनी के माध्यम से की गई है।

खाद्य मंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश में कई जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विशेष रूप से ट्रायबल एरिया में राशन घर-घर पहुंचाये जाने की तैयारी की जा रही है। 'राशन आपके द्वार' के अंतर्गत राशन लोगों के घर-घर पहुंचाने की दिशा में भी काम किया जा रहा है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री ने कहा कि पीडीएस सिस्टम में लगातार सुधार जारी है। जहां भी अनियमितता सामने आती है, हम तुरंत उसमें सुधार कर कार्रवाई करते हैं। खाद्य मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में पीडीएस सिस्टम में बदलाव और नवाचार लागू होंगे। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याण की दिशा में सतत विकास की ओर बढ़ रही है।

नाप-तौल उपकरणों की जांच का विशेष अभियान 9 से 30 अक्टूबर तक

भोपाल, दशहरा एवं दिवाली पर्व पर उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए मिठाई, नमकीन, बर्तन, पेन्ट एवं सराफा व्यापारियों के यहां नाप-तौल उपकरणों की जांच के लिये 9 से 30 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाया जायेगा। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि उपभोक्ताओं का हित सर्वोपरि है। उपभोक्ताओं को सही कीमत और सही वजन की सामग्री मिलनी चाहिये। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

उच्च शिक्षा विभाग ने अतिथि विद्वान आमंत्रण प्रक्रिया के लिए समय सारणी की जारी

भोपाल, उच्च शिक्षा विभाग ने नवीन नीति 5 अक्टूबर, 2023 के अनुरूप सत्र 2024-25 के लिए अतिथि विद्वान आमंत्रण प्रक्रिया के लिए समय सारणी जारी की है। इसके अनुसार वर्तमान में आमंत्रित अतिथि विद्वानों को स्थल परिवर्तन की सुविधा, नवीन पंजीयन एवं पूर्व से पंजीकृत आवेदकों के प्रोफाइल अद्यतन एवं दस्तावेज अपलोड किए जा सकेंगे।

विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. आर.के. गोस्वामी ने बताया कि वर्तमान में आमंत्रित अतिथि विद्वानों को 9 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक स्थल परिवर्तन की सुविधा मिलेगी। डॉ. गोस्वामी ने बताया कि वर्तमान में आमंत्रित अतिथि विद्वान 9 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक अपनी अकादमिक प्रोफाइल अद्यतन एवं आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर सकेंगे। अपलोड अद्यतन दस्तावेजों का सम्बंधित अग्रणी महाविद्यालय में 9 से 15 अक्टूबर तक सत्यापन कराना होगा। आमंत्रित अतिथि विद्वानों को स्थल परिवर्तन के लिए 16 से 23 अक्टूबर तक विकल्प भरने के अवसर उपलब्ध रहेंगे। स्थल परिवर्तन के लिए कार्यरत अतिथि विद्वानों को वरीयता के अनुसार 24 अक्टूबर को महाविद्यालय आवंटित होंगे। अतिथि विद्वान 24 से 30 अक्टूबर तक स्थल परिवर्तन के लिए आवंटित महाविद्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकेंगे।

डॉ. गोस्वामी ने बताया कि अतिथि विद्वान के लिए नवीन पंजीयन एवं पूर्व से पंजीकृत आवेदकों के प्रोफाइल अद्यतन एवं दस्तावेज अपलोड की प्रक्रिया 25 अक्टूबर से 6 नवंबर तक होगी।

सहकारिता के कार्यालयों को किया जाये रिडिजाइन

भोपाल, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने सहकारिता विभाग की गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये हैं कि विभाग से संबंधित सभी कार्यालयों को रिडिजाइन किया जाये। ऑफिस को अपडेट रखें, उसका डिजिटाइजेशन भी हो। सभी प्रकार के पेक्स के माध्यम से किसानों को शिक्षित करने का कार्य किया जाये। वहां उनके उपयोग की जानकारी हो। डिसप्ले के माध्यम से किसानों के हित की जानकारी का प्रदर्शन हो। श्री सारंग ने कहा कि उपार्जन के लिये सर्वेयर और समिति प्रबंधक की हाई क्लास ट्रेनिंग करवाई जाये। इसके लिये कम से कम 600 चयनितों का उपयोगी प्रशिक्षण हो। उपार्जन के समय पानी, बैठक व्यवस्था आदि का इंतजाम भी करें।

श्री सारंग ने कहा कि सारे विभागीय काम टाइम लिमिट में हों। सभी प्रक्रिया

सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने विभाग की समीक्षा बैठक की

पारदर्शी हो। उन्होंने बैठक में स्वच्छता पखवाड़े में विभाग द्वारा किये गये कार्यों का प्रजेन्टेशन भी देखा। साथ ही निर्देश दिये कि अच्छे काम करने वाले को अवॉर्ड एवं रिवॉर्ड दिया जाये। इससे अधिकारी-कर्मचारी प्रोत्साहित होंगे। श्री सारंग ने कहा कि सहकारिता के प्रोडक्ट सेल करने के लिये एक नियत स्थान का चयन भी किया जाये, जिसमें आसानी से एक ही स्थान पर सभी तरह के प्रोडक्ट उपलब्ध रहें।

श्री सारंग ने कहा कि अधिकारी समय-समय पर समितियों का निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी समितियों का निरीक्षण करेंगे। सोसायटी के माध्यम से किसान को जागरूक किया जाएगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

महिला सशक्तिकरण का रोल मॉडल बना मध्यप्रदेश - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि महिलाओं और बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वावलंबन राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता है। महिला सशक्तिकरण के लिये प्रदेश में अनेक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया गया है। महिला सशक्तिकरण का 'मध्यप्रदेश मॉडल' देश में अनूठा है, जिससे प्रेरित होकर अन्य राज्यों ने भी मध्यप्रदेश की महिला कल्याण की योजनाओं का अनुसरण कर अपने राज्यों में लागू किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बात चाहे प्रधानमंत्री आवास के माध्यम से हर परिवार को पक्की छत देने की हो, या घर-घर शौचालय बनाकर खुले में शौच से मुक्ति दिलाने की। नल-जल योजना से घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना हो या उज्ज्वला योजना से रसोई को धुंआ मुक्त बनाने का संकल्प हो।

इन सभी योजनाओं का प्रदेश में बेहतर संचालन एवं क्रियान्वयन हुआ है। इसके अलावा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक सहयोग प्रदान कर उन्हें स्व-रोज़गार से न केवल जोड़ा है, बल्कि उन्हें लखपति दीदी भी बनाया है। समूह की महिलाओं के द्वारा निर्मित उत्पाद बाजारों में बिक रहे हैं। साथ ही उनका विक्रय ऑनलाइन मॉर्केटिंग से भी किया जा रहा है।

शासकीय सेवकों को दिया जा रहा है आनंद विभाग का प्रशिक्षण

भोपाल, मध्यप्रदेश में ग्राम पंचायत सचिव, पटवारी, रोज़गार सहायक, नगरीय निकाय और पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के लिए तीन दिवसीय आनंद विभाग का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम अभियान के रूप में चलाया जा रहा है। इससे प्रदेश के दो हजार से अधिक शासकीय सेवकों को लाभ मिलेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन से सीधे संपर्क में आने वाले शासकीय सेवकों को आनंदित व्यवहार का प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे वे स्वयं आनंदित रहते हुए आमजन को भी आनंदित कर सकें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम पचमढ़ी, जबलपुर, ग्वालियर, छतरपुर तथा इंदौर के विभिन्न प्रशिक्षण केन्द्रों के सहयोग से आयोजित किया गया है। राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग के प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा इन कार्यक्रमों का संचालन कराया जा रहा है। इसमें जिला कलेक्टर तथा जिला नोडल अधिकारी (आनंद) के माध्यम से जिलों के शासकीय सेवकों को प्रशिक्षण के लिये निर्देशित किया गया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में वन क्षेत्र विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव श्योपुर में आयोजित वन प्रबंधन समितियों के प्रशिक्षण और जागरूकता सम्मेलन को संबोधित करते हुए

- **वन ग्राम निवासियों को मिला वन ग्राम में वनोपज बेचने का अधिकार।**
- **वीरपुर को कॉलेज, सीएचसी का उन्नयन और पेंट्रोल पुल निर्माण कार्य सहित मिली कई सौगातें।**

श्योपुर, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वनों के विकास के लिए जरूरी कदम उठाए गए हैं। वनों के अंदर जो निवास करते हैं, जो प्रकृति के साथ तालमेल करते हैं, उनकी सभी जरूरतें पूरी करेंगे। वनोपज बेचने का अधिकार उन्हें दिया गया है। राज्य में पेसा एक्ट का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। वनों के विकास के लिए राज्य सरकार सजग है। मुख्यमंत्री ने 57 करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया है। वन ग्राम में वनोपज बेचने का अधिकार वन ग्राम निवासियों को दिया जाएगा। यह बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्योपुर के वीरपुर में आयोजित संयुक्त वन प्रबंधन समितियों के प्रशिक्षण और जागरूकता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में उद्योगों के विकास के लिए रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव निरंतर होंगी। ये कॉन्क्लेव लाभकारी सिद्ध हो रही हैं। बेरोज़गार युवाओं को रोज़गार दिलवाने का दायित्व हमारा है। हमारे युवा एग्री, आईटी आदि क्षेत्रों में प्रगति करें, इसके लिए सरकार पूरी मदद करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकास के मामले में सरकार किसानों, गरीबों के साथ है। जनजातीय समाज को विशेष लाभ दिया जा रहा है। वीरपुर में कॉलेज खोला जाएगा। वीरपुर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्नयन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास के मामले में सरकार हमेशा जनता के साथ है। गरीब, किसान, महिलाओं और ग्राम के आखिरी छोर के व्यक्ति के साथ सरकार खड़ी है। स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार किया गया है। एयर एम्बुलेंस के माध्यम से गांव के बीमार व्यक्ति को शहरों के बड़े अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

फैक्ट फाइल

नवाचार, निवेश और आत्मनिर्भरता को धरातल पर उतारने में सफल हुआ मेक इन इंडिया का मंत्र

भारत को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मेक इन इंडिया की शुरुआत की। 25 सितम्बर, 2014 को शुरू की गयी इस ऐतिहासिक पहल ने 10 वर्ष पूर्ण कर लिये हैं। इन दस वर्षों में भारत ने हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के कीर्तिमान रचे हैं। मेक इन इंडिया से देश की क्षमता, दक्षता और कौशल को दिशा मिली है। नवाचारों के साथ निवेश की संभावनाओं ने आकार लिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में इस कार्यक्रम ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने, नवाचार में वृद्धि करने, कौशल विकास में बढ़ोत्तरी और विदेशी निवेश को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली

सितंबर 2021 में शुरू किया गया यह प्लेटफॉर्म निवेश को सरल बनाता है। यह मंच 32 मंत्रालयों, विभागों और 29 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों से मंज़ूरी को एकीकृत करता है, जिससे त्वरित अनुमोदन की सुविधा मिलती है।

राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति

लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से 2022 में शुरू की गई एनएलपी, भारतीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।

पीएम गति शक्ति

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों के पोर्टलों के साथ एक जीआईएस आधारित मंच है, जो अक्टूबर, 2021 में लॉन्च किया गया था। यह मल्टीमॉडल बुनियादी ढांचे की एकीकृत योजना से संबंधित डेटा-आधारित निर्णयों को सुविधाजनक बनाने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण है, जिससे सामग्री लागत कम हो जाती है।

प्रमुख सुधार

सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकास के तहत 76 हजार करोड़ की लागत वाले सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम से पूंजी समर्थन और तकनीकी सहयोग की सुविधा देकर सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण को बढ़ावा देना है। भारत ने सेमीकंडक्टर तंत्र के हर क्षेत्र को सहारा देने के लिए नीतियां विकसित की हैं, जिसमें न केवल फ़ैब्स पर ध्यान केंद्रित किया गया है, बल्कि पैकेजिंग, डिस्प्ले वायर, ओएसएटी, सेंसर और अन्य क्षेत्र शामिल हैं।

मेक इन इंडिया के 10 वर्ष
प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 667.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर हुआ।
निवेश 31 राज्यों और 57 क्षेत्रों में हुआ है।
विनिर्माण क्षेत्र में एफडीआई इक्विटी प्रवाह 165.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंचा।
प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 8.5 लाख से अधिक रोज़गार के अवसर हुए सृजित।
नवीकरणीय ऊर्जा
भारत विश्व स्तर पर चौथा सबसे बड़े उत्पादक बना।
एक दशक में क्षमता में 400 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि।
इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग 3 अरब डॉलर से अधिक का हुआ।
रक्षा उत्पादन
21 हजार करोड़ रुपये का हुआ निर्यात।
दुनिया के 85 से अधिक देशों तक पहुंचे भारत में निर्मित रक्षा उत्पाद।
निर्यात और रोज़गार
वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का व्यापारिक निर्यात 437 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया।
निर्यात बढ़ा है और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के कारण अतिरिक्त 4 लाख करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं,
जबकि विनिर्माण क्षेत्र में कुल रोज़गार 2017-18 के मुकाबले 57 मिलियन से बढ़कर 2022-23 में 64.4 मिलियन हो गए हैं।
सेमीकंडक्टर
सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र में 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश।
कुल क्षमता प्रतिदिन 7 करोड़ से अधिक चिप्स की।

एक जिला एक उत्पाद - पूरे भारत में स्वदेशी उत्पादों और शिल्प कौशल को बढ़ावा देते हुए, एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल ने स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया है। इन अद्वितीय उत्पादों के लिए मंच प्रदान करने के लिए 27 राज्यों में यूनिटी मॉल स्थापित किए जा रहे हैं।

औद्योगिक गलियारे और बुनियादी ढांचा

राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के तहत 11 औद्योगिक गलियारों के विकास में 28,602 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ 12 नई परियोजनाओं को मंज़ूरी दी गई है। ये गलियारे विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा प्रदान करके भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाते हैं।

स्टार्टअप इंडिया

नवाचार और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के उद्देश्य से सरकार ने 16 जनवरी 2016 को स्टार्टअप इंडिया पहल शुरू की। सरकार के निरंतर प्रयासों से 30 जून 2024 तक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की संख्या बढ़कर 1,40,803 हो गई है , जिससे 15.5 लाख से अधिक रोज़गार के अवसर सृजित हुए हैं।

भारत ने मेक इन इंडिया के अगले दशक में प्रवेश किया है। इस दशक में मेक इन इंडिया 2.0 का लक्ष्य स्थिरता, नवाचार और आत्मनिर्भरता को आगे बढ़ाना है। नवीकरणीय ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकियों और उन्नत विनिर्माण में महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के साथ यह पहल सुनिश्चित कर रही है कि भारतीय उत्पाद उच्चतम वैश्विक मानकों को पूरा कर सकें।

मोबाइल विनिर्माण इकाइयां

- 200 से अधिक मोबाइल विनिर्माण इकाइयां।
- मोबाइल निर्यात 1.2 लाख करोड़ रुपये हुआ।
- भारत में 99% मोबाइल फोन मेड इन इंडिया।

इस्पात उद्योग

- इस्पात के शुद्ध निर्यातक बन गए हैं।
- 2014 के बाद से उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

- हितेश शर्मा

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

जापान में

द्वितीय विश्व युद्ध का अमेरिकी बम फटा

जापान के मियाजाकी एयरपोर्ट पर रनवे के पास एक अमेरिकी बम फट गया, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान गिराया गया था। विस्फोट से टैक्सीवे पर 7 मीटर चौड़ा और 1 मीटर गहरा गड्ढा बन गया, जिसके कारण अधिकारियों को रनवे को बंद करना पड़ा, जिसके कारण 87 उड़ानें रोक दी गईं। बम निरोधक दल ने पुष्टि की है कि विस्फोट जमीन के नीचे दबे एक अमेरिकी बम के कारण हुआ था।

क्लाउडिया शिनबाम

मैक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति बनीं

मैक्सिको को 200 साल बाद पहली महिला राष्ट्रपति मिली है। मैक्सिको सिटी की मेयर रहीं 64 वर्षीय क्लाउडिया शिनबाम राष्ट्रपति चुनाव जीतीं और उन्होंने मैक्सिको के राष्ट्रपति पद की शपथ भी ले ली है। मैक्सिको एक ईसाई देश है, लेकिन क्लाउडिया यहूदी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। शिनबाम की शुरुआती जिंदगी सामाजिक न्याय और वैज्ञानिक पेशे के इर्द-गिर्द रही है। 1968 में उन्होंने छात्र विरोध प्रदर्शन में भी हिस्सा लिया था।

इटली में

कबाड़ में मिली पिकासो की पेंटिंग

इटली में एक कबाड़ में मिली एक पेंटिंग मशहूर चित्रकार पाब्लो पिकासो द्वारा बनाई गई पेंटिंग है। अनुमान है कि ऑक्शन में इसकी कीमत 6.5 मिलियन डॉलर (लगभग 55 करोड़ रुपए) मिल सकती है। इटली के कैपरी में घर के तहखाने में सफाई के दौरान 1962 में लुइगी लो रोसो को मिली पेंटिंग पर पिकासो के हस्ताक्षर हैं, लेकिन रोसो उन्हें नहीं जानते थे। विशेषज्ञों के अनुसार यह पेंटिंग डोरा मार की है, जो फ्रांसीसी फोटोग्राफर, चित्रकार और कवि थीं। डोरा 1930 और 1936 के बीच कैपरी की यात्रा के दौरान पिकासो से मिली थीं।

अनुष्का सेन ने

टाइम्स स्क्वायर पर परफॉर्म किया

अभिनेत्री अनुष्का सेन न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर परफॉर्म करने वाली पहली भारतीय कलाकार बन गई हैं। अनुष्का ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) के लिए यूनाइटेड नेशन के यंग लीडर एवाई यंग के साथ हाथ मिलाते हुए वेस्ट में एक सिंगर के रूप में भी अपना डेब्यू कर दिया है। साथ में, उन्होंने एवाई यंग के बैटरी टूर पर परफॉर्म किया, जिसका मकसद स्वच्छ ऊर्जा का इस्तेमाल करके 1,000 कंसर्ट को पावर करना है। अनुष्का ने एवाई यंग के साथ मिलकर प्रोजेक्ट 17 के सॉन्ग ग्रेजुएशन पर परफॉर्म किया, जो यूनाइटेड नेशन के 17 सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स से प्रेरित एक म्यूजिक एल्बम है। ग्रैमी अवॉर्ड विनर केन लुईस द्वारा बनाया गया सॉन्ग ग्रेजुएशन अनुष्का के शिक्षा के लिए मजबूत समर्थन को दिखाता है।

सिएटल सेंटर में

महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण हुआ

महात्मा गांधी की जयंती पर सिएटल सेंटर में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया। मेयर ब्रूस हैरेल, सांसद एडम स्मिथ और भारतीय मूल की सांसद प्रमिला जयपाल की मौजूदगी में प्रतिमा का अनावरण हुआ। ज्ञात रहे कि प्रतिमा प्रसिद्ध स्पेस नीडल के नीचे तथा चिहुली गार्डन एवं ग्लास म्यूजियम के पास स्थापित की गई है। अनावरण समारोह का नेतृत्व सिएटल में भारत के महावाणिज्यदूत प्रकाश गुप्ता ने किया। इसमें प्रशांत नॉर्थवेस्ट में यूएस फर्स्ट कॉर्प्स के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जेवियर ब्रूनसन और मार्टिन लूथर किंग-गांधी इनिशिएटिव के अध्यक्ष एडी राई भी शामिल हुए।

स्पेसएक्स मिशन

सुनीता को वापस लाने नासा का मिशन लॉन्च

स्पेसएक्स का एक मिशन फ्लोरिडा के केप कैनावेरल से अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को वापस लाने के लिए रवाना हो गया। दोनों कई महीनों से अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर फंसे हुए हैं। मिशन में नासा के अंतरिक्ष यात्री निक हेग और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोरबुनोव भी हैं। नासा हर 6 महीने में अंतरिक्ष स्टेशन पर चालक दल बदलता है, सुनीता और विल्मोर को लाने के लिए स्पेसएक्स प्रक्षेपण से दो यात्रियों को पहले ही बुला लिया गया है। रोटेशन के तहत लॉन्च नई उड़ान फरवरी के अंत तक वापस आएगी।

IIT कानपुर

कैंसर की रिपोर्ट एक मिनट में देने वाली डिवाइस बनाई

आईआईटी कानपुर ने ऐसी डिवाइस तैयार की है, जो 60 सेकेंड में माउथ कैंसर की रिपोर्ट देगी। डिवाइस मुंह के अंदर की तस्वीर लेकर एनालिसिस करेगी और तुरंत रिपोर्ट देगी। डिवाइस से यह भी पता चलेगा कि कैंसर किस स्टेज में है। डिवाइस के इस वर्ष दिसंबर तक मार्केट में आने की उम्मीद है। डिवाइस को प्रो. जयंत कुमार सिंह और उनकी टीम ने 6 साल में तैयार किया है। यह पोर्टेबल डिवाइस है, जिसे छोटे से बैग में रखकर कहीं भी ले जा सकते हैं। कानपुर में कई जगह कैंप लगाकर 3 हजार लोगों पर इसका ट्रायल भी किया गया है। डिवाइस से 22 साल तक के युवाओं में कैंसर का पता चला है।

चोई सून-ह्वा

80 की उम्र में बनीं मिस यूनिवर्स कोरिया प्रतिभागी

सफेद बालों और 80 साल की उम्र के बावजूद, दक्षिण कोरियाई मॉडल चोई सून-ह्वा दुनिया को यह बता रही हैं कि उम्र सिर्फ एक संख्या है। दरअसल, उन्होंने मिस यूनिवर्स दक्षिण कोरिया स्पर्धा में सबसे बुजुर्ग प्रतिभागी बनकर इतिहास रच दिया है। चोई उन लड़कियों के बीच स्टेज पर खड़ी रहीं जो उनकी नातिन-पोतियों जितनी उम्र की हैं। दिलचस्प है कि चोई का जन्म 1952 में पहली मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के आयोजन से लगभग एक दशक पहले हुआ था। चोई ने 72 की उम्र में मॉडलिंग शुरू की थी। इस साल से मिस यूनिवर्स में उम्र का बंधन हटाया गया है। पहले केवल 18 से 24 वर्ष की आयु की लड़कियां ही भाग ले सकती थीं।

सिमन केस

ब्रिटेन में कैबिनेट सेक्रेटरी ने दिया इस्तीफा

ब्रिटेन की नई सरकार में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। पिछले दिनों सांसद रोजी डफील्ड के इस्तीफे के बाद अब कैबिनेट सेक्रेटरी सिमन केस ने भी पद से इस्तीफा दे दिया है। सिमन केस को तत्कालीन प्रधानमंत्री बॉरिस जॉनसन ने नियुक्त किया था। ज्ञात रहे कि इसी वर्ष जुलाई में लेबर पार्टी की जीत के बाद कीअर स्टार्मर ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बने।

एंड्रेस इनिएस्ता ने

संन्यास का फैसला लिया

फुटबॉल के इतिहास में ऐसे बहुत कम नाम हैं जो एंड्रेस इनिएस्ता के बराबर महत्व रखते हों। स्पेन के इस खिलाड़ी ने एक समारोह में अपने संन्यास के फैसले की घोषणा की। अपने संन्यास का ऐलान करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की काफी खुशी है कि मैं अपना सपना पूरा कर सका। उन्होंने कहा मेरा कॅरियर काफी शानदार रहा है। क्योंकि मुझे बेस्ट प्लेयर्स के साथ खेलने का मौका मिला। कैटेलोनिया के पूर्व कप्तान ने क्लब के साथ अपने 18 साल के कार्यकाल के दौरान 8 और 24 नंबर पहने थे।

राम सिंह बौद्ध

1257 रेडियो कलेक्शन का गिनीज रिकॉर्ड बनाया

अमरोहा निवासी 'रेडियो मैन' के नाम से मशहूर 68 वर्षीय राम सिंह बौद्ध ने 1257 रेडियो सेट के बेजोड़ संग्रह की बदौलत गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में जगह बनाई है। गिनीज ने कहा है कि रेडियो का सबसे बड़ा संग्रह उत्तरप्रदेश के गजरौला में राम सिंह बौद्ध ने तैयार किया है। राम सिंह को बचपन से ही रेडियो प्रिय था और धीरे-धीरे वे इसका संग्रह करने लगे।

एलन मस्क

पांच मिलियन डॉलर जुर्माना भरने पर सहमत हुए

ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के बैंक खाते अनब्लॉक करने का आदेश दे दिया है। इसके साथ ही एक्स को पांच मिलियन डॉलर का जुर्माना देना होगा। न्यायाधीश अलेक्जेंड्रे डी मोरेस के इस फैसले के बाद से ही ब्राजील में एक्स के निलंबन को हटाने का मार्ग प्रशस्त हो गया। दरअसल, एक जज और एलन मस्क के बीच दुष्प्रचार को लेकर गतिरोध के कारण 31 अगस्त से एक्स पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

सलमान रुश्दी

नेशनल बुक अवॉर्ड की दौड़ में शामिल

अपने संस्मरण नाइफ के लिए सलमान रुश्दी, ऐतिहासिक उपन्यास के लिए जेम्स पर्सिवल एवरेट को 75वें वार्षिक नेशनल बुक अवॉर्ड के फाइनलिस्ट में शामिल किया गया है। पुरस्कार के लिए नामांकित अन्य लोगों में उपन्यास ऑल फोर्स की लेखिका मिरांडा जुलाई और रॉन्ग नॉमो के लिए प्रसिद्ध कनाडाई कवियत्री ऐनी कार्सन शामिल हैं। नेशनल बुक फाउंडेशन ने फिक्शन, नॉनफिक्शन, युवाओं के साहित्य, कविता और अनुवाद में पुस्तकों के फाइनलिस्ट की घोषणा की। विजेताओं की घोषणा 20 नवंबर को मैनहट्टन में एक समारोह में की जाएगी।

जिमी कार्टर

पूर्व राष्ट्रपति ने मनाया 100वां जन्मदिन

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर 100 साल के हो गए। कार्टर ने अपना जन्मदिन अपने गृहनगर जॉर्जिया में मनाया, जहां वह पिछले साल से अस्पताल में हैं। अमेरिकी इतिहास में कार्टर सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाले पहले राष्ट्रपति बन गए हैं। उनकी विरासत मानवाधिकार और मानवता की सेवा से भरी हुई है। लेकिन जब वह राष्ट्रपति थे तो उन्हें काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। उनके पोते जेसन कार्टर ने स्थानीय मीडिया से कहा, उनकी विरासत संघर्षों से भरी हुई है। लेकिन वे हमेशा लोगों का सम्मान करते रहे हैं।

बांग्लादेश में

हिजाब में दिखेंगी बांग्लादेश आर्मी की महिलाएं

बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से ही स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। अब बांग्लादेश सरकार धीरे-धीरे इस्लामीकरण की तरफ बढ़ रही है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण ये है कि बांग्लादेश सरकार ने महिला सैनिकों को हिजाब पहनने की अनुमति दी है। इसके लिए आदेश भी जारी किए गए हैं। बता दें, बांग्लादेश की सेना में साल 2000 में महिलाओं को शामिल किया गया था। लेकिन उस वक्त से ही सेना में हिजाब पहनना मना था। लेकिन कट्टरपंथियों के दबाव में अब यह फैसला जारी किया गया है।

स्मृति शेष

पूर्व क्रिकेटर और कोच नरेश चुरी का निधन

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच नरेश चुरी का 30 सितंबर को 60 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे बाएं हाथ के बल्लेबाज थे, जिन्होंने 1982 से 1989 तक रेलवे की टीम के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेला। अपने 26 प्रथम श्रेणी मैचों में चुरी ने 1,500 से अधिक रन बनाए, जिसमें दो शतक शामिल थे। वह विशेष रूप से 1987-88 रणजी ट्रॉफी के फाइनल में 112 रन बनाने के लिए जाने जाते हैं। खेल से संन्यास लेने के बाद, चुरी ने मुंबई के शारदाश्रम विद्यामंदिर में क्रिकेट कोच के रूप में काम किया, जहां उन्होंने युवा क्रिकेटरों को प्रशिक्षित किया।

हैरी पॉटर की प्रोफेसर मैकगोनागल मैगी का निधन

फिल्म 'हैरी पॉटर' में प्रोफेसर मैकगोनागल की भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस मैगी स्मिथ का 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। मैगी को नोएल कावर्ड की 'प्राइवेट लाइव्स' और टॉम स्टॉपर्ड की 'नाइट एंड डे' के लिए टोनी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेशन भी मिला। बाद में साल 1990 में 'लेटिस एंड लोवेज' के लिए एक नाटक में बेस्ट एक्ट्रेस का टोनी अवॉर्ड मिला। मैगी को महारानी एलिजाबेथ ने नाइट की उपाधि दी थी और उन्होंने दो बार ऑस्कर अवॉर्ड जीता।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कार्यालय सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण जिला टीकमगढ़ (म.प्र.)

क्रमांक/डीडीआरसी/2024-25/1085 **टीकमगढ़, दिनांक : 08.10.2024**

विज्ञापन

भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा जिला टीकमगढ़ मध्यप्रदेश जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र के संचालन हेतु विभिन्न पद स्वीकृत किये गये हैं। इन पदों पर म.प्र. शासन संचालनालय सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग मंत्रालय भोपाल का पत्र क्र./दि. सश.-2/एफ-173/2024-25/2263 भोपाल दिनांक 11.07.2024 के क्रम में पदपूर्ति की जाना है।

अतः निम्न पदों की पूर्ति हेतु योग्य तकनीकी उम्मीदवार से बायोडाटा आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

क्र.	पद का नाम	पद की योग्यता	पोस्ट	मासिक मानदेय
1.	सीनियर प्रोस्थेटिस्ट/ आर्थोटिस्ट (ओएच श्रेणी)	आरसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी संस्थान से प्रोस्थेटिस्ट और आर्थोटिस्ट (बीपीओ) में स्नातक	01	20500/-
2.	ऑडियोलाजिस्ट और सीनियर स्पीच थेरेपिस्ट	ऑडियोलॉजी और स्पीच एंड लैंग्वेज पैथोलॉजी (बीएएसएलपी) में स्नातक या बी.एससी. स्पीच एवं हियरिंग	01	20500/-
3.	प्रारंभिक उपचार थेरेपिस्ट	पीजीडीडीटी/पीजीडीईआई/बीएमआर/बीआरएससी/बीआरटी/ एमआरएससी/एमएससीईआई	01	14500/-
4.	ट्रांस डिसिप्लिनरी विशेष शिक्षक (श्रवण बाधितामे)	बीआई/आईडी/सीपी/एएसडी/एमडी/डीबी/एसएलडी में डीईडीएसई/बीईडीएसई	01	16000/-
5.	व्यवसायिक परामर्शदाता सह कम्प्यूटर सहायक	व्यवसायिक पुनर्वास में डिप्लोमा (डीबीआर)/बाल मार्गदर्शन और परामर्श में एडवांस्ड डिप्लोमा (एडीसीजीसी)/पुनर्वास विज्ञान में स्नातक (बीआरएससी)	01	14500/-
6.	अटेंडेंट कम प्यून कम मैसेंजर	8वीं पास	01	9500/-
7.	केयर गिवर	सीसीसीजी/आरसीआई सी सीसीजी/राष्ट्रीय न्यास या कक्षा आठवीं उत्तीर्ण जिसमें दिव्यांगजनों की देखभाल में 03 साल का अनुभव	01	6250/-

नोट- पद पूर्ति के संबंध में नियम व शर्तें जिले की वेबसाइट पर देखी जा सकती है, साथ ही कार्यालयीन समय में कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है।

उपसंचालक
सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण
जी-17422/50151/2024 **जिला टीकमगढ़ (म.प्र.)**

(पृष्ठ 8 का शेष

उपरोक्तानुसार विलंब शुल्क के साथ निर्धारित तिथियों के पश्चात् डाक अथवा अन्य किसी माध्यम से आयोग को प्रेषित किए गए आवेदकों के अभिलेख प्राप्त होने पर आयोग की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी न ही इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार मान्य किया जाएगा।

महत्वपूर्ण टीप :-

1. सूची में दर्शाए गए परीक्षा परिणाम पूर्णतः प्रावधिक हैं। यदि अभ्यर्थी सहायक प्राध्यापक (वनस्पति शास्त्र) परीक्षा-2022 के लिए अधिसूचित नियमों एवं शर्तों को पूर्ण नहीं करते हैं तो साक्षात्कार हेतु उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जाएगी।
2. आरक्षित वर्ग के वे अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांकों के बराबर या अधिक हैं उन्हें नियमानुसार मुख्य तथा प्रावधिक दोनों ही भागों में अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
3. सहायक प्राध्यापक (वनस्पति शास्त्र) परीक्षा - 2022 के साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।
4. न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
5. ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटिपूर्ण, अपूर्ण, असत्य जानकारी देने अथवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में चाही गई वांछित औपचारिकताएं पूर्ण न करने के परिणाम स्वरूप चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।
6. साक्षात्कार हेतु प्रावधिक रूप से अर्ह अभ्यर्थियों की सूची आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर उपलब्ध है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मुद्रण त्रुटियों के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा एवं आयोग कार्यालय में रखी परीक्षा परिणाम की सूची ही प्रमाणिक मानी जाएगी।
7. उपरोक्तानुसार जारी प्रावधिक लिखित परीक्षा परिणाम का अंतिम चयन परिणाम माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक TRANSFER PETITION (C) No. 1120 OF 2023 Dated 02/09/2024 एवं माननीय उच्च न्यायालय में याचिका क्रमांक-5596/2024, 2108/2022 एवं समान अन्य याचिकाओं व माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक- एस. एल. पी. 12398/2023 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। उपरोक्त परीक्षा से संबंधित प्रचलित न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
8. **सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022 में उच्च शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार मध्य प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों के अतिथि विद्वान (रिक्त पदों के विरुद्ध एवं जनभागीदारी) तथा मध्यप्रदेश के विश्वविद्यालयों में संविदा आधार पर कार्यरत अतिथि विद्वानों के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण याचिका क्र. - WP No. 674/2023 15476/2024, 15493/2024, 15488/2024, 19423/2023, 575/2024, 1413/2023 एवं अन्य समान याचिकाओं का अंतिम चयन परिणाम माननीय उच्च न्यायालय द्वारा याचिकाओं के पारित अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।**
9. लिखित परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कोई तकनीकी त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि संज्ञान में आती है तो आयोग के पास परीक्षा परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
10. आयोग की बैठक दिनांक 30.10.2023 में लिए गए निर्णय क्रमांक-31 के अनुसार सहायक प्राध्यापक (वनस्पति शास्त्र) परीक्षा-2022 की अंतिम उत्तरकुंजी में विलोपित किए गए प्रश्नों के अंक परीक्षा में सम्मिलित समस्त अभ्यर्थियों को समान रूप से प्रदाय किए गए हैं अर्थात् दोनों प्रश्न पत्रों के लिए न्यूनतम उत्तीर्णांक की गणना हेतु निर्धारित पूर्णांक यथावत हैं।
11. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने दस्तावेज **दिनांक 25.10.2024 तक निम्न पते पर भेजना सुनिश्चित करें :-**

प्रति,

सचिव,
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, रेसीडेंसी एरिया
इंदौर

अभ्यर्थी अपने अभिलेख के लिफाफे पर **सहायक प्राध्यापक (वनस्पति शास्त्र) परीक्षा-2022 के साक्षात्कार** हेतु अभिलेख अवश्य लिखें।

जी-17304/50144/2024 **उप परीक्षा नियंत्रक**

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र, भोपाल (म.प्र.)

निविदा सूचना क्रमांक 13/मु.अ. (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2024-25 **भोपाल, दिनांक : 05.10.2024**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

कार्य का नाम-1. खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर में श्मशान घाट से बर्फानी आश्रम से ज्योर्तिलिंग मंदिर मार्ग पर तीन माइनर ब्रिज पहुँच मार्ग सहित निर्माण कार्य।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु
2024_PWDRB_374293_1	खण्डवा	पुल कार्य	तृतीय	1486.35	केवल ऑनलाइन
			कुल योग	1486.35	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 28.10.2024 (17:30 बजे)** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधनों का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
जी-17455/50153/2024 **लो.नि.वि. सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 9125/44/2023/चयन **इन्दौर, दिनांक : 08.10.2024**

पदनाम - व्याख्याता, शालाक्य तंत्र
चयन सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 13/2023 दिनांक 21.06.2023 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में **म.प्र. शासन, आयुष विभाग** के अंतर्गत विज्ञापित पद - **व्याख्याता, शालाक्य तंत्र** के कुल- 06 पद (अनारक्षित 01, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-02, अ.पि.वर्ग-02, ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित पद (अनारक्षित-निरंक, अ.जा.- निरंक, अ.ज.जा.-01, अ.पि. वर्ग-01, ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार **दिनांक 25 सितम्बर, 2024** को आयोजित किए गए।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या 02 होने के कारण इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएव चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या 02 होने के कारण प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।
3. अतएव साक्षात्कार में प्राप्तांकों के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

व्याख्याता, शालक्य तंत्र (म.प्र. शासन, आयुष विभाग)
पद विवरण तालिका (मुख्य भाग 87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	1	1	2	2	0	6
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	0	0	1	1	0	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग		Seat	श्रेणी
1.	14232	SHWETA AGRAWAL	F		UNR	UNR
2.	14203	KAVITA RATHORE	F	प्रावधिक	OBCF	OBC
3.	14212	SUSHAMA AHIRWAR	F	प्रावधिक	SC	SC
4.	14215	YOGESHWAR ARYA	M		OBC	OBC
5.	14222	PREETI GOUD	F		STF	ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग		श्रेणी
1.	14207	SHIKHA SHARMA	F		UNR
2.	14211	MINAKSHI PATIDAR	F	प्रावधिक	OBC
3.	14204	RAJENDRA SINGH PATEL	M		OBC
4.	14210	ATUL KUMAR AHIRWAR	M	प्रावधिक	SC

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत् अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
4. कुल विज्ञापित 06 पदों में से अ.ज.जा. वर्ग हेतु 02 पद विज्ञापित हैं। अ.ज.जा. वर्ग के पर्याप्त आवेदक उपलब्ध नहीं होने के कारण अ.ज.जा. वर्ग हेतु आरक्षित 01 पद रिक्त रहा है।

सचिव
जी-17433/50152/2024 **म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर**

कार्यालय जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र जबलपुर (म.प्र.)
(सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग)

क्रमांक/1798/दि.सश./2024-25 जबलपुर, दिनांक : 01 अक्टूबर 2024

विज्ञापन

मध्यप्रदेश शासन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, संचालनालय भोपाल का पत्र क्रमांक 2941/दि.सश.-2/एफ-173/2024-25 दिनांक 30 अगस्त 2024 के परिपालन में जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र, बाई का बगीचा, बर्फानी पेट्रोल पंप के सामने, घमापुर जिला जबलपुर म.प्र. के अंतर्गत निम्न पदों की संविदा आधार पर पूर्ति किये जाने हेतु निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। पद स्तर वेतनमान, संविदा पारिश्रमिक, शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य विवरण निम्नानुसार है, इच्छुक उम्मीदवार नीचे दिये गये निर्धारित प्रारूप में टाइप किया हुआ अपना आवेदन संपूर्ण जानकारी एवं मांगे गये प्रमाण-पत्रों की सत्यापित प्रतिलिपि के साथ व्यक्तिगत रूप से या डाक द्वारा कार्यालय जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र (बाई का बगीचा बर्फानी पेट्रोल पंप के सामने, घमापुर जबलपुर म.प्र.) में अंतिम तिथि के पूर्व जमा कर सकते हैं।

क्र.	पद नाम	पदों की संख्या	वर्ग	शैक्षणिक योग्यता/अनुभव	मानदेय	प्रति विजिट
1	सीनियर प्रोस्थेटिस्ट/ ऑर्थोटिस्ट	01	अनारक्षित	आरसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी संस्थान से प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स (बीपीओ) में स्नातक	20500	850/- प्रति विजिट
2	सीनियर स्पीच थेरेपिस्ट/ ऑडियोलॉजिस्ट	01	अनारक्षित	ऑडियोलॉजी और स्पीच एंड लैंग्वेज पैथोलॉजी (बीएएसएलपी) में स्नातक या बी.एससी स्पीच एंड हियरिंग	20500	850/- प्रति विजिट
3	प्रोस्थेटिस्ट ऑर्थोटिस्ट (टेक्नीशियन)	01	अनारक्षित	पी.एंड.ओ. में डिप्लोमा या 3 साल के अनुभव के साथ पी.एंड.ओ. में प्रमाण पत्र	16000	Nil
4	मल्टीपरपज रिहेब्लीटेशन वर्कर	01	अनारक्षित	बहुउद्देशीय पुनर्वास कार्यकर्ता पात्रता समुदाय आधारित पुनर्वास (पीजीडीसीबीआर) में पोस्ट ग्रेजुएट/समुदाय आधारित पुनर्वास (डीसीबीआर)/समुदाय आधारित समावेश विकास (सीबीआईडी)/एमआरडब्ल्यू में डिप्लोमा	14500	Nil
5	वोकेशनल काउंसलर कम्प्यूटर असिस्टेंट	01	अनारक्षित	व्यावसायिक पुनर्वास में डिप्लोमा (डीवीआर)/ बाल मार्गदर्शन और परामर्श में एडवांस्ड डिप्लोमा (एडीसीजीसी)/पुनर्वास विज्ञान में स्नातक (बी.आर.एससी.)	14500	Nil
6	ट्रांस डिसिप्लिनरी विशेष शिक्षक	01	अनारक्षित	श्रवण बाधित में डीईडीएसई/बीईडीएसई	14500	Nil
7	अरली इंटरवेंशन थेरेपिस्ट (प्रारंभिक उपचार थेरेपिस्ट)	01	अनारक्षित	पी.जी.डी.डी.टी./पी.जीडीईआई/बी.एम.आर./ बी.आर.एससी./बी.आर.टी./एम.आर.एससी./ एम.एससी.ई.आई.	14500	Nil
8	केयर गिवर	01	अनारक्षित	सी.सी.सी.जी./राष्ट्रीय न्यास या कक्षा 8वीं उत्तीर्ण जिसमें दिव्यांगजनों की देखभाल में 3 साल का अनुभव हो।	6250	Nil

नोट :– पद क्र. 1 एवं 2 विजिट आधार पर बुलाये जाने पर न्यूनतम 4 घंटे सेवायें देना अनिवार्य होगा एवं दिव्यांगजनों के शिविर आयोजित होने पर शिविर आरंभ होने से समाप्ति होने तक सेवायें देना अनिवार्य होगा।

कार्यालय में आवेदन पत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि विज्ञापन प्रकाशित होने के **15 दिवस के अंदर** होगी, आवेदन का विज्ञापन एवं आवेदन का प्रारूप जिला जबलपुर की वेबसाइट **https://jabalpur.nic.in** पर प्राप्त की जा सकती है।

संयुक्त संचालक

जी-17252/50138/2024 **सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण जबलपुर संभाग जबलपुर**

संचालनालय आयुष, मध्यप्रदेश

(भू-तल 'डी' विंग, सतपुड़ा भवन, भोपाल-462004)
www.ayush.mp.gov.in, E-mail : jdayush@mp.gov.in
Office : (0755) 2552931, Fax : (0755) 2760225

दिनांक : 08.10.2024

सूचना
स्नातक काउंसिलिंग कार्यक्रम (स्टेट/ऑल इण्डिया कोटा)
बी.ए.एम.एस./बी.एच.एम.एस./बी.यू.एम.एस.

शिक्षण सत्र 2024-25 की प्रवेश काउंसिलिंग के अंतर्गत वीणा वादिनी आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल एवं राजीव गांधी आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल को भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, नई दिल्ली से प्रवेशानुमति प्राप्त न होने के कारण काउंसिलिंग प्रक्रिया में सम्मिलित नहीं किया गया था।

उक्त दोनों महाविद्यालयों के द्वारा मान. उच्च न्यायालय जबलपुर में याचिकाएं दायर की गई। मान. उच्च न्यायालय द्वारा दोनों महाविद्यालयों के संबंध में अंतरिम आदेश जारी कर दोनों महाविद्यालयों को शिक्षण सत्र 2024-25 की प्रवेश काउंसिलिंग प्रक्रिया में सम्मिलित करने के निर्देश दिये गये।

मान. उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा पारित अंतरिम आदेशों के विरुद्ध भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग द्वारा मान. सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के समक्ष विशेष अनुमति याचिका (एस.एल.पी.) दायर की गई। जिसमें मान. सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्णय दिनांक 30.09.2024 पारित कर मान. उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा जारी अंतरिम आदेशों को खारिज कर दिया गया है. जिसके फलस्वरूप वीणा वादिनी आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल एवं राजीव गांधी आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल को काउंसिलिंग प्रक्रिया से पृथक कर दिया गया है।

आयुक्त द्वारा अनुमोदित

प्र. उप-संचालक

जी-17402/50147/2024 **संचालनालय आयुष म.प्र.**

BGI BANSAL GROUP OF INSTITUTES BHOPAL | INDORE | MANDIDEEP

S.D. BANSAL COLLEGE

SD Bansal College of Technology/SD Bansal College of Engineering
Umaria, Near Rau-Mhow, A.B.Road, Indore-453 331 (M.P)

APPOINTMENTS

(Under College Code-28, DAVV, Indore)

POST:
PROFESSOR/ASSOCIATE/ASSISTANT PROFESSOR
(MBA/BBA-FT Program)

(Under College Code-30 RGPV, Bhopal)

POST:
PROFESSOR/ ASSOCIATE/ ASSISTANT PROFESSOR
(For CSE, IT, ECE, ME, CE, Physics, Chemistry, Maths & English)
Qualification & Salary: As per AICTE Norms

OTHERS
Administrative Officer/Transport In-charge/Librarian/Technician (CSE/ ME/ CE/ ECE/ Physics/ Chemistry)/ Welder/ Counselors/Telecallers

Apply giving full details of Qualifications & Experience. Last Date of receiving application by post or e-mail within 15 days. Email id: **hr@sdbc.ac.in,** Contact No.: **97703 47016**

deepak

R-50156/2024

जनसंपर्क संचालनालय, मध्यप्रदेश शासन

दूरभाष क्रमांक - 0755-4096300, ई-मेल - dpradmin@mp.gov.in

क्रमांक ए-14/2024/जसंसं/स्था **दिनांक 2024**

अंतिम सूचना

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा आयोजित समूह-2 उप समूह-4 संयुक्त भर्ती परीक्षा-2022 के माध्यम से जनसंपर्क विभाग में सहायक जनसंपर्क अधिकारी (तृतीय श्रेणी) के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों को अभिलेखों के भौतिक सत्यापन के लिए जनसंपर्क संचालनालय, भोपाल के पत्र दिनांक 19.09.2024 द्वारा दिनांक 23, 24 एवं 25 सितम्बर 2024 को बुलाया गया था।

निर्धारित दिनांक में अनुपस्थित रहे तथा कुछ ऐसे अभ्यर्थियों द्वारा अभिलेखों के भौतिक सत्यापन (मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से पत्रकारिता में डिग्री या 01 वर्षीय डिप्लोमा का प्रमाण पत्र) के लिए अतिरिक्त समय चाहा गया था। इन सभी अभ्यर्थियों को इस सूचना के माध्यम से अंतिम अवसर देकर सूचित किया जाता है, कि सभी अभ्यर्थी 05 कार्यालयीन दिवसों में जनसंपर्क संचालनालय, भोपाल में अपेक्षित मूल अभिलेखों सहित उपस्थित होना सुनिश्चित करें। अनुपस्थिति की स्थिति में सहायक जनसम्पर्क अधिकारी के पद पर नियुक्ति हेतु भविष्य में इनका कोई भी दावा/ आपत्ति मान्य नहीं होगा।

जी-17411/50148/2024 **आयुक्त जनसंपर्क**

कार्यालय, अधीक्षण यंत्री,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सागर मण्डल सागर (म.प्र.)

दूरभाष नं. कार्यालय : 07582-228042 ईमेल- seressagar@mp.gov.in

क्रमांक/1378/निविदा/ग्रा.यां.से./2024 **सागर, दिनांक : 04.10.2024**

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 02 एवं 03/2024-25

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से Covers 2/3 (दो/तीन लिफाफा पद्धति) के आधार पर ऑनलाइन प्रतिशत दर निविदा प्रपत्र एपेंडिक्स 2.10 अनुसार निविदायें लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन प्रणाली में सिविल श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है :-

क्र.	ग्रायांसे संभाग	टेण्डर आई.डी. नंबर	कार्य का नाम	निविदा लागत (पी.ए.सी.) (रु.लाख में)	निविदा आमंत्रण का क्रम	Covers
1	2	3	4	5	6	7
1	छतरपुर	2024_RES_373303_1	पैकेज क्रमांक छतरपुर 0928 (1. ग्राम दिवलीपुरवा से दिवलीदाई माता मंदिर होते हुए ग्राम पंचायत मुख्यालय सिमरिया जोड़ना 1.50 कि.मी., 2. ग्राम दिवलीपुरवा से चंदला सरवई मुख्य मार्ग पर माता बलिहारी दाई तक जोड़ना 800 मीटर) जनपद पंचायत लवकुश नगर	93.89	प्रथम	तीन लिफाफा
2	छतरपुर	2024_RES_373304_1	पैकेज क्रमांक छतरपुर 0929 (ग्राम हिम्मतपुर से ग्राम सिंहपुर मार्ग को जोड़ना 3 कि.मी. ग्राम पंचायत सिमरिया एवं सिंहपुर जनपद पंचायत लवकुश नगर एवं गौरीहार	122.45		
3	पन्ना	2024_RES_373301_1	ग्राम पंचायत सरहंजा ग्राम उड़की में उड़की से देवरी मार्ग नदी में रिपटा निर्माण वि.ख. गुन्नौर	38.60	प्रथम	दो लिफाफा
		योग		**254.94**		

कुल योग राशि रु. 254.94 (रु. दो करोड़ चौवन लाख चौरानवें हजार मात्र)

उपरोक्त निविदाओं के निविदा प्रपत्र (टेंडर डाक्यूमेंट), वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर ऑनलाइन भुगतान कर क्रय किये जा सकेंगे। अमानत राशि (EMD) ऑनलाइन (**As per Tender website link Bank/Online) जमा ही मान्य की जावेगी। अमानत राशि ऑफलाइन मान्य नहीं की जावेगी।**

निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने की **दिनांक 08.10.2024 से प्रारंभ होकर दिनांक 23.10.2024 समय 5.30 बजे तक** निर्धारित है। निविदा कवर 'अ' (Cover-1) 'ब' (Cover-2) एवं 'स' (Cover-3) ऑनलाइन ही जमा/अपलोड (Submit) करने होंगे। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। संशोधन की सूचना अलग से प्रकाशित नहीं की जावेगी, केवल वेबसाइट पर ही अपलोड की जावेगी।

अधीक्षण यंत्री

जी-17398/50146/2024 **ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सागर मण्डल, सागर**

कार्यालय नगर परिषद आलमपुर, जिला भिण्ड (म.प्र.)

क्रमांक/स्था./2024/भर्ती/856 **आलमपुर, दिनांक : 04.10.2024**

विज्ञापन

माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर की रिट याचिका क्रमांक 7275/2019 में पारित आदेश दिनांक 30.01.2024, म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-19/2019/आ.प्र./1 दिनांक 14.02.2024, म.प्र. शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के पत्र क्रमांक/676/16017123/2023/18-1 दिनांक 16.02.2023, संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, म.प्र., भोपाल के पत्र क्रमांक/स्था/एक/201/प्र.शि./2024/3780 भोपाल दिनांक 26.02.2024 तथा मध्यप्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, के पत्र क्रमांक एफ 8-2/2013/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 04.01.2024 एवं अन्य पत्रों में दिये गये निर्देशानुसार विशेष भर्ती अभियान के तहत आरक्षित पद/पदों की पूर्ति वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से की जाना है। इस हेतु निर्धारित योग्यता एवं अर्हता रखने वाले अभ्यर्थी नीचे दर्शाये गये निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र भरकर **दिनांक 21.10.2024** को कार्यालयीन **समय 06.00 बजे** सायंकाल तक आवेदन-पत्र प्रेषित करें। निर्धारित समयावधि में आवेदन पत्र प्राप्त ना होने की स्थिति में उन पर विचार नहीं किया जायेगा। डाक के माध्यम से विलंब से प्राप्त आवेदन पत्र के लिये निकाय/कार्यालय उत्तरदायी नहीं होगा। दिव्यांगजनों हेतु आरक्षित रिक्त पदों का विवरण, वेतनमान, निर्धारित योग्यता एवं वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए निर्धारित तिथि की जानकारी निम्नानुसार है :– **संविदा पद**

क्र.	पद का नाम	पद की श्रेणी	वेतनमान	दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित वर्गवार रिक्तियां				निर्धारित योग्यता	वॉक-इन-इंटरव्यू हेतु निर्धारित तिथि
				दृष्टि बाधित और कम दृष्टि	बहरे और कम सुनने वाले	लोकोमोटर डिसेबिलिटी जिसमें सम्मिलित है, सेरेब्रल पाल्सी, कुष्ठ रोग मुक्त बौनापन, एसिड अटैक, पीड़ित, मस्कुलर डिस्ट्राफी	ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता, स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहुविकलांगता		
1.	जनसेवक (सफाई कर्मचारी)	चतुर्थ	8000 अथवा प्रचलित कलेक्टर दर अनुसार अकुशल श्रेणी की निर्धारित मासिक राशि	00	00	01	00	05वीं उत्तीर्ण	-

मुख्य शर्तें :–

1. आवेदक को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है।
2. समस्त प्रमाण पत्रों को सक्षम अधिकारी अथवा स्वयं सत्यापित करने उपरांत प्रमाण पत्रों की प्रति संलग्न प्रेषित की जावें।
3. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय के परिपत्र क्रमांक सी 3-38/16/1/3 भोपाल, दिनांक 04 जुलाई 2019 अनुसार अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिकत 40 वर्ष, आरक्षित वर्ग-अनु.जा., अनु.जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारियों/नगर सैनिक/निःशक्तजन/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित) आदि के लिए 18 से 45 (अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट) होगी।
4. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश क्रमांक सी-3-8/2016/3-एक भोपाल दिनांक 12 मई 2017 एवं परिपत्र क्रमांक सी-3-38/16/1/3 भोपाल, दिनांक 04 जुलाई 2019 अनुसार के अनुसार आवेदक का मध्यप्रदेश राज्य के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।
5. पदों के लिये निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता में प्राप्तांकों के आधार पर प्रवीण्य सूची तैयार की जावेगी तथा प्रवीण्य सूची के आधार पर अभ्यर्थियों का चयन किया जावेगा।
6. आवेदक को वॉक-इन-इंटरव्यू/साक्षात्कार के समय सभी प्रमाण पत्रों की मूल प्रति साथ लेकर आना अनिवार्य है।
7. दिव्यांगता के डिजिटल प्रमाण पत्र की अनिवार्यता दिनांक 01.06.2021 से लागू की गई है। अतः उक्त तिथि के पूर्व जारी मेन्यूअल दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी मान्य होगा।
8. शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्थाओं/कार्यालयों में कार्यरत आवेदनकर्ता अपना आवेदन पत्र नियुक्तिकर्ता अधिकारी के माध्यम से प्रेषित करेंगे, सीधे आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा।
9. डिजिटल जाति मूल निवासी प्रमाण-पत्र/जाति प्रमाण-पत्र एवं सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया ही मान्य होगा।
10. वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए आने वाले आवेदकों को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।
11. अधूरे, अस्पष्ट एवं अपठनीय आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।
12. आवेदक को इस विज्ञापन के साथ संलग्न निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा। आवेदन पत्र ए-4 साइज पेपर पर होना चाहिये जिसके निर्धारित स्थान पर आवेदक के हस्ताक्षर हो तथा निर्धारित स्थान पर आवेदक का नवीनतम, पासपोर्ट साइज का रंगीन फोटोग्राफ होना चाहिये।
13. आवेदक लिफाफे पर अपना पूरा नाम एवं पता जैसा उसने अपने आवेदन में लिखा है स्पष्ट लिखना होगा तथा लिफाफे के ऊपर आवेदित पद का नाम लिखना होगा।
14. भर्ती से संबंधित जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन समय में निकाय से प्राप्त की जा सकती है।
15. निर्धारित समयावधि में आवेदन पत्र प्राप्त न होने की स्थिति में उन पर विचार नहीं किया जायेगा। डाक के माध्यम से इन निकाय में विलंब से प्राप्त आवेदन पत्र के लिए निकाय/कार्यालय उत्तरदायी नहीं होगा। उपरोक्त के लिये निकाय अभ्यर्थी को लिखित जानकारी दिये जाने के लिये उत्तरदायी नहीं होगा।
16. यह कि जिस आवेदक का विवाह निर्धारित न्यूनतम आयु (पुरुष वर्ग के लिए 21 वर्ष एवं महिला वर्ग के लिए 18 वर्ष) के पूर्व हो गया हो उसे उक्त पदों के लिए अयोग्य माना जायेगा।
17. यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं आवेदक की होगी कि वह आवेदित पद के लिये निर्धारित समस्त अर्हताओं और शर्तों को आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक पूर्ण करता है।
18. आवेदन-पत्र में कोई जानकारी अपूर्ण, असत्य या त्रुटिपूर्ण पायी जाती है अथवा वांछित प्रमाण-पत्र संलग्न नहीं किया जाता है, तो उसके आधार पर आवेदक को पूर्व सूचना दिये बिना उसका आवेदन पत्र किसी भी स्तर पर निरस्त किया जा सकता है।
19. सीधी भर्ती के पदों पर आवेदक राष्ट्रीय पेंशन योजना, 2005 अंतर्गत नियुक्त होंगे।
20. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र दिनांक 30.06.2014 के अनुसार वर्गवार आरक्षण न करते हुए दिव्यांगजनों की श्रेणी के आधार पर आरक्षण किये जाने से विशेष पिछड़ी जनजातियों (सहारिया/सहरिया, भारिया एवं बैगा) महिलाओं एवं भूतपूर्व सैनिक श्रेणी के आवेदकों को पृथक से आरक्षण का लाभ प्राप्त नहीं होगा।
21. ऐसे समस्त आवेदन पत्र जो अपूर्ण है एवं विहित प्रारूप में नहीं है वे निरस्त कर दिये जायेंगे। अभिलेखों को कूटरचित किया हो या ऐसे अभिलेख प्रस्तुत किये गये हों जो रूपांतरित किये गये हों वे भी निरस्त कर दिए जाएंगे। साथ ही ऐसे विवरण दिये गए हों, जिसमें ऐसी तात्विक जानकारी छिपाई गई हो, जो चयन के लिए आवश्यक हो, तो ऐसे आवेदन पत्र भी निरस्त कर दिए जाएंगे।
22. दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों के विरुद्ध चयनित होने वाले अभ्यर्थियों का उनके लिये जिला स्तर पर गठित मेडिकल बोर्ड से मेडिकल परीक्षण कराकर यह सुनिश्चित होने के पश्चात ही कि वे वास्तव में विकलांग है यह जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रमाणित किये जाने के उपरांत ही नियुक्ति आदेश जारी किये जायेंगे।
23. यह कि दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों के विरुद्ध चयनित होने वाले अभ्यर्थियों के निःशक्तता का प्रतिशम 40 प्रतिशत या अधिक पाए जाने पर ही कार्यभार ग्रहण कराया जाएगा।
24. शासन के आदेश के अनुसार, कोई भी अभ्यर्थी जिसके 02 से अधिक जीवित संताने हैं, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात हुआ है तो ऐसा अभ्यर्थी नियुक्ति हेतु पात्र नहीं होगा, लेकिन यदि एक बच्चा जीवित है और बाद में प्रसव में दो या अधिक संतानें जन्म लेती हैं तो उसे अयोग्य नहीं माना जावेगा।
25. दिव्यांजनों हेतु चिन्हांकित संविदा के पदों पर भर्ती संबंधी कार्यवाही मध्यप्रदेश नगरपालिका संविदा (अनुबंध तथा सेवा की शर्तें) सेवा, नियम 2021 में विहित प्रावधानुसार की जावेंगी।
26. नियुक्ति से संबंधित सभी अधिकार नियुक्ति प्राधिकारी के पास सुरक्षित होंगे।
27. उपरोक्त विज्ञापन का अवलोकन एवं आवेदन के प्रारूप विभागीय वेबसाइट **www.mpurban.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है।

(संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास ग्वालियर/चम्बल संभाग ग्वालियर द्वारा अनुमोदित)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद आलमपुर, जिला भिण्ड

कार्यालय कलेक्टर (सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण) जिला बुरहानपुर

ई-मेल-ddsw bpr@rediffmail.com

क्रमांक/स्था./जि.वि.पुन. के/2024/893 **बुरहानपुर, दिनांक : 03.10.2024**

विज्ञप्ति

भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा जिला बुरहानपुर जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र के संचालन हेतु विभिन्न पद स्वीकृत किये गये हैं इन पदों पर आयुक्त मध्यप्रदेश शासन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग मंत्रालय भोपाल के पत्र क्रमांक/दि.सश-2/एफ 173/2024-25/2941 भोपाल दिनांक 30.08.2024 के क्रम में प्रदत निर्देशों के पालन में दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र जिला बुरहानपुर में निम्नानुसार रिक्त पदों पर एक वर्षीय संविदा नियुक्ति की पदपूर्ति हेतु नवीन आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं :-

क्र.	पदनाम	पद सं.	विज्ञप्ति में वांछित योग्यताएं	स्वीकृत मानदेय
1	एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर	01	स्नात्कोत्तर एवं दिव्यांगता के क्षेत्र में 05 वर्ष का अनुभव	18000
2	सीनियर प्रोस्थेटिस्ट/ऑर्थोटिस्ट	01	आरसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी संस्थान से प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स (बीपीओ) में स्नातक	20500
3	प्रोस्थेटिस्ट/ऑर्थोटिस्ट (टेक्नीशियन)	01	पी एंड ओ में डिप्लोमा या 03 साल के अनुभव के साथ पी एंड ओ में प्रमाण पत्र	14500
4	मोबिलिटी इन्ट्रक्टर	01	दसवीं गतिशीलता में सर्टिफिकेट/डिप्लोमा पात्रताः अधिमानत गतिशीलता विज्ञान में स्नातक (बी.एम.एससी.) या दृष्टि बाधिता में डी.एड. विशेष शिक्षा/बी.एड. विशेष शिक्षा	14500
5	हियरिंग असिस्टेंट जूनियर स्पीच थेरापिस्ट (ईयर मोल्ड टेक्नीशियन)	01	श्रवणयंत्री की जानकारी/मरम्मत/कर्ण मोल्ड बनाने के साथ वाक एवं श्रवण में डिप्लोमा। स्पीच एंड हियरिंग तकनीशियन हियरिंग लैंग्वेज और स्पीच में डिप्लोमा (डीएचएलएस)/ईयर मोल्ड तकनीशियन हियरिंग एंड रिपेयर और ईयरमोल्ड प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा (डीएचएआरईएमटी)	14500
6	केयर गिवर	01	सीसीसीजी/आरसीआई सी सीसीजी/राष्ट्रीय न्यास या कक्षा VIII उत्तीर्ण जिसमें दिव्यांगजनों की देखभाल में 3 साल का अनुभव हो।	6250
7	प्रारंभिक उपचार थैरपिस्ट	01	पीजीडीडीटी/पीजीडीईआई/बीएमआर/बीआरएससी/बीआरटी/एमआरएससी/एमएससीई. आई	14500
8	टांस डिसिल्पिनरी विशेष शिक्षक (एच.आई.)	01	श्रवण बाधिता में डीईडीएसई / बीईडीएसई	14500

नियुक्ति की प्रक्रिया जिला प्रबंधन समिति द्वारा नियुक्त समिति द्वारा मेरिट एवं अनुभव के अंकों की गणना के आधार पर दस्तावेज सत्यापन कर की जायेगी। दो आवेदकों के समान अंक प्रतिशत होने पर अधिक आयु वाले आवेदक को वरियता प्रदान की जायेगी। आवेदन पत्र जमा करने की **अंतिम तिथि 21 अक्टूबर 2024 सोमवार है। उक्त दिनांक तक आवेदन पत्र कार्यालय कलेक्टर (सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण कमरा नंबर 29) में सायं 5:00 बजे तक** स्वयं अथवा डाक से जमा किये जा सकते हैं। दिनांक 21 अक्टूबर 2024 सोमवार को निर्धारित समय के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों में विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव
जिला दिव्यांग कल्याण तथा विकास समिति, जिला बुरहानपुर एवं
उप संचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण

जी-17387/50145/2024 **जिला बुरहानपुर**

कार्यालय नगर परिषद आलमपुर, जिला भिण्ड (म.प्र.)

आवेदन का प्रारूप

आवेदित पद का नाम .....

प्रति,
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद आलमपुर,
जिला भिण्ड (म.प्र.)

स्व-प्रमाणित पासपोर्ट साइज का फोटो चस्पा करें

1. आवेदक/आवेदिका का पूरा नाम .....
2. आवेदक/आवेदिका के पिता/पति का नाम .....
3. आवेदक/आवेदिका की माता का नाम .....
4. आवेदक/आवेदिका की जन्मतिथि (जन्म प्रमाण पत्र/हाईस्कूल की अंकसूची अनुसार)
   वर्ष.....माह.....दिन.....
5. दिनांक 01.01.2024 को आयु वर्ष.....माह.....दिन.....
6. आवेदक/आवेदिका का लिंग (पुरुष/महिला/अन्य) .....
7. निःशक्तता का डिजिटल प्रमाण पत्र संबंधित जिले के शासकीय जिला चिकित्सालय के मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी (हां/नहीं) .....
8. दिव्यांगता की श्रेणी एवं दिव्यांगता का प्रतिशत .....
9. आवेदक/आवेदिका की जाति .....
10. आवेदक/आवेदिका का यदि विवाहित हो तो विवाह पंजीयन पत्र अनुसार विवाह की दिनांक .....
11. जीवित संतानों का विवरण .....
12. वर्तमान पता/पिन कोड .....
13. स्थाई पता/पिन कोड .....
14. पत्राचार का पता/पिन कोड .....
15. रोज़गार कार्यालय का जीवित पंजीयन क्रमांक एवं रोज़गार कार्यालय का नाम .....
16. संविदा पद हेतु अनुभव का विवरण .....
17. शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यताएं (प्रमाण-पत्रों की स्व-प्रमाणित छायाप्रतियां संलग्न करें)

क्र.	परीक्षा का नाम	संस्था बोर्ड/विश्वविद्यालय का नाम	विषय	कुल अंक	प्राप्त अंक	प्रतिशत	श्रेणी

18. अनुभव यदि हो तो उसका विवरण .....
19. अतिरिक्त विशेष योग्यता यदि हो तो उसका विवरण .....
20. ई-मेल आई.डी. .....
21. मोबाइल नंबर 1. ..... 2. .....

आवेदक के हस्ताक्षर एवं पता

घोषणा पत्र

''मैं घोषणा करता हूं/करती हूं कि उपरोक्त सभी जानकारी जो मेरे द्वारा दी गई है। यह मेरे विवेक एवं ज्ञान से पूर्णतः सत्य है। कोई भी जानकारी असत्य पाई जाने पर मेरा आवेदन निरस्त किया जावे।''

आर-50149/2024 **आवेदक के हस्ताक्षर**

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन
प्लाट नं.- 27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं. - 13/2024/निविदा/सा/मु.अ.भ./ **भोपाल, दिनांक : 30.09.2024**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :–

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. आगर मालवा जिले में जोनल निविदा अंतर्गत शेष कार्य, पी.जी. अंतर्गत सुधार कार्य एवं अन्य कार्य। द्वितीय आमंत्रण

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2024_PWPIU_373981_1	आगर मालवा	97.78	97778	10000	12 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. शासकीय महाविद्यालय नरेला डिग्री कॉलेज की बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण कार्य।					
2024_PWPIU_374418_1	भोपाल	49.37	50000	5000	06 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. पत्रकार कॉलोनी ओल्ड ऐज होम में सोलर प्लाट लगाने के कार्य।					
2024_PWPIU_374421_1	भोपाल	44.85	50000	5000	06 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. नवीन हाईस्कूल भवन निर्माण कार्य टेमलाबाढ़ी जिला हरदा।					
2024_PWPIU_373490_1	हरदा	122.58	122580	12500	12 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. विधी महाविद्यालय हरदा जिला हरदा का निर्माण कार्य।					
2024_PWPIU_373573_1	हरदा	753.00	753000	20000	18 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 30.09.2024 समय 10.30 से **दिनांक 15.10.2024** समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता (भवन)
जी-17273/50139/2024 **लोक निर्माण विभाग भोपाल**

कार्यालय उपसंचालक
पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय म.प्र. उत्तरी क्षेत्र, ग्वालियर

क्रमांक 623/अनु./नि./24 **दिनांक : 03.10.2024**

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों के लिये म.प्र. लो.नि.वि. की केन्द्रीयकृत पंजीकरण प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों एवं पंजीयन के मानदण्ड योग्य प्रतिष्ठित संस्थाओं से ऑनलाइन प्रतिशत दर निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

क्र.	कार्य का नाम	जिला	अनुमानित राशि	कार्यावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1.	राज्य संरक्षित स्मारक किला भिण्ड का अनुरक्षण कार्य।	भिण्ड	रु. 78,45,905/- (रु. अड़हत्तर लाख पैंतालीस हजार नौ सौ पांच मात्र)	08 माह (वर्षाकाल छोड़कर)	10,000/-
2.	राज्य संरक्षित स्मारक गोहद का किला, गोहद का अनुरक्षण कार्य।	भिण्ड	रु. 75,39,528/- (रु. पचहत्तर लाख उनतालीस हजार पांच सौ अट्ठाइस मात्र)	08 माह (वर्षाकाल छोड़कर)	10,000/-
3.	राज्य संरक्षित स्मारक शिव मंदिर, डांग का अनुरक्षण एवं विकास कार्य।	भिण्ड	रु. 7,57,206/- (रु. सात लाख सत्तावन हजार दो सौ छैः मात्र)	02 माह (वर्षाकाल छोड़कर)	2,000/-
4.	राज्य संरक्षित स्मारक शिव मंदिर एवं देवी मंदिर, सीताराम की लावन का अनुरक्षण एवं विकास कार्य।	भिण्ड	रु. 28,98,080/- (रु. अट्ठाइस लाख अट्ठानवे हजार अस्सी मात्र)	03 माह (वर्षाकाल छोड़कर)	5,000/-
5.	राज्य संरक्षित स्मारक सूर्य मंदिर ऊमरी का अनुरक्षण एवं विकास कार्य।	टीकमगढ़	रु. 43,04,124/- (रु. तैंतालीस लाख चार हजार एक सौ चौबीस मात्र)	04 माह (वर्षाकाल छोड़कर)	5,000/-
6.	राज्य संरक्षित स्मारक आस्तौन की गढ़ी, आस्तौन का अनुरक्षण एवं विकास कार्य।	टीकमगढ़	रु. 62,23,611/- (रु. बासठ लाख तेईस हजार छः सौ ग्यारह मात्र)	04 माह (वर्षाकाल छोड़कर)	10,000/-
7.	राज्य संरक्षित स्मारक विष्णु मंदिर, ऐंती का अनुरक्षण एवं विकास कार्य।	मुरैना	रु. 16,53,988/- (रु. सोलह लाख तिरेपन हजार नौ सौ अट्ठासी मात्र)	02 माह (वर्षाकाल छोड़कर)	2,000/-
8.	राज्य संरक्षित स्मारक लोहगढ़ की गढ़ी, लोहगढ़ का अनुरक्षण एवं विकास कार्य।	ग्वालियर	रु. 81,93,612/- (रु. इक्यासी लाख तिरानवे हजार छः सौ बारह मात्र)	08 माह (वर्षाकाल छोड़कर)	10,000/-
9.	राज्य संरक्षित स्मारक सवाई सिंह का मकबरा, मऊसहानिया का अनुरक्षण कार्य।	छतरपुर	रु. 75,47,792/- (रु. पचहत्तर लाख सैंतालीस हजार सात सौ बानवे मात्र)	08 माह (वर्षाकाल छोड़कर)	10,000/-
10.	राज्य संरक्षित स्मारक बेरछा रानी का मकबरा, महेबा का अनुरक्षण एवं विकास कार्य।	छतरपुर	रु. 84,33,191/- (रु. चौरासी लाख तैंतीस हजार एक सौ इक्यानवे मात्र)	08 माह (वर्षाकाल छोड़कर)	10,000/-

1. इच्छुक निविदाकर्ता **http://mptenders.gov.in** वेबसाइट पर विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना देख सकते हैं।
2. निविदा प्रपत्र केवल दि. 07.10.2024 को सुबह 10.30 से **22.10.2024** को सायं 5.00 बजे तक ऑनलाइन क्रय किये जा सकते है।
3. निविदा आमंत्रण सूचना में किसी प्रकार का संशोधन केवल वेबसाइट पर किया जावेगा, समाचार पत्रों में नहीं।

उपसंचालक
जी-17285/50140/2024 **पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय म.प्र. उत्तरी क्षेत्र ग्वालियर**

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर

AN ISO 9001:2015 CERTIFIED OFFICE
इंदिरा गांधी मार्ग, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर (म.प्र.) पिन-482001
Phone No. : 0761-262541, E-mail : cepwdcentral@mp.nic.in

निविदा सूचना क्रमांक-02/सा/2024-25 **जबलपुर, दिनांक : 03.10.2024**

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के मार्फत निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 01. विशेष मजबूतीकरण मद के अंतर्गत पुराना एन.एच.-12 का शहरी भाग (चटुआमार बायपास से पद्मी चौक) मार्ग में व्हाइट टॉपिंग कार्य लंबाई 16.87 कि.मी. कार्य।

टेण्डर आई.डी.	जिला/ संभाग	आमंत्रण	ठेके की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र राशि	समयावधि
2024_ PWDRB_ 373747_1	मण्डला	प्रथम	2705.75 लाख	13,53,000/-	50,000/-	24 माह वर्षाऋतु सहित

टीप :– निविदा का विस्तृत विवरण (टेण्डर डाक्यूमेंट) म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की अंतिम तिथि 11.11.2024 समय 5.30 PM तक है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता, लो.नि.वि.
जी-17299/50141/2024 **जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, धार

फोन :– 07292-222342, (An ISO9001:2015 Certified office)
eepheddha@mp.nic.in

नि.सू.क्र./04/2024-25 **धार, दिनांक : 3.10.2024**

निविदा सूचना

निम्न निविदा संबंधी विवरण की विस्तृत जानकारी **https://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। ऑनलाइन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि दिनांक 16.10.2024 शाम 5.30 बजे तक निर्धारित है। उपरोक्त निविदा में भविष्य में किये जाने वाले समस्त संशोधनों को समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं की जावेगी। उक्त संशोधन केवल वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर ही प्रकाशित किये जावेंगे।

नि.सू. क्र.	टेण्डर आई.डी. क्र.	कार्य का नाम	कार्य की कुल अनुमा. लागत (रु. लाख में)	कार्य पूर्णता की अवधि	निविदा आमंत्रण
04/2024-25	2024_PHED_ 373745	नालछा विकासखण्ड की 57 बसाहटों हेतु मान जलाशय आधारित पेयजल योजना के 03 वर्ष के संचालन एवं संधारण कार्य।	189.91	36 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम

कार्यपालन यंत्री
जी-17221/50137/2024 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, धार**

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग इंदौर, परिक्षेत्र इंदौर
गायत्री मंदिर के पास, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.)

ईमेल : cepwdwest@mp.nic.in, दूरभाष : 0731-2491825

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 03/सा/40/निविदा/2024-25 **इंदौर, दिनांक : 03.10.2024**

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा तीन लिफाफा पद्धति में आमंत्रित की जाती है, उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है :–

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. शाहपुर से धामनगांव रोड़ लं. 7.50 कि.मी. और बुरहानपुर रेलवे फीडर (4-लेन) रोड़ लं. 4.00 कि.मी. पर व्हाइट टॉपिंग के द्वारा निर्माण कार्य कुल लं. 11.50 कि.मी.।

पोर्टल क्रमांक	जिला	अनुमानित राशि रु. लाख में	अमानत राशि रु. में	निविदा प्रपत्र की राशि रु. में	कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि
2024_PWDRB_373865_1	बुरहानपुर	2306.60	1153300/-	50000/-	03 माह वर्षाकाल सहित।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. पुराना एन.एच. 3 ए.बी. रोड, राजीव गांधी चौराहा से राउ रोटरी (6-लेन) तक लंबाई 1.3 कि.मी., पालदा से नायता मुण्डला मार्ग लंबाई 3.80 कि.मी. और पुराना एन.एच. 3 ए.बी. रोड, रुचि सोया से बायपास मार्ग लंबाई 2.25 कि.मी.। व्हाइट टॉपिंग के द्वारा निर्माण कार्य। कुल लंबाई 7.38 कि.मी.।					
2024_PWDRB_373866_1	इंदौर	1662.19	1000000/-	30000/-	03 माह वर्षाकाल सहित।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. जूनी इंदौर लाइन मार्ग पर तौल काटा से किशोर कुमार समाधि स्थल तक (इंदौर नाका) मार्ग पर व्हाइट टॉपिंग के द्वारा निर्माण कार्य। कुल लंबाई 2.10 कि.मी.।					
2024_PWDRB_373867_1	खण्डवा	766.37	766370/-	20000/-	02 माह वर्षाकाल सहित।
		महायोग -	**4735.16 लाख**		

निविदा प्रपत्र उपरोक्त दर्शित वेबसाइट से निविदा का निर्धारित मूल्य ऑनलाइन भुगतान कर क्रय किए जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि दिनांक 14.10.2024 समय 17.30 तक** निर्धारित है। निविदा की विस्तृत शर्तें एवं नियम उपरोक्त दर्शित पोर्टल पर देखी जा सकती है। निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन, यदि हो तो उसे समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जाकर केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जाएगा। सभी दस्तावेज केवल ऑनलाइन वेबसाइट पर ही प्रस्तुत करें। भौतिक रूप से कोई भी दस्तावेज इस कार्यालय में न भेजे जाए।

जी- 17303/50143/2024 **मुख्य अभियंता, लो.नि.वि. इंदौर, परिक्षेत्र इंदौर**

कॅरियर की राहें

शोध और नवाचार में कॅरियर के बढ़ते अवसर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुए आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

इन दिनों दुनियाभर में यह रेखांकित हो रहा है कि भारत की नई प्रतिभाशाली पीढ़ी के लिए शोध और नवाचार (रिसर्च एंड इनोवेशन) के क्षेत्र में कॅरियर के अवसर देश ही नहीं दुनिया के कोने-कोने में तेजी से बढ़ रहे हैं। शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में कॅरियर के मौके केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्टूडेंट्स के लिए सीमित नहीं हैं, वरन प्रबंध, वाणिज्य और मानवीय विषयों के स्टूडेंट्स के लिए भी विस्तारित हैं। शोध एवं अनुसंधान में कॅरियर उन लोगों के लिए एकदम उपयुक्त है जो किसी विशेष क्षेत्र में गहराई से अध्ययन करने, अज्ञात क्षेत्रों का अध्ययन करने तथा अध्ययन के क्षेत्र के विकास के लिए अपना कार्य समर्पित करने में रुचि और लक्ष्य रखते हैं।

शोध और नवाचार में भारत की बढ़ती रैंकिंग से बढ़े अवसर

हाल ही में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) द्वारा प्रकाशित ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) 2024 की रैंकिंग में 133 अर्थव्यवस्थाओं में भारत ने 39वां स्थान हासिल किया है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि जो भारत जीआईआई रैंकिंग में 2015 में 81वें स्थान पर था, अब वह 39वें स्थान पर पहुंच गया है। जीआईआई रैंकिंग में भारत की प्रगति दुनियाभर में रेखांकित हो रही है। इस ऊंची रैंकिंग को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के वाइब्रेंट इनोवेटिव इकोसिस्टम की उपलब्धि बताया है। गौरतलब है कि जीआईआई 2024 के तहत भारत निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में पहले स्थान पर है भारत मध्य और दक्षिणी एशिया क्षेत्र की 10 अर्थव्यवस्थाओं में पहले स्थान पर है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एसएंडटी) क्लस्टर रैंकिंग में चौथे स्थान पर है। भारत के प्रमुख शहर मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई दुनिया के शीर्ष 100 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्लस्टरों में सूचीबद्ध हैं और भारत अमूर्त संपत्ति तीव्रता में वैश्विक स्तर पर सातवें स्थान पर है। जीआईआई 2024 के अनुसार, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, अमेरिका, सिंगापुर और यूके दुनिया की सबसे अधिक नवोन्मेषी अर्थव्यवस्थाएं हैं, जबकि चीन, तुर्की, भारत, वियतनाम और फिलीपींस पिछले एक दशक में सबसे तेजी से ऊपर आने वाले देश हैं।

कम्प्यूटर, कृषि, शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों के तहत शोध में कॅरियर

नि:संदेह शोध एवं नवाचार तथा बौद्धिक सम्पदा की दुनिया में भारत की रैंकिंग यह दर्शा रही है कि भारत इनोवेशन का हब बनता जा रहा है। भारत में शोध एवं नवाचार को बढ़ाने में डिजिटल ढांचे और डिजिटल सुविधाओं की भी अहम भूमिका है। भारत आइटी सेवा निर्यात और वेंचर कैपिटल हासिल करने के मामले में लगातार आगे बढ़ रहा है। प्रबंधन और वाणिज्य तथा विज्ञान और इंजीनियरिंग ग्रेजुएट तैयार करने में भी भारत दुनिया में आगे है। भारत के उद्योग-कारोबार तेजी से समय के साथ आधुनिक हो रहे हैं।

सुपर कम्प्यूटिंग और ग्लोबल इन हाउस सेंटरों में वैश्विक अवसर

निश्चित रूप से शोध एवं नवाचार के मद्देनजर भारत ने कारोबारी विशेषज्ञता, रचनात्मकता, राजनीतिक और संचालन से जुड़ी स्थिरता, सरकार की प्रभावशीलता जैसे विविध क्षेत्रों में अच्छे सुधार किए हैं। साथ ही भारत में घरेलू कारोबार में सरलता, विदेशी निवेश, जैसे मानकों में भी बड़ा सुधार दिखाई दिया है। भारत की शोध एवं नवाचार ऊंचाई में अपार ज्ञान पूंजी, स्टार्ट-अप और यूनिकॉर्न, पेटेंट वृद्धि, घरेलू उद्योग विविधीकरण, हाइटेक विनिर्माण और सार्वजनिक और निजी अनुसंधान संगठनों द्वारा किए गए प्रभावी कार्यों के साथ-साथ अटल इनोवेशन मिशन ने भी अहम भूमिका निभाई है। भारत बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में 26 सितम्बर को राष्ट्रीय सुपरकम्प्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के अंतर्गत स्वदेश में विकसित लगभग 130 करोड़ रुपये की लागत के तीन परम रुद्र सुपरकम्प्यूटर राष्ट्र को समर्पित किए।

यह बात महत्वपूर्ण है कि बौद्धिक सम्पदा, शोध एवं नवाचार के बहुआयामी लाभ होते हैं। इनके आधार पर किसी देश में विभिन्न देशों के उद्यमी और कारोबारी अपने उद्योग-कारोबार शुरू करने संबंधी निर्णय लेते हैं। पूरी दुनिया के विभिन्न देशों की सरकारें भी ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स को ध्यान में रखकर अपने वैश्विक उद्योग-कारोबार के रिश्तों के लिए नीति बनाने की राह पर बढ़ती हैं। भारत में इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में शोध एवं विकास और जबरदस्त स्टार्टअप माहौल के चलते अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने ग्लोबल इन हाउस सेंटर (जीआईसी) तेजी से शुरू करते हुए दिखाई दे रही हैं। ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स के तेजी से बढ़ने से भारत में ख्याति प्राप्त वैश्विक फाइनेंस और कॉमर्स कंपनियां अपने कदम तेजी से बढ़ा रही हैं। पूरी दुनिया में मेड इन इंडिया और ब्रांड इंडिया की चमकीली पहचान बन रही है। इससे भारत में प्रतिस्पर्धा का स्तर बढ़ रहा है और रोज़गार के चमकीले अवसर बढ़ रहे हैं। इतना ही नहीं शोध एवं नवाचार बढ़ने से देश में लगातार प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि हो रही है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी सितम्बर 2024 में 700 अरब डॉलर से अधिक की ऊंचाई पर पहुंच गया है।

शोध एवं नवाचार में कॅरियर कैसे बनाएं?

चाहे आपकी रुचि और दक्षता किसी भी क्षेत्र में हो, सभी क्षेत्रों में आप शोध एवं नवाचार में कॅरियर बना सकते हैं। शोध में कॅरियर बनाना आमतौर पर 12वीं के बाद आपके विचार मंथन से शुरू होता है। शोध से संबंधित विषय में स्नातक डिग्री के बाद स्नातकोत्तर और पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ताओं के लिए जरूरी कदम है। यह जरूरी नहीं है कि शोध में कॅरियर हमेशा अकादमिक क्षेत्र में ही हो, यह वैज्ञानिक शोध, वाणिज्यिक और सार्वजनिक क्षेत्र के शोध में भी हो सकता है। इन क्षेत्रों में अकादमिक शोधकर्ता के कौशल और अनुभव की आवश्यकता होती है। शोध एक व्यवस्थित अध्ययन है जिसमें छात्रों को विभिन्न शोध पद्धतियों का उपयोग करके डेटा एकत्र करना, व्यवस्थित करना, विश्लेषण करना और व्याख्या करना होता है। शोध में कॅरियर के लिए अध्ययन के क्षेत्र के प्रति गहन ज्ञान और समर्पण की आवश्यकता होती है। इस क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उम्मीदवारों के पास एक मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि होनी चाहिए, एक स्नातक, एक मास्टर और एक डॉक्टरेट की डिग्री व्यक्ति को इस मार्ग पर चलने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित कर सकती है। बाजार अध्ययन से संबंधित शोध में कॅरियर बनाने के इच्छुक उम्मीदवारों को बड़े व्यापारिक घरानों के तहत इंटर्नशिप करनी लाभप्रद होती है।

शोध एवं नवाचार में कॅरियर के बहुआयामी अवसर

नि:संदेह शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में कॅरियर के अवसर देश ही नहीं दुनिया के विकसित और विकासशील देशों में तेजी से बढ़ रहे हैं। शोध में कॅरियर आपको रोज़गार के विभिन्न क्षेत्रों में ले जा सकता है। ऐसे असीमित क्षेत्र हैं जिनमें शोधकर्ता काम कर सकते हैं। शिक्षण संस्थान, सरकारी शोध संस्थान, औद्योगिक प्रयोगशालाएं, कॉर्पोरेट संस्थान, अस्पताल, बीमा कंपनी, निजी कम्पनियां और उद्योग प्रमुख हैं। विभिन्न उद्योगों में अनुसंधान एवं विकास से जुड़ी लगभग असीमित प्रकार की नौकरियां हैं। इनमें से कुछ सबसे आम नौकरियां हैं वैज्ञानिक, विश्लेषक, इंजीनियर, शोधकर्ता, रसायनज्ञ और सॉफ्टवेयर डेवलपर।

शोध एवं नवाचार के कॅरियर के लिए जरूरी स्किल्स

जो स्टूडेंट्स शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं, उनके पास ऐसे व्यक्तिगत कौशल या गुण होने चाहिए जो उन्हें इस क्षेत्र में सफल बनाते हैं। अनुसंधान एवं विकास भूमिका में काम करने के लिए विश्लेषणात्मक कौशल जरूरी है। शोध एवं विकास की भूमिका के लिए अच्छे विश्लेषणात्मक कौशल आवश्यक हैं। किसी चीज की बारीकी से विधिपूर्वक जांच करने और फिर उसे समझाने और व्याख्या करने में सक्षम होना इस कार्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण है। संचार कौशल की विशेष अहमियत है किसी भी शोध एवं विकास भूमिका में लेखन का उच्च मानक होना महत्वपूर्ण है, क्योंकि सटीक और विस्तृत जानकारी महत्वपूर्ण है। सहकर्मियों को प्रभावी ढंग से जानकारी संप्रेषित करने में सक्षम होना एक परियोजना के सफल या विफल होने का प्रमुख कारण बन सकता है। इसी तरह, मौखिक कौशल भी उसी कारण से आवश्यक हैं। साथ ही इससे प्रभावी टीमवर्क को सुविधाजनक बनाने में मदद मिलती है।

आप भी शोध में कॅरियर की राह पर आगे बढ़ें

निश्चित रूप से यदि आप शोध एवं नवाचार में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो इस क्षेत्र की जरूरी स्किल्स पर अपनी रुचि, योग्यता और क्षमता का मूल्यांकन करते हुए अपने उपयुक्त क्षेत्र में मध्यप्रदेश, देश या फिर दुनिया के किसी प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान से उपयुक्त डिग्रियों और उपयुक्त कौशल प्रशिक्षण के बाद कॅरियर की चमकीली राह पर आगे बढ़ें।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

अभेद्य था सिंगौरगढ़ का किला

मध्यप्रदेश में एक नया पर्यटन केंद्र बनेगा सिंग्रामपुर

बुंदेलखंड अंचल की समृद्ध पुरा संपदा का महत्वपूर्ण प्रतीक है सिंगौरगढ़ का किला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर सिंगौरगढ़ में पांच अक्टूबर को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक के साथ इस किले की विशेषताएं भी उजागर हो गई हैं। सिंग्रामपुर वीरांगना रानी दुर्गावती की राजधानी रही जो सिंगौरगढ़ के निकट है। इस किले को ऐसा विशिष्ट किला माना जाता है जहां प्रचीन सती परम्परा के प्रमाण भी सती स्तंभों के रूप में मिलते हैं।

सागर संभाग के पन्ना जिले में अजयगढ़ दुर्ग भी अद्भुत है। इसके अलावा सागर किले की भी अलग शान है। सागर के प्राचीन किले में वर्तमान में राज्य पुलिस अकादमी संचालित है। यह सागर सरोवर के पास स्थित है और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र होता है। जयसिंह नगर (आज का जैसीनगर) राहतगढ़ के किले आज पर्यटकों के आकर्षण के प्रमुख केंद्र बनने की संभावनाएं लिए हुए हैं। दांगी शासन काल का गढ़पहरा का किला सागर से झांसी मार्ग पर 10 किलोमीटर दूर स्थित है जहां हनुमान जी का सिद्ध मंदिर है।

शत्रु सैनिक यहां आकर फंस जाते थे

बुंदेलखंड के किलों में सिंगौरगढ़ किले का अलग ऐतिहासिक महत्व है। यह किला सामरिक दृष्टि से बेमिसाल था। सिंगौरगढ़ के किले के दो द्वार द्रष्टव्य थे। तीसरा द्वार शत्रु सैनिकों को मौत के घाट उतारने के काम आता था। पुरातत्व विभाग द्वारा सिंगौरगढ़ किले के बाहर स्थित बोर्ड पर लिखा गया है कि प्रदेश के प्रमुख किलों में से एक सिंगौरगढ़ एक सुरक्षित किला था। इस किले के परकोटे दो तरह से सुसज्जित किए गए थे। एक भाग पहाड़ की चोटियों से गुजरते हुए लगभग पांच किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह बाह्य किले-बंदी के रूप में सुरक्षा के उद्देश्य से निर्मित किया गया था।

सिंगौरगढ़ किले के अंदरूनी भाग में भी एक परकोटा है। यह आंतरिक किले-बंदी के प्रयोजन के लिए निर्मित हुआ था। इन परकोटों को मजबूती प्रदान करने के लिए अनेक स्थानों पर बुर्ज भी निर्मित किए गए थे। सिंगौरगढ़ के किले के बुर्ज भी अलंकृत किए गए थे। इसके लिए कंगूरे की अनवरत श्रंखला का निर्माण हुआ। अनगढ़ पाषाण खण्ड भी सुसज्जित कर निर्माण के काम में लाए गए।

सिंगौरगढ़ के किले का निर्माण सर्वप्रथम कलचुरी राजवंश ने किया था। इसके पश्चात अन्य राजवंशों ने भी किले का उपयोग किया। समय-समय पर अन्य निर्माण भी किले में किए गए। जब इस स्थल को गोंड साम्राज्य का हिस्सा बनाया गया तो इसका महत्व बढ़ गया। सामरिक दृष्टि से किला अत्यंत महत्वपूर्ण है। किले की सुरक्षा के लिए द्विस्तरीय परकोटे और तीन द्वारों के कारण इसे अभेद्य श्रेणी के किले का दर्जा मिला। मुख्य रूप से किले के दो द्वार थे। तृतीय द्वार सामरिक योजना के अंतर्गत एक संकरे प्रांगण में निर्मित किया गया। शत्रु द्वारा किले पर चढ़ाई करने की स्थिति में उन सैनिकों के किले के अंदर घुस आने पर वापस जाने वाले मार्ग के संकरा होने के कारण फंस जाने की परिस्थिति निर्मित हो जाती थी। इस बीच किले में तैनात सैनिकों को इतना समय मिल जाता था कि वे शत्रु सैनिकों पर हमला कर सकें। किले के सैनिक प्रांगण में फंसे शत्रु सैनिकों को आसानी से मौत के घाट उतार देते थे।

कलात्मक रानी महल

इस किले का एक द्वार-हाथी द्वार कहलाता है। हाथियों के आवागमन के लिए इसका उपयोग होता था। किले में रानी महल का निर्माण कलात्मक ढंग से हुआ है। यह महल तीन तलीय है। काष्ठ के उपयोग और झरोखे का निर्माण भी किया गया है। इस महल के नजदीक एक कुण्ड भी निर्मित है।

प्राचीन प्रतिमाएं और सती स्तंभ किले की पहचान

किले के परिसर में भगवान गणेश, विष्णु, हनुमान की प्रतिमाएं भी हैं, जो इसके धार्मिक स्वरूप की जानकारी देती हैं। कुछ सती स्तंभ भी सिंगौरगढ़ के किले में निर्मित हुए थे। उल्लेखनीय है बुंदेलखंड अंचल में कई सती स्तंभ मिले हैं। चौथी शताब्दी में निर्मित एक सती स्तंभ सागर जिले में बीना के पास एरण में मिला था। अपनी यात्रा में ऐसे कई स्तंभ देखने के बाद ब्रिटिश अफसर विलियम बैंटिक ने कलकत्ता पहुंचकर सती निरोधक कानून बनाने की पहल की थी। राजा राम मोहन राय के प्रयासों से वर्ष 1829 में सती प्रथा को गैर-कानूनी घोषित किया गया। बहरहाल मध्यप्रदेश सरकार के कदम के चारों तरफ प्रशंसा हो रही है। मंत्रिपरिषद की बैठक संग्रामपुर में होने से सिंगौरगढ़ किले की विशेषताएं उजागर हुई हैं। पर्यटन स्थल के रूप में इसके विकास और स्थानीय अर्थ व्यवस्था को मजबूत करने की दृष्टि से सम्पूर्ण अंचल को इसका सकारात्मक लाभ प्राप्त होगा।

- अशोक मनवानी

(लेखक, संयुक्त संचालक, जनसंपर्क हैं)

अखिल भारतीय वाक श्रवण संस्थान, मैसूर

पद का नाम - श्रवण विशेषज्ञ/वाक भाषा दोष विशेषज्ञ श्रेणी-I, नैदानिक मनोचिकित्सक, कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, कार्यकारी सहायक श्रेणी-II और बहु पुनर्वास कार्यकर्ता
पदों की संख्या - 07
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 22 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://aiishmysore.in

राजस्थान लोकसेवा आयोग

पद का नाम - राज्य सेवाएं और अधीनस्थ सेवाएं
पदों की संख्या - 733
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 18 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://rpsc.rajasthan.gov.in

उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग

पद का नाम - प्रारूपकार, टेक्नीशियन ग्रेड-2 (विद्युत), टेक्नीशियन ग्रेड-2 (यांत्रिक), नलकूप मिस्त्री, प्लम्बर, मेंटिनेंस सहायक, इलेक्ट्रिशियन, इंस्ट्रूमेंट रिपेयर, अनुरेखक/ट्रेसर तथा बेंतकला प्रशिक्षक
पदों की संख्या - 196
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 18 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://uksssc.net.in

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

पद का नाम - खेल कोटा के अंतर्गत खिलाड़ियों की नियुक्ति
पदों की संख्या - 46
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 20 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://secr.indianrailways.gov.in

मंत्रिमंडल सचिवालय

पद का नाम - उपक्षेत्र अधिकारी
पदों की संख्या - 80
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्था से इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी में स्नातक की डिग्री या विज्ञान या अन्य किसी तकनीकी या वैज्ञानिक अनुशासन में स्नातकोत्तर डिग्री
अंतिम तिथि - 20 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://cabsec.gov.in

दिल्ली विश्वविद्यालय

पद का नाम - असिस्टेंट प्रोफेसर
पदों की संख्या - 23
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 18 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://www.du.ac.in

राष्ट्रीय पशु जैव प्रौद्योगिकी संस्थान

पद का नाम - लाइब्रेरियन
पदों की संख्या - 01
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से लाइब्रेरी साइंस/डाक्यूमेंटेशन अथवा इसके समकक्ष ग्रेड में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक साथ ही किसी प्रतिष्ठित संस्थान की लाइब्रेरी/इन्फॉर्मेटिव कार्य में न्यूनतम 3 वर्ष का अनुभव
अंतिम तिथि - 16 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://cabsec.gov.in

बिहार लोक सेवा आयोग

पद का नाम - विभिन्न विभागों के अलग-अलग सेवाओं/संवर्गों के विभिन्न पद
पदों की संख्या - 1957
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 18 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://www.bpsc.bih.nic.in

हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड

पद का नाम - एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ट्रेनी
पदों की संख्या - 09
योग्यता - मान्यता प्राप्त संस्थान से कम्प्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स साइंस या इलेक्ट्रिकल साइंस में इंजीनियरिंग की डिग्री
अंतिम तिथि - 16 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - http://www.hal-india.co.in

सीएसआईआर - भारतीय समवेत औषध संस्थान

पद का नाम - सुरक्षा अधिकारी, सुरक्षा सहायक, जूनियर स्टेनोग्राफर, जूनियर सचिवालय, सहायक (सामान्य/वित्त एवं लेखा) और स्टाफ कार चालक
पदों की संख्या - 08
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 20 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://iiim.res.in

सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़

पद का नाम - टीजीटी (गणित), टीजीटी (हिंदी), परामर्शदाता, कला एवं शिल्प अध्यापक, संगीत अध्यापक, प्रयोगशाला सहायक, पीईएम/पीटीआई सह मैट्रन (महिला), नर्सिंग सिस्टर (महिला) और घुड़सवारी अनुदेशक
पदों की संख्या - 09
योग्यता - पदानुसार
वॉक इन रिक्रूटमेंट तिथि - 22 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://sschittorgarh.edu.in

एडमिशन अलर्ट

राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय

पाठ्यक्रम का नाम - निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम - सीएनसी ऑपरेटर-टर्निंग, सीएनसी ऑपरेटर-वर्टिकल मशीनिंग सेंटर, सीएनसी प्रोग्रामर
योग्यता- किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान से आईटीआई या डिप्लोमा किया हो।
अंतिम तिथि - 22 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://nbpgr.org.in

स्कॉलरशिप अलर्ट

टाटा कैपिटल पंख स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2024-25

संस्थान का नाम - टाटा कैपिटल
योग्यता - कक्षा 11वीं, 12वीं डिप्लोमा, आईटीआई कोर्स और स्नातक पाठ्यक्रम की पढ़ाई करने वाले छात्र
छात्रवृत्ति राशि - 10 से 12 हजार तक की राशि या कोर्स शुल्क की 80 प्रतिशत राशि
अंतिम तिथि - 15 अक्टूबर 2024
वेबसाइट - https://www.tatacapital.com

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

हमारा जिला भिंड

पौराणिक और विविध राजवंशों के इतिहास का साक्षी है भिंड

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है, क्षमता है और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए है। 'रोज़गार और निर्माण' के हमारा जिला स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आपको परिचित करवा रहे हैं। इस अंक में प्रस्तुत है भिण्ड जिले का परिचय-

मध्यप्रदेश का भिंड जिला भौगोलिक रूप से बीहड़, उपजाऊ भूमि और घने वनों के लिए जाना जाता है। मध्य भारत को 28 मई 1948 में गठित किया गया था इसी में शामिल एक जिला भिण्ड भी था। इसके बाद, नवम्बर 1956 में भिंड नवीन राज्य मध्यप्रदेश का हिस्सा बन गया। पूर्व में भिंड जिले में भिंड, मेहगाँव, गोहद और लहार कुल चार तहसीले थीं, परन्तु वर्तमान में इनकी संख्या आठ है। ये तहसीलें हैं – भिंड, अटेर, मेहगांव, गोहद, मिहोना, लहार, गोरमी एवं रौन। इतिहास के अनुसार, भिंड नाम ऋषि भिंडी से उद्भूत है।

पौराणिक भिंड

महाभारत युद्ध के दौरान यमुना और विन्ध्य के मध्य पूरे क्षेत्र में चेदियों का निवास था। राजा कासु चैद्य (महाभारत में वासु के नाम से प्रख्यात) का उल्लेख ऋग्वेद के एक श्लोक में किया गया है। 6वीं सदी ईसा पूर्व में यह सोलह महाजनपदों में से एक था। कुछ पीढ़ियों के बाद इस वंश का चेदि राजा शिशुपाल था। जिसका वध श्रीकृष्ण द्वारा इंद्रप्रस्थ में किया गया था।

विभिन्न राजवंशों का शासन

पौराणिक साक्ष्यों के अनुसार नन्द वंश के संस्थापक महापद्मनन्द ने सभी क्षत्रपों का विनाश किया और एकक्षत्र शासक बन गए। सम्राट अशोक के शिलालेखों के वितरण से पता चलता है कि वे तीसरी सदी ईसा पूर्व में वह एक विशाल साम्राज्य के सम्राट थे, जिसमें दक्षिण के चार राज्यों को छोड़कर पूरा भारतवर्ष शामिल था। सम्राट अशोक ने अपना साम्राज्य अपने पिता बिन्दुसार और बाबा चन्द्रगुप्त मौर्य से प्राप्त किया था। इसके बाद शुंग वंश ने राज्य किया। तदुपरांत नागाओं ने शासन किया। इसके बाद यहां कुषाणों ने सत्ता संभाली। उसके बाद पुनः नागा वंश ने शासन किया। चौथी शताब्दी के मध्य में नागा साम्राज्य गुप्त संप्रभुता के अधीन हो गया। हूणों के बाद 7वीं शताब्दी में वर्धन राजवंश स्थापित हुआ। 8वीं शताब्दी में 726-50 ई. के मध्य मालवा के साथ-साथ यह क्षेत्र गुर्जर प्रतिहारों की एक शाखा के राजवंश के शासनाधीन आ गया।

राजवंश ने बारहवीं शताब्दी के प्रारम्भिक बर्षों तक ग्वालियर क्षेत्र पर शासन किया। इसके बाद मोहम्मद गौरी और फिर मुगलों ने शासन किया।

नवंबर 1805 में सिंधिया एवं कार्नवालिस प्रथम के साथ संपन्न हुई संधि के तहत अंग्रेजों ने गिर्द गोहद, परगना भिंड और इसकी गढ़ियों सहित ग्वालियर और गोहद के गढ़ महाराजा दौलत राव सिंधिया (1784-1827) को सौंप दिए। 28 अप्रैल, 1948 को ग्वालियर में संयुक्त राज्य मध्य भारत का औपचारिक गठन किया गया।

भौगोलिक स्थिति

ग्वालियर के उत्तर-पूर्व में स्थित भिंड मध्यप्रदेश के उत्तरी क्षेत्र का जिला है। यह क्वारी तथा पहुज नदियों के मध्य चंबल और सिंध की घाटियों में स्थित है। उत्तर पूर्व की तरफ उभरा हुआ यह जिला अर्धवृत्ताकार है।

यह जिला उत्तर दिशा में उत्तरप्रदेश के आगरा और इटावा जिलों तथा दक्षिण में ग्वालियर और दतिया जिलों से घिरा हुआ है। इसकी पूर्वी सीमा उत्तर प्रदेश के इटावा, औरैया और जालौन जिलों से जुड़ी है जबकि पश्चिमी और उत्तर पश्चिमी सीमाएं मुरैना जिले से जुड़ी हैं।

भूगोल

सम्पूर्ण जिला चंबल घाटी में स्थित है। यह गंगा घाटी के दक्षिण-पश्चिमी भाग का निर्माण करता है। यहां पहाड़ियां नाम मात्र को हैं। जिले में मैदानी भाग पर खेती होती हैं। खेत नमीदार स्थानों पर झाड़ियों से युक्त हैं। जिले का सबसे विस्तृत मैदान गोहद और मेहगाँव के आसपास के पश्चिमी भाग में स्थित है। बीहड़ी भूमि नदियों एवं उनकी सहायक नदियों के दोनों तरफ फैली हुई है। ये बीहड़ डकैतों की शरणस्थली तथा बाहर निकालने के रास्ते रहे हैं। घाटी क्षेत्र खेती और बस्तियों के लिए अनुपयुक्त है।

कई नदियां तथा जलधाराएं जिले से होकर बहती हैं। चंबल और सिंध जिले की प्रमुख नदियां हैं। चंबल उत्तरी सीमा का निर्माण करती हैं। दो नदियां यमुना की उपनदियां हैं, वे गंगा जल निकासी व्यवस्था के कुछ हिस्से बनाती हैं। इनके अतिरिक्त, क्वारी,पहुज, आसन और वैसली जिले की अन्य महत्वपूर्ण नदियां हैं।

प्रमुख स्थल

अटेर का किला- इसका निर्माण भदौरिया राजा बदन सिंह, महा सिंह और बखत सिंह द्वारा 1664-1668 के काल

में किया गया था। इनके नाम पर इस क्षेत्र को 'भदावर' के नाम से जाना जाता है। यह चंबल की गहरी वादियों में स्थित है। यह भिंड शहर के पश्चिम में 35 किलोमीटर दूर स्थित है। यहां जाने के लिए प्रातः 6 बजे से सायं 4 बजे तक परिवहन उपलब्ध रहता है। 'खूनी दरवाजा', 'बदन सिंह का महल', 'हथियापुर', 'राजा का बंगला', 'रानी का बंगला 'और' बारह खंबा महल' किले के मुख्य आकर्षण हैं।

बरासों के जैन मंदिर- ये प्राचीन मंदिर हैं, इनका अस्तित्व इस क्षेत्र में भगवान महावीर स्वामी की यात्रा के बाद आया। ये मंदिर भिंड-ग्वालियर रोड पर भिंड के दक्षिण पूर्व में लगभग 5 किलोमीटर दूर स्थित हैं।

जमदारा में माता रेणुका मंदिर- यह गोहद तहसील में स्थित है। भगवान परशुराम जी से जुड़ी लोककथा है कि उनके पिता ने माता रेणुका के सिर को काटने का आदेश दिया था जिसका उन्होंने पालन किया और पुरस्कार स्वरूप अपने पिता से माता रेणुका का पुनर्जीवन मांगा जिसको पिता जमदग्नि ने स्वीकार कर लिया। इसी घटना स्थल पर मंदिर का निर्माण किया गया। मन्दिर में देवी माता रेणुका की मूर्ति है। जिनका सिर धड़ से कटा हुआ है।

नारद देव मंदिर- सिंध नदी के किनारे पर स्थित यह एक शिव मंदिर है। यह मंदिर अति प्राचीन है और कहते हैं महर्षि नारद ने यहां पूजा की थी।

गोहद का किला- यह किला 16वीं शताब्दी में जाट राजा महा सिंह द्वारा बनवाया गया था। यह किला जीर्ण हो चुका है। महल की सुन्दर नक्काशी आकर्षक है। 'कछारी महल' ईरानी कला का एक अनोखा उदाहरण है। किले तक बस द्वारा पहुंचा जा सकता है।

पंचनदा- पांच नदियों-पहुज, सिंध, क्वारी, चंबल और यमुना जो भिंड या इसके आस-पास बहती हैं, का संगम दो किलोमीटर के क्षेत्र में होता है जो 'पंचनदा' के नाम से प्रसिद्ध है। जिले से ठीक सटा हुआ यह स्थान वास्तव में उत्तर प्रदेश में है लेकिन यह एक दुर्लभ घटना है जहां पांच नदियों का एक ही बिंदु पर एक समय में संगम होता है।

मल्हार राव होलकर की छतरी आलमपुर - यह छतरी महारानी अहिल्या बाई होलकर ने 1766 में महान मराठा शासक मल्हार राव होल्कर के सम्मान में बनाई थी। यह सुंदर नक्काशी और शानदार वास्तुकला के साथ विशेष स्वरूप लिये है। यह इंदौर में होलकर शासकों के छतरियो के समान है जो फूलों और पत्ती के पैटर्न के साथ सजावटी रूप से नक्काशीदार है। मराठा शैली छतरी शिखर गुंबद और कमान के एक सुंदर मिश्रण का प्रतिनिधित्व करती है, जिस पर कलश को बहुत ही आकर्षक तरीके से बनाया गया है।

वनखंडेश्वर मंदिर- यह मंदिर भिंड शहर में स्थित है। भगवान शिव को समर्पित, वनखंडेश्वर मंदिर को भारत के सबसे पुराने मंदिरों में से एक माना जाता है, मान्यता है कि इस शिव मंदिर का निर्माण वर्ष 1175 ई. में राजा पृथ्वीराज चौहान द्वारा करवाया गया था। कहा जाता है कि इस मंदिर में अखण्ड ज्योति निरंतर प्रज्वलित है। हर सोमवार, मंदिर में 'महाआरती' होती है और महाशिवरात्रि उत्सव के दौरान हर साल यहां एक बड़ा मेला आयोजित किया जाता है।

उत्पादन

जिले में बाजरा, गेहूं तथा सरसों का उत्पादन होता है। मुख्यतः भिण्ड अंचल की जलवायु सरसों की उपज के लिए सबसे अधिक उपयुक्त है। सरसों की फसल के समय इस क्षेत्र के खेत पीली चादर से ढके हुए प्रतीत होते हैं इसीलिए भिण्ड की सरसों को पीली सोना की संज्ञा भी दी जाती है। सरसों इस क्षेत्र के किसानों की अर्थव्यवस्था की मेरूदन्ड है। जिले में सरसों का तेल निकलने के लिए कई आधुनिक मिल हैं जिनके तेल की पूरे देश में मांग है।

उत्सव, भुजारिया

यहां भुजरियों का मेला महोबा के वीर योद्धा आल्हा और ऊदल के नाम के साथ सम्बद्ध है। भिण्ड में भुजरियों का मेला अत्यंत उत्साह के साथ मनाया जाता है। सावन महीने के अंतिम दिवस हजारों की संख्या में नगरवासी तथा दूर-दराज के ग्रामों से पधारे हुए आगन्तुक इस मेले में एक दूसरे को भुजरिया प्रदान करते हैं।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

दीपा कर्माकर ने जिम्नास्टिक से लिया संन्यास

नई दिल्ली, ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली महिला जिम्नास्ट दीपा कर्माकर ने खेल से संन्यास लेने की घोषणा की है। दीपा वर्ष 2016 के रियो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रही थीं। इस स्पर्धा में वह बेहद मामूली अंतर से कांस्य पदक जीतने से चूक गई थीं। दीपा ने जिम्नास्टिक विश्वकप-2018 और एशियाई जिम्नास्टिक चैम्पियनशिप-2024 में स्वर्ण पदक जीते हैं। इसके अलावा वह वर्ष 2014 के राष्ट्रमंडल खेलों और वर्ष 2015 की एशियाई चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतने में सफल रही हैं। दीपा पिछले कुछ वर्षों से चोट से परेशान थीं। इस दौरान दो बार उनके घुटने की सर्जरी भी हुई थी। दीपा के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें वर्ष 2016 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार तथा वर्ष 2017 में पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया है।

भारत-बांग्लादेश ट्वेंटी-20 सीरीज

भारत ने बांग्लादेश को 86 रन से हराया

नई दिल्ली, युवा खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को ट्वेंटी-20 मुकाबले में करारी मात दी है। भारत और बांग्लादेश के बीच खेली गई तीन मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज के दूसरे मैच में भारत ने बांग्लादेश को 86 रन से हराया। भारत की जीत के हीरो युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी और रिंकू सिंह रहे।

मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बांग्लादेश के गेंदबाजों ने 41 रन तक संजू सैमसन (10), अभिषेक शर्मा (15) और सूर्यकुमार यादव को आउट कर भारत को दबाव में ला दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये नीतीश कुमार रेड्डी और रिंकू सिंह ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और बांग्लादेश के गेंदबाजों को जमकर पीटा। दोनों बल्लेबाजों ने 48 गेंदों में 108 रनों की साझेदारी की। नीतीश ने 34 गेंदों में 74 रन बनाये, जबकि रिंकू सिंह ने 29 गेंदों में 53 रनों की पारी खेली। अंतिम ओवरों में हार्दिक पंड्या ने (32) रनों की पारी खेलकर भारत को 221 रनों तक पहुंचाया।

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने संघर्ष करती हुई नजर आई। हालांकि

- सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत ने लगातार तीसरी ट्वेंटी-20 सीरीज जीती है।
- भारतीय टीम ने लगातार नौवां ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच जीता है।
- बांग्लादेश के खिलाफ भारत की कुल 15वीं जीत है।
- भारतीय टीम ने इस वर्ष 20 ट्वेंटी-20 मैच जीते हैं।

बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज परवेज हुसैन इमोन ने पहले ओवर में 14 रन बनाकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई, लेकिन वह इसे बरकरार नहीं रख पाए। 100 रन के अंदर बांग्लादेश के 7 बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। अपनी आखिरी ट्वेंटी-20 सीरीज खेल रहे महमदुल्लाह ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाये। बांग्लादेश की टीम 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 135 रन ही बना सकी।

नीतीश का बेहतरीन प्रदर्शन

अपना दूसरा ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल रहे नीतीश कुमार रेड्डी ने मैच में गेंद और बल्ले से बेहतरीन खेल दिखाया। नीतीश ने चार चौकों और सात छक्कों की मदद से 74 रन बनाए। यह नीतीश के कॅरियर का पहला अंतर्राष्ट्रीय अर्धशतक है। तूफानी पारी खेलने के बाद नीतीश ने गेंद से भी कमाल किया और 2 विकेट लिए।

भारत करेगा खो-खो विश्वकप की मेजबानी

नई दिल्ली, वर्ष 2025 में पहली बार खो-खो विश्वकप का आयोजन किया जाएगा। इस खेल आयोजन की मेजबानी भारत करेगा। इस विश्वकप में दुनिया की 24 टीमें महिला और पुरुष वर्ग में हिस्सा लेंगी। यह जानकारी भारतीय खो-खो महासंघ ने दी है। महासंघ ने एक बयान जारी कर कहा कि भारत खो-खो खेल का जनक है तथा यह विश्वकप इस खेल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्रतिस्पर्धी भावना को उजागर करेगा। इस खेल ने वैश्विक उपस्थिति दर्ज करा ली है। मौजूदा समय में विश्व के 54 देशों में यह खेला जाता है।

डेविस कप प्लेऑफ में टोगो के खिलाफ खेलेगा भारत

लंदन, अंतर्राष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) ने टेनिस का विश्वकप कहे जाने वाले डेविस कप टूर्नामेंट का ड्रॉ घोषित कर दिया है। इस ड्रॉ के तहत भारत अगले वर्ष 31 जनवरी से 2 फरवरी तक खेले जाने वाले डेविस कप विश्व ग्रुप-1 प्ले ऑफ में टोगो के खिलाफ मुकाबला खेलेगा। आईटीएफ ने विश्व ग्रुप-1 और 2 के प्ले ऑफ मुकाबलों का कार्यक्रम जारी किया है। इस टूर्नामेंट में 52 देश हिस्सा लेंगे। आईटीएफ के अनुसार भारत विश्व ग्रुप-1 प्लेऑफ में एक मुकाबला स्वदेश में खेलेगा। इस मुकाबले की तारीख मेजबान देश तय करेगा।

सुल्तान ऑफ जोहोर कप के लिए भारतीय हॉकी टीम घोषित

नई दिल्ली, हॉकी इंडिया ने इस महीने मलेशिया में आयोजित होने वाले सुल्तान ऑफ जोहोर कप के लिए भारतीय हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। हॉकी इंडिया ने हाल ही में खेल से संन्यास लेने वाले भारतीय हॉकी टीम के पूर्व गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश को टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। हॉकी इंडिया ने 18 सदस्यीय भारतीय टीम की कमान आमिर अली को सौंपी है, वहीं रोहित टीम के उपकप्तान होंगे।

जोहोर कप में भारत अपने अभियान की शुरुआत 19 अक्टूबर को जापान के खिलाफ मैच से करेगा। इसके बाद भारतीय टीम 20 अक्टूबर को ग्रेट ब्रिटेन, 22 अक्टूबर को मलेशिया, 23 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया तथा 25 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना लीग मैच खेलेगी।

जोहोर कप - एक नजर में

सुल्तान ऑफ जोहोर कप हॉकी का एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। हर वर्ष आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में अंडर-21 वर्ग की टीमें हिस्सा लेती हैं। यह टूर्नामेंट अब तक 11 बार आयोजित हुआ है। भारत और ग्रेट ब्रिटेन ने सबसे ज्यादा 3-3 बार यह टूर्नामेंट जीता है। वहीं ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी ने 2-2 बार तथा मलेशिया एक बार जोहोर कप चैम्पियन बना है। इस वर्ष यह टूर्नामेंट 19 से 26 अक्टूबर तक खेला जाएगा।

भारतीय टीम

गोलकीपर- बिक्रमजीत सिंह और अली खान। **डिफेंडर-** आमिर अली, तलेम प्रियोबार्ता, शारदानंद तिवारी, सुखविंदर, अनमोल एक्का और रोहित। **मिडफील्डर-** अंकित पाल, मनमीत सिंह, रोशन कुजुर, मुकेश टोप्पो और चंदन यादव। **फॉरवर्ड-** गुरजोत सिंह, सौरभ आनंद कुशवाहा, दिलराज सिंह, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद कोनैन दाद

अंतर्राष्ट्रीय मास्टर्स लीग में खेलेंगे सचिन तेंदुलकर

नई दिल्ली, भारत के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर एक बार फिर क्रिकेट के मैदान पर नजर आयेंगे। सचिन इस वर्ष आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय मास्टर्स लीग में हिस्सा लेंगी। इस लीग में भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और श्रीलंका के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इस टूर्नामेंट के मैच मुंबई, लखनऊ और रायपुर में खेले जाएंगे।

ग्रीजमैन ने लिया संन्यास

पेरिस, फ्रांस के दिग्गज फुटबॉलर एंटोनी ग्रीजमैन ने फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। 33 वर्षीय ग्रीजमैन ने सोशल मीडिया के जरिए अपने संन्यास की पुष्टि की। ग्रीजमैन ने फ्रांस के लिए 137 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं, फ्रांसीसी टीम में फॉरवर्ड पोजिशन पर खेलने वाले ग्रीजमैन ने इन मैचों में 44 गोल दागे हैं। ग्रीजमैन ने वर्ष 2014 में नीदरलैंड्स के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण किया था।

घरेलू क्रिकेट

मुंबई ने 15वीं बार जीता ईरानी कप का खिताब

लखनऊ, रणजी ट्रॉफी की चैम्पियन मुंबई ने 15वीं बार ईरानी कप का खिताब अपने नाम किया है। मुंबई ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर शेष भारत को हराया। मुंबई ने 27 वर्ष बाद ईरान कप जीता है। इससे पहले मुंबई ने वर्ष 1997-98 में यह खिताब जीता था। ईरानी कप में मुंबई टीम की अगुवाई दिग्गज बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे कर रहे थे, जबकि ऋतुराज गायकवाड़ ने शेष भारत टीम का नेतृत्व किया।

मैच में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई टीम के बल्लेबाजों ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। मुंबई के लिए सरफराज खान ने नाबाद 222 रनों की पारी खेली वहीं कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 97, श्रेयस अय्यर ने 57 और तनुष कोटियान ने 64 रनों की पारी खेलकर मुंबई को 537 रन तक पहुंचाया। वहीं शेष भारत टीम ने पहली पारी में सलामी बल्लेबाज

अभिमन्यु ईश्वरन (191) और ध्रुव जुरेल (93) की शानदार पारियों के दम पर 416 रन बनाये।

मुंबई को पहली पारी के आधार पर 121 रन की बढ़त हासिल करने के बाद मुंबई के बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में भी शानदार प्रदर्शन किया। दूसरी पारी में पृथ्वी शॉ ने (76) अर्धशतक बनाया जबकि तनुष कोटियान ने 114 रनों की पारी खेली। मुंबई ने 8 विकेट पर 329 रन बनाकर पारी घोषित की। इसके बाद यह मैच बिना किसी नतीजे के समाप्त (ड्रॉ) हो गया। पहली पारी में बढ़त बनाने के कारण खिताब मुंबई के नाम रहा।

आईसीसी महिला ट्वेंटी-20 विश्वकप

भारत ने दर्ज की अपनी सबसे बड़ी जीत

दुबई, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित आईसीसी महिला ट्वेंटी-20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को कायम रखा है। विश्वकप में भारत ने अपने तीसरे लीग मुकाबले में एशियन चैम्पियन श्रीलंका को 82 रन से हराया। यह महिला ट्वेंटी-20 विश्वकप के इतिहास में रनों के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी जीत है।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 12.4 ओवरों में 98 रनों की साझेदारी की। स्मृति ने 50 रनों की पारी खेली। यह स्मृति के ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय कॅरियर का 27 अर्धशतक है। वहीं शेफाली ने 43 रन बनाये। इन दोनों के आउट होने के

- इस विश्वकप में भारतीय टीम की तीन मैचों में यह दूसरी जीत है।
- इस जीत के साथ ही भारतीय टीम विश्वकप के ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।
- विश्वकप में दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमें ही सेमीफाइनल में जगह बना सकेंगी।
- पहला सेमीफाइनल 17 अक्टूबर तथा दूसरा सेमीफाइनल 18 अक्टूबर को खेला जाएगा।
- फाइनल मुकाबला 20 अक्टूबर को दुबई में खेला जाएगा।

बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमाह रोड्रिग्ज ने पारी को संभाला। हरमनप्रीत ने 27 गेंदों में 52 रनों की बेहतरीन पारी खेलकर टीम को 172 रन के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम के 3 विकेट महज 6 रन के स्कोर पर गिर गए। भारतीय गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी के सामने श्रीलंकाई बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करती हुई नजर आईं। श्रीलंका के लिए कविशा दिलहारी ने सबसे ज्यादा 21 रन बनाये, जबकि अनुष्का संजीवनी ने 20 रनों की पारी खेली। श्रीलंकाई टीम की पारी 19.5 ओवरों में 90 रन पर ही सिमट गई। भारत के लिए अरुंधति रेड्डी और आशा शोभना ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3-3 विकेट लिए। वहीं रेणुका सिंह ठाकुर ने 2 तथा श्रेयंका पाटिल और दीप्ति शर्मा ने 1-1 विकेट लिए।

चाइना ओपन

कोको गॉफ ने जीता खिताब

बीजिंग, अमेरिकी की अनुभवी महिला टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने चाइना ओपन का खिताब जीत लिया है। टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग के फाइनल में गॉफ ने चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा को सीधे सेटों में 6-1, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ गॉफ ओपन युग में हार्डकोर्ट पर डब्ल्यूटीए के शुरुआती सात टूर्नामेंट जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। यह गॉफ के टेनिस कॅरियर का दूसरा डब्ल्यूटीए खिताब है।

गॉफ ने चाइना ओपन में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल में स्पेन की पाउला बाडोसा को रोमांचक मुकाबले में 4-6, 6-4, 6-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल में उम्मीद थी कि गॉफ को मुचोवा से कड़ी चुनौती मिलेगी, लेकिन गॉफ के जबरदस्त प्रदर्शन के सामने मुचोवा की चुनौती नाकाफी रही। गॉफ ने पहला सेट 6-1 के अंतर से जीता वहीं दूसरे

सेट में भी उन्हें खास दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ा और 6-3 से जीत दर्ज की। इस मैच के दौरान गॉफ ने कुल 24 विनर लगाए।

- कोको गॉफ ने पहली बार जीता है चाइना ओपन का खिताब।
- गॉफ यह खिताब जीतने वाली दूसरी अमेरिकी महिला खिलाड़ी हैं।
- गॉफ से पहले सेरेना विलियम्स ने वर्ष 2013 में यह खिताब जीता था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

नासा ने बंद किया वॉयजर-2 स्पेसक्रॉफ्ट का एक हिस्सा

नासा के वॉयजर-2 अंतरिक्ष यान को लेकर बड़ी खबर आई है। नासा टीम के मुताबिक इसकी ऊर्जा लगातार कम होती जा रही है। इस प्रयास में इसके एक विज्ञान उपकरण को बंद करने का फैसला लिया गया है। वर्तमान में यह अंतरिक्ष यान पृथ्वी से 20.9 अरब किलोमीटर की दूरी पर अंतरिक्ष में आगे बढ़ता जा रहा है। मिशन इंजीनियरों ने वॉयजर-2 के प्लाज्मा साइंस, या PLS एक्सपेरिमेंट बंद करने के लिए एक कमांड भेजा। इसका इस्तेमाल सौर हवाओं का निरीक्षण करने के लिए किया जाता था। पिछले दिनों डीप स्पेस नेटवर्क (DSN) का इस्तेमाल करके इसे बंद करने का सिग्नल भेजा गया। DSN विशाल रेडियो एंटीना की एक सीरीज है जो अंतरिक्ष के माध्यम से अरबों किलोमीटर तक जानकारी भेज सकता है। नासा ने कहा कि वॉयजर-2 तक संदेश पहुंचने में 19 घंटे लगे और वापसी का संकेत 19 घंटे बाद मिला। यह अंतरिक्ष यान बेहद पुराना है और इसका ऊर्जा भंडार लगातार कम होता जा रहा था।

अरबों डॉलर के खजाने पर कोलंबिया, स्पेन और अमेरिकी कंपनी का दावा

समुद्र में समाए अरबों के खजाने पर कानूनी जंग और जोर आजमाइश तेज हो रही है। ये अरबों का खजाना स्पेन के एक जहाज सैन जोस के साथ 300 साल पहले समुद्र में डूब गया था। सैन जोस को कोलंबिया के तट पर ब्रिटिश सेना ने डुबो दिया था। इस जहाज में अरबों डॉलर की कीमत के सोना, चांदी और पन्ना जैसे रत्न थे। सैन जोस को दुनिया का सबसे मूल्यवान जहाज का मलबा माना गया है। इसकी खोज करने वाले मानते हैं कि ये मलबा करीब 18 अरब अमेरिकी डॉलर का हो सकता है। इस जहाज के मलबे की खोज के करीब एक दशक बाद भी ये बहस जारी है कि खजाने का मालिक कौन है। कोलंबिया और स्पेन ने इसे अपना बताया है तो अमेरिकी कंपनी और दक्षिण अमेरिका में स्वदेशी समूहों ने भी इस पर दावा ठोका है। कोलंबिया और अमेरिका इस पर लंबी अदालती लड़ाई लड़ चुके हैं और फिलहाल ये केस हेग में स्थायी मध्यस्थता न्यायालय के सामने है।

रूस के आगे झुकेगा नहीं यूक्रेन

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक बयान में कहा कि उनका देश हर साल चार मिलियन ड्रोन का उत्पादन कर सकता है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन अन्य हथियारों के निर्माण में तेजी से वृद्धि कर रहा है। जेलेंस्की ने यह टिप्पणी कीव में दर्जनों विदेशी हथियार निर्माताओं के साथ एक बैठक के दौरान की। जेलेंस्की ने बताया कि इस साल यूक्रेन ने 1.5 मिलियन ड्रोन के उत्पादन के लिए पहले ही अनुबंध कर लिया है। यूक्रेन अब रूस के अंदर गहराई तक हमले करने की क्षमता पर जोर दे रहा है और पश्चिमी लंबी दूरी के मिसाइलों के उपयोग की अनुमति मांग रहा है, लेकिन अभी तक इसे मंजूरी नहीं मिली है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली में आयोजित मीडिया कॉन्क्लेव-2024 को किया संबोधित

पूर्वोत्तर राज्य केवल भौगोलिक क्षेत्र नहीं बल्कि संस्कृति परंपराओं और प्राकृतिक सुंदरता का जीवंत प्रमाण हैं

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ नई दिल्ली में आयोजित मीडिया कॉन्क्लेव 2024 में शामिल हुए। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने एक्ट ईस्ट पॉलिसी के परिवर्तनकारी प्रभाव और राष्ट्रीय आख्यानों पर विचार रखे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत का हृदय एवं आत्मा है। उन्होंने मीडिया से पर्यटन और विकास कार्य में इस क्षेत्र की संभावनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया।

उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि पूर्वोत्तर केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं है, बल्कि संस्कृतियों, परंपराओं और प्राकृतिक सुंदरता का एक जीवंत दृश्य है, जो भारत के मूलतत्त्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड, स्विट्जरलैंड और स्कॉटलैंड को एक साथ रख दें तब भी यह देश पूर्वोत्तर की समृद्धि से पीछे रह जाएंगे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यहां पर हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी हो गई है और जलमार्गों का बीस गुना विस्तार हुआ है, जिससे देशभर में भारी रुचि तथा निवेश हुआ है।

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ नई दिल्ली में मीडिया कॉन्क्लेव-2024 को संबोधित करते हुए

एक्ट ईस्ट नीति का महत्व

उपराष्ट्रपति ने पूर्वोत्तर के लोगों की जीवंत संस्कृति, उत्कृष्ट भोजन और ऊर्जा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मैं शब्दों में वर्णन नहीं कर सकता कि मैंने वहां किस तरह का सांस्कृतिक उत्सव देखा और वास्तव में पूर्वोत्तर भारत का हृदय एवं आत्मा है। उपराष्ट्रपति ने नोम पेन्ह में आसियान शिखर सम्मेलन में अपनी भागीदारी के अनुभव साझा करते हुए 'एक्ट ईस्ट' नीति का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि एक्ट ईस्ट नीति देश की सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ गहरे संबंधों को बढ़ावा देगी। उन्होंने बढ़ती कनेक्टिविटी की ओर इशारा किया, जो जल्द ही पूर्वोत्तर से कंबोडिया तक यात्रा को सक्षम बनाएगी, जहां भारत प्रतिष्ठित अंकोरवाट मंदिर का जीर्णोद्धार करा रहा है।

पर्यटन की क्षमता पर प्रकाश डाला

उपराष्ट्रपति ने पूर्वोत्तर की कश्मीर के साथ समानताओं पर चर्चा करते हुए कहा कि कश्मीर एक शानदार जगह है, जिसे गले लगाना चाहिए। 1990 के दशक में मैंने श्रीनगर का दौरा किया, तब सड़क पर मुश्किल से 20 लोग थे। राज्यसभा के रिकॉर्ड अनुसार पिछले साल 2 करोड़ से अधिक पर्यटक जम्मू और कश्मीर गए। यह हमारे राष्ट्र की परिवर्तनकारी यात्रा का प्रमाण है। उन्होंने पूर्वोत्तर की अर्थव्यवस्था को बदलने के लिए पर्यटन की क्षमता पर प्रकाश डाला।

आर्थिक चुनौतियों को किया याद

व्यापक राष्ट्रीय विकास पर चर्चा करते हुए 1990 के दशक में भारत की आर्थिक चुनौतियों को याद किया। उन्होंने कहा कि मुझे 1990 के दशक में संसद सदस्य और केंद्रीय मंत्री के रूप में अपने दिन याद हैं। उस समय आर्थिक साख को बनाए रखने के लिए हमारा सोना स्विट्जरलैंड भेजा जाता था। हमारा विदेशी मुद्रा भंडार लगभग एक अरब अमेरिकी डॉलर था।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रूस और चीन कर रहे संयुक्त निगरानी

रूस और चीन के युद्धपोतों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में संयुक्त गश्त शुरू कर दी है। यह गश्त संयुक्त सैन्य अभ्यास खत्म होने के बाद शुरू की गई है। इस गश्त में रूस के पूर्वी तट से लेकर अमेरिका का पश्चिमी किनारा और दक्षिण में ऑस्ट्रेलिया तक का इलाका शामिल है। रूस और चीन के इस ऐलान से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की टेंशन बढ़ गई है। रूस और चीन के संयुक्त गश्त से सबसे अधिक टेंशन जापान, ताइवान, फिलीपींस और ऑस्ट्रेलिया को होने वाली है। इस इलाके में भारतीय नौसेना भी अपने युद्धपोतों को भेजती रहती है।

रूस के प्रशांत बेड़े ने एक बयान में कहा, "रूसी और चीनी नौसेनाओं के युद्धपोतों ने 'बेइबू इंटरैक्शन-2024' अभ्यास में भाग लेने के बाद ओखोटस्क सागर में आपूर्ति की भरपाई की, एक सामरिक समूह बनाया और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में गश्ती मिशन शुरू किया। जहाज समूह ने बुसोल जलडमरूमध्य को पार किया और उत्तर-पश्चिमी प्रशांत महासागर में प्रवेश किया।"

फ्रांस में मिला सोने का उल्लू

दुनिया की सबसे लंबी खजाना खोज प्रतियोगिता का अंत हो गया। फ्रांस की एक घोषणा के बाद ऐसा लगता है कि 31 साल बाद दफन सोने के उल्लू की मूर्ति अंततः खोज ली गई है। तीन दशकों पहले फ्रांस में मायावी सुनहरे उल्लू की मूर्ति की खोज शुरू हुई थी। 1993 में यह खोज शुरू हुई, जिसने दुनिया भर के हजारों प्रतिभागियों को मोहित कर लिया। प्रत्येक ने 11 मुश्किल

- फ्रांस में खजाना खोजने की प्रतियोगिता खत्म हो गई।
- 31 साल पहले शुरू हुई थी प्रतियोगिता।
- अब इस सोने के उल्लू को खोज निकाला गया है।

पहेलियों की एक सीरीज को समझने की कोशिश की, जो उल्लू की दफन कांस्य की मूर्ति तक ले जा सकती थी। यह कोई प्राचीन खजाना नहीं है। बल्कि प्रतियोगिता के तहत रखा गया था।

खजाने की खोज को 'गोल्डन आउल' के नाम से जाना जाता है। पहेली निर्माता मैक्स वैलेन्टिन के दिमाग की यह उपज थी। उन्होंने इसे फ्रांस में कहीं दफना दिया था। इससे जुड़े जटिल सुराग 1993 में प्रकाशित एक पुस्तक में थे। खजाना खोज की आधिकारिक चैटलाइन पर किताब के चित्रकार माइकल बेकर ने एक पोस्ट में कहा, 'हम पुष्टि करते हैं कि गोल्डन उल्लू की प्रतिकृति कल रात खोदी गई थी और साथ ही ऑनलाइन प्रणाली पर इसका सॉल्यूशन भेज दिया है। इसलिए अब किसी भी स्थान के लिए यात्रा और वहां जाकर खुदाई करना व्यर्थ है।' इसके बाद ही सभी ने माना कि अब प्रतियोगिता का समापन हो गया है।

अमेरिकी चुनाव से पहले डोनाल्ड ट्रंप पर लगे आरोप

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2020 का चुनाव हारने से पहले ही नतीजे पलटने की कोशिश

करने के लिए आधार तैयार कर लिया था तथा जानबूझकर मतदाता धोखाधड़ी के झूठे दावे किए और सत्ता पर काबिज रहने की अपनी असफल कोशिश के तहत अपराध का सहारा लिया। यह जानकारी अदालत में दायर अभियोजक के दस्तावेज से मिली है। इस दस्तावेज में पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ ऐतिहासिक आपराधिक मामले से जुड़ी नई जानकारियां सामने आई हैं।

विशेष वकील जैक स्मिथ की टीम की ओर से दायर दस्तावेज में अब तक का सबसे व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है जिससे पता चलता है कि अगर ट्रंप पर चुनाव के नतीजे को पलटने की साजिश रचने का आरोप का मामला सुनवाई तक पहुंचता है तो अभियोजक क्या साबित करना चाहता है। हालांकि महीनों तक चली जांच और अभियोग में चुनाव परिणाम को पलटने के ट्रंप के प्रयासों का स्पष्ट विवरण दिया गया है।

मगर नए दस्तावेज में ट्रंप के सहयोगियों की ओर से दिए गए अज्ञात विवरणों का हवाला दिया गया है और इसमें एक हताश राष्ट्रपति की तस्वीर पेश की गई है, जो व्हाइट हाउस पर पकड़ खोते हुए देख 'चुनावी प्रक्रिया के हर चरण को निशाना बनाने के लिए छल का इस्तेमाल करता है। दस्तावेज में ट्रंप के सहयोगियों का जिक्र है।

रूस ने आतंकवादी संगठनों की सूची से हटाया तालिबान का नाम

अफगानिस्तान पर शासन करने वाले तालिबान के लिए रूस से अच्छी खबर है। रूस ने तालिबान को आतंकवादी संगठनों की सूची से हटाने का फैसला किया है। रूसी समाचार एजेंसी तास ने रूस के विदेश मंत्रालय के हवाले से ये जानकारी दी है। मंत्रालय ने कहा कि यह फैसला उच्चतम स्तर पर लिया गया है। अफगानिस्तान पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विशेष प्रतिनिधि जमीर काबुलोव के हवाले से कहा गया कि इस निर्णय को अमली जामा पहनाने के लिए विभिन्न कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया जाना चाहिए।

ज्ञात रहे कि अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के कब्जा करने के बाद से ही रूस धीरे-धीरे उसके साथ संबंध बना रहा है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने इसी साल जुलाई में कहा था कि रूस अफगानिस्तान के

- मॉस्को में अफगानिस्तान को लेकर हुई अहम बैठक।

तालिबान आंदोलन को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सहयोगी मानता है। हालांकि, रूस में आधिकारिक रूप से अभी भी तालिबान को गैरकानूनी संगठनों की लिस्ट में डाल रखा है।

चीन और यूएई ने तालिबान के राजदूत को स्वीकार कर लिया है

किसी भी देश ने औपचारिक रूप से तालिबान को देश के वैध नेतृत्व के रूप में मान्यता नहीं दी है। हालांकि, चीन और यूएई ने इसके राजदूतों को स्वीकार कर लिया है। मॉस्को ने साल 2003 में तालिबान को औपचारिक रूप से आतंकवादी संगठन घोषित किया था। अब इसे हटाना अफगानिस्तान के साथ रूस के संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।